THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 33 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.3 2083 सोमवार, 4 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'बंगाल में चुनाव नहीं, युद्ध चल रहा'

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों को तैनात किए जाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। इस बड़े फैसले का समर्थन करते हुए भाजपा नेत्री केया घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। केया घोष ने राज्य की कानून-व्यवस्था और राजनीतिक माहौल पर सवाल उठाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं, बल्कि युद्ध चल रहा है। देश के चार अन्य राज्यों में भी चुनाव हो रहे हैं, लेकिन केवल पश्चिम बंगाल में ही चुनाव आयोग के खिलाफ युद्ध छेड़ा जा रहा है। भाजपा नेत्री ने आगे कहा कि बंगाल का यह चुनाव अब 'जनता बनाम ममता बनर्जी' बन चुका है।

आज होगा भविष्य का फैसला

चप्पे-चप्पे पर रहेगी चुनाव आयोग की पैनी नजर : सीईओ मनोज अग्रवाल

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे से ठीक पहले निर्वाचन आयोग ने राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी मतगणना सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल और विशेष चुनावी रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि सोमवार को होने वाली वोटों की गिनती के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है।

> वोटों की गिनती स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से की जाएगी। हम पूरी तरह तैयार हैं, कहीं भी कोई अशांति नहीं होगी। चुनाव आयोग ने हर केंद्र पर सुरक्षा के कड़े मानक तय किए हैं।
>
> *मनोज कुमार अग्रवाल,*
> *मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल*

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा, वोटों की गिनती स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से की जाएगी। हम पूरी तरह तैयार हैं, कहीं भी कोई अशांति नहीं होगी। सोमवार को होने वाली मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने हर केंद्र पर सुरक्षा के कड़े मानक तय किए हैं।

वहीं, विशेष चुनावी रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने सुरक्षा और पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह तैयार हैं।

वोट चोरी की कोई संभावना नहीं है। वोटों की गिनती में कोई अनियमितता नहीं होगी। प्रशासन ने मतगणना को लेकर किसी भी संशय को दूर करने के लिए कर्मचारियों के चयन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है।

सुब्रत गुप्ता ने आगे बताया, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना के लिए सभी को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें केंद्र सरकार के कर्मचारी होंगे और राज्य सरकार के कुछ कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं होने दी जाएगी। चुनाव आयोग ने उन आशंकाओं को शांत करने की कोशिश की है जो अक्सर चुनावी नतीजों के दिन तनाव और धांधली के आरोपों के रूप में सामने आती हैं। बंगाल में इस बार मतगणना केंद्रों पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

भाजपा के झंडे वाले वाहन कैसे घुसे : टीएमसी

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र के बाहर रविवार को हंगामा हुआ। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को उस परिसर में प्रवेश दिया गया, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं।

यह घटना उस समय हुई, जब इससे एक दिन पहले ममता बनर्जी ने सखावत बालिका विद्यालय में स्थित इस मतगणना केंद्र के बाहर चार घंटे तक धरना दिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम में अनधिकृतिक लोगों के के प्रवेश का आरोप लगाया था।

मतदान खत्म होने के बाद अब पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सत्ता को लेकर तनाव बढ़ गया है। दोनों दलों के नेता और कार्यकर्ता राज्यभर में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं, जहां उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद है। भारी जीत का भरोसा जताने के बावजूद ममता बनर्जी ने कई बार मतगणना में गड़बड़ी और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका जताई है।

रविवार सुबह टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो गाड़ियां परिसर में घुसीं और स्ट्रांग रूम के पास तक पहुंच गईं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि बिना पहचान पत्र के किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। फिर भी इन वाहनों को कैसे प्रवेश मिला। टीएमसी ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का भरोसा दिया। लेकिन वह कुछ समय तक वहां खड़े रहे।

निर्वाचन आयोग ने क्या कहा :

हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था और जांच के बाद उसे जाने दिया गया, क्योंकि उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

भाजपा ने क्या कहा :

चुनाव आयोग ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि निगरानी कैमरे लगातार काम कर रहे थे। वहीं, भाजपा के प्रवक्ता सजल घोष ने कहा कि टीएमसी के आरोप बेबुनियाद हैं और जनता इसे मजाक के रूप में देख रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या टीएमसी हार के डर से ऐसे आरोप लगा रही है।

अंतरिक्ष में भारत की नई छलांग

दुनिया का पहला ऑप्टोसार सैटेलाइट लॉन्च, पीएम मोदी ने की सराहना

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को दुनिया के पहले ऑप्टोसार सैटेलाइट मिशन दृष्टि के सफल प्रक्षेपण की सराहना की है। बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सआई ने इस उपग्रह को बनाया है। गैलेक्सआई के मिशन दृष्टि उपग्रह को रविवार को कैलिफोर्निया से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया। यह भारत में किसी निजी संस्थान की ओर से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है।

पीएम मोदी ने क्या कहा :

पीएम मोदी ने इस उपलब्धि को भारत के लिए गौरवशाली बताया है। उन्होंने कहा कि गैलेक्सआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में सबसे बड़े निजी तौर पर निर्मित उपग्रह का सफल प्रक्षेपण नवाचार और राष्ट्र-निर्माण के लिए हमारे युवाओं के जुनून का एक प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने गैलेक्सआई की पूरी टीम और इसके संस्थापकों को इस बड़ी कामयाबी पर बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

बेहद खास है यह मिशन :

तकनीकी रूप से यह मिशन बेहद खास है। कंपनी के अनुसार, 'मिशन दृष्टि' दुनिया का पहला ऐसा उपग्रह है जिसमें इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक अपर्चर रडार सेंसर एक साथ काम करेंगे। यह आधुनिक तकनीक किसी भी मौसम, बादलों के बीच और रात के अंधेरे में भी धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है।

देश की पहली स्पेस सिटी जल्द

आंध्र में इसी महीने से आकार लेगी, यहां दुनिया के लिए रॉकेट बनेंगे

अमरावती, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यदि सबकुछ योजना के अनुसार हुआ तो इसी महीने देश की पहली स्पेस सिटी बननी शुरू हो जाएगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पिछले साल इसका आइडिया सामने रखा था। उनकी सरकार अब इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर चुकी है।

इस 'अंतरिक्ष शहर' में न केवल सैकड़ों छोटी कंपनियां रॉकेट के पुर्जे, सेंसर बनाएंगी, बल्कि स्काईरूट, कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स, एचएफसीएल जैसी बड़ी कंपनियां दुनियाभर के लिए प्राइवेट रॉकेट बनाकर देंगी। सरकार ने यहां 570 एकड़ का स्टार्टअप एक्टिवेशन जोन बनाया है, जिसमें अग्निकुल, कॉसमॉस, पिक्सेल जैसे स्पेस स्टार्टअप भविष्य की अंतरिक्ष संभावनाओं को आकार देंगे।

यह सिटी गगनयान जैसे भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों के लिए बेस कैंप का काम करेगी। नायडू सरकार ने पांच राज्यों में सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों स्पेस सिटी की आधारशिला रखने की योजना तैयार की है।

स्काईरूट के सीईओ पवन कुमार चंदना ने बताया कि तिरुपति जिले के थोट्टाम्बेडु मंडल के रौथुसुरमाला गांव में 2600 एकड़ जमीन तैयार की जा रही है। यह अंतरिक्ष औद्योगिक क्लस्टर होगा। यहां एयरोस्पेस, रक्षा विनिर्माण, निजी अंतरिक्ष इनोवेशन के अलग-अलग हब बनने हैं। इस पर 3400 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होंगे।

इन कंपनियों के बड़े बेस होंगे :

स्काई रूट : स्काई रूट इस प्रोजेक्ट की 'एंकर यूनिट' है। कंपनी ने यहां रॉकेट निर्माण, असेंबली और टेस्टिंग के लिए 400 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। उन्हें 300 एकड़ जमीन मिली है, जहां वे अपने 'विक्रम' सीरीज के रॉकेट तैयार करेंगे।

कल्याणी स्ट्रैटजिक सिस्टम्स : भारत फोर्ज की यह सहायक कंपनी पास ही के मदाकाशिरा धहब में 1,430 करोड़ निवेश कर रही है। इसके पास डिफेंस पेलोड और रॉकेट एनर्जेटिक्स का काम है।

एचएफसीएल : यह कंपनी 1,186 करोड़ निवेश कर आर्टिलरी और गोला-बारूद निर्माण इकाई लगा रही है, जो रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्पेस सिटी के डेटा का उपयोग करेगी।

स्टार्टअप जोन : सरकार ने 570 एकड़ का 'स्टार्टअप एक्टिवेशन जोन' बनाया है, जिसमें अग्निकुल कॉसमॉस और पिक्सेल जैसे स्टार्टअप्स अपना विस्तार करेंगे।

भारत का एक्सपोर्ट हब बनाने का लक्ष्य :

भारत का लक्ष्य अपनी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 2033 तक 44 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। तिरुपति की स्पेस सिटी इस लक्ष्य में 'एक्सपोर्ट हब' की भूमिका निभाएगी। इस क्लस्टर से 5,000 प्रत्यक्ष और 30,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इसमें वैज्ञानिकों से लेकर लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों तक की जरूरत होगी। यह सिटी छोटे उद्योगों के लिए एक 'हब और स्पोक' मॉडल पर काम करेगी।

क्या है इस ब्लूप्रिंट में :

लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर जोन : छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए पैड और मिशन कंट्रोल सेंटर।

सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर : नैनो और माइक्रो सैटेलाइट बनाने के लिए एडवांस क्लीन रूम।

अनुसंधान और नवाचार कॉरीडोर : स्टार्टअप्स और इसरो के बीच सहयोग के लिए इनक्यूबेशन सेंटर।

स्पेस डेटा हब : कृषि और रक्षा के लिए सैटेलाइट डेटा प्रोसेसिंग सेंटर भी यहीं से ऑपरेट होगा।

सहायक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र : सटीक इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इकाइयों का निर्माण।

'दमनकारी सरकारों के खिलाफ निर्णायक जनादेश आने वाला है'

सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद पवन खेड़ा का हमला

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी को लेकर कथित बयानबाजी के मामले में सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। इस पर उन्होंने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुझे दी गई राहत बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान के कारण है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा, एक जो राहत मुझे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दी है, ये बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान की ताकत है। आजादी को 75 साल से ऊपर का वक्त हो गया है, लेकिन जब भी कोई साधारण नागरिक सरकारों के दमन के आगे कमजोर महसूस करें या असहाय महसूस करें तो यही बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान उसकी रक्षा में जरूर आता है। मेरी रक्षा में भी आया।

दमनकारी सरकारों के खिलाफ जनादेश आने वाला है :

पवन खेड़ा ने आगे कहा, हम लोग पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि दमनकारी सरकारों के खिलाफ एक निर्णायक जनादेश आने वाला है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और हम सभी लगातार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं और चुनाव आयोग के कान पर जूं नहीं रेंगती है। वो जवाब देना भी सही नहीं समझते हैं। वो घमंड के घोड़े पर सवार हैं। जब भी कोई सवाल उठाए तो चुनाव आयोग और सरकार का कर्तव्य है कि वो सवालों का जवाब दे।

सुप्रीम कोर्ट को पवन खेड़ा ने दी थी अग्रिम जमानत :

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को जालसाजी और मानहानि मामले में बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि मामले की जांच जारी रह सकती है लेकिन गिरफ्तारी की आवश्यकता पर संतुलन बनाए रखना होगा।

मध्य पूर्व तनाव के बीच भारत से जुड़े एक और एलपीजी टैंकर ने हॉर्मुज स्ट्रेट किया पार

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारत से जुड़े एक और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर ने सफलतापूर्वक फारस की खाड़ी में मौजूद संकरे समुद्री रास्ते हॉर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। भारत से जुड़े एलपीजी टैंकर ने हॉर्मुज स्ट्रेट ऐसे समय पर पार किया है, जब अमेरिका और ईरान दोनों के बीच लगातार तनाव जारी है, जिससे स्ट्रेट से आवाजाही करीब रुक गई है। इसे काफी अहम समुद्री रास्ता माना जाता है, क्योंकि इससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का निर्यात होता है। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाला जहाज, सर्व शक्ति, जो खाना पकाने के ईंधन के रूप में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली लगभग 45,000 टन एलपीजी ले जा रहा था, शनिवार को ईरान के लारक और केशम द्वीपों के पास से गुजरने के बाद ओमान की खाड़ी में प्रवेश करते हुए देखा गया।

ईरान बोला- होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना देंगे

तेहरान, 3 मई (एजेंसियां)। ईरान के सीनियर अधिकारी मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। मोहसिन रजाई पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) में कमांडर रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिकी सेना को समुद्री लुटेरा (पाइरेट) बताते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का इकलौता ऐसा पाइरेट है जिसके पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं।

रजाई ने पिछले महीने इस्फहान में एक अमेरिकी एफ-15ई विमान गिराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे उस विमान का मलबा पड़ा था, वैसे ही अमेरिकी जहाजों और सैनिकों का भी अंजाम हो सकता है।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है, जिसके डिटेल ड्राफ्ट का इंतजार है। इस नए प्रस्ताव का हम रीव्यू भी कर रहे है।

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 14-पॉइंट का प्रस्ताव अमेरिका के 9-पॉइंट प्लान के जवाब में भेजा गया है। इसमें 30 दिनों के भीतर सभी मुद्दों के समाधान, भविष्य में हमलों के खिलाफ गारंटी, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, फ्रीज किए गए ईरानी एसेट्स को रिलीज करने, प्रतिबंध हटाने और युद्ध के मुआवजे की मांग शामिल है। इसके अलावा प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया मैकेनिज्म बनाने, अमेरिकी नेवल नाकेबंदी खत्म करने और क्षेत्रीय संघर्षों को समाप्त करने की बात भी कही गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते के बाद परमाणु कार्यक्रम पर अलग से बातचीत का प्रस्ताव भी रखा गया है।

'ग्रेट निकोबार पर राहुल के सवालों से डरी सरकार' कांग्रेस ने दावों के बीच कहा- सदन में हो चर्चा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस का दावा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 28 अप्रैल 2026 के दौरे से सरकार घबरा गई है और डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। पार्टी ने पर्यावरण, आदिवासी अधिकारों और पारदर्शिता के मुद्दे उठाते हुए इस पूरी परियोजना पर संसद में विस्तार से चर्चा कराने की मांग की है।

ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर देश की राजनीति अचानक गरमा गई है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस प्रोजेक्ट के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर बहुत तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का सीधा आरोप है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया ग्रेट निकोबार दौरे के बाद से सरकार पूरी तरह से घबरा गई है। पार्टी का कहना है कि सरकार अब अपनी कमियां छिपाने और डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर क्या अहम मांग की है :

कांग्रेस ने रविवार को इस प्रोजेक्ट को लेकर पर्यावरण, आदिवासियों के अधिकार, पारदर्शिता और सुरक्षा से जुड़ी कई बड़ी चिंताएं जाहिर की हैं। पार्टी ने बहुत सख्ती से कहा है कि इन सभी अहम मुद्दों पर संसद के एक मंच पर विस्तार से बहस होनी चाहिए। कांग्रेस का मानना है कि यह विकास योजना देश की सुरक्षा और पर्यावरण के लिहाज से बहुत संवेदनशील है। पार्टी चाहती है कि देश की जनता को पता चले कि इस विकास योजना से प्रकृति और स्थानीय लोगों को कितना नुकसान होने वाला है।

जयराम रमेश ने राहुल गांधी के दौरे पर क्या दावा किया :

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 28 अप्रैल 2026 को राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार का एक बहुत ही असरदार दौरा किया था। इस दौरे के बाद सरकार घबरा गई और तीन दिन बाद 1 मई 2026 को आनन-फानन में एक प्रेस नोट जारी कर दिया।

मणिपुर हिंसा- 3 साल में सिर्फ सीएम बदला, हालात नहीं

केंद्र सरकार 2029 तक उग्रवाद खत्म करने की तैयारी में, शुरूआत अमरनाथ यात्रा के बाद

इंफाल, 3 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में मैतेई-कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़के तीन साल हो चुके हैं, लेकिन 37 लाख की आबादी वाले इस छोटे से राज्य में आज भी दोनों समुदायों में डर का माहौल है। डर इसलिए, क्योंकि दोनों ही समुदायों के हथियारबंद 'वॉलेंटियर' कभी भी गोलीबारी शुरू कर देते हैं।

राज्य में इस वक्त 50 से ज्यादा उग्रवादी समूह सक्रिय हैं। इनमें से आधे सरकार के साथ बातचीत में शामिल हैं, फिर भी हिंसा की ताजा घटनाओं में इन्हीं की संलिप्तता सामने आई है। राज्य में तैनात एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने बताया कि देश से नक्सलवाद खत्म करने के बाद केंद्र सरकार का पूरा फोकस अब पूर्वोत्तर के उग्रवाद पर है। इसमें भी मणिपुर सबसे ऊपर है। उग्रवाद के खात्मे का लक्ष्य 2029 तय किया गया है। इसकी शुरूआत अमरनाथ यात्रा के बाद हो सकती है।

आखिर 25 दिन बाद परिवार ने किया दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार :

7 अप्रैल को ट्रोंगलाओबी में जिन 2 मासूम बच्चों की संदिग्ध उग्रवादियों के बम धमाके में मौत हुई थी, उनका अंतिम संस्कार शनिवार को लामथाबुंग ग्राउंड में कर दिया गया। बच्चों के शव तब से ही मुर्दाघर में रखे थे। परिवार का कहना था कि जब तक बच्चों को न्याय नहीं मिलता, अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। बच्चों की दादी ने बताया कि सरकार ने हमें पैसा, नौकरी देने की बात की, लेकिन हमने मना कर दिया। हमें बच्चों के लिए न्याय चाहिए।

एक्शन प्लान के 3 स्टेप...

> राज्य सरकार के सूत्रों की मानें तो नक्सलवाद में सुरक्षा बलों का जो फोर्स लगा था, उसे मणिपुर शिफ्ट करने की तैयारी है। सैन्य अधिकारी ने यह भी बताया कि सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौता होने के बाद भी मणिपुर के कई उग्रवादी समूहों के कैडरों के पास हथियार हैं।

एयरफोर्स ऑफिसर्स को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की सुविधा देने पर विचार

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना मुख्यालय की तरफ से सभी कमांड्स को एक लेटर भेजी गई है। ये लेटर एक डिमांड सर्वे के बारे में है। इसके जरिए ये आकलन किया जाएगा कि एयरफोर्स के कितने अधिकारी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के इच्छुक हैं।

लेटर में कही गई ये बात :

इस लेटर में कहा गया है कि एयर हेडक्वॉर्टर एक ऐसे प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसमें शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों को सिविल सेवा परीक्षा जैसे आईएएस, आईपीएस और आईएफएस की तैयारी के लिए सुविधा देने की बात कही गई है। ये परीक्षा यूपीएससी आयोजित करता है। एयरफोर्स सूत्रों के मुताबिक इस पहल का मकसद उन अधिकारियों को मौका देना है, जो डिफेंस सर्विस के बाद प्रशासनिक सेवाओं में करियर बनाना चाहते हैं।

एयरफोर्स ने शुरू किया डिमांड सर्वे :

इसी के तहत एयरफोर्स ने एक डिमांड सर्वे शुरू किया है। जिससे ये साफ हो सके कि कितने अधिकारी सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने को लेकर गंभीर हैं। इसके लिए अधिकारियों से सर्वे फॉर्म भरने को कहा गया है। सिर्फ शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को ही नहीं, बल्कि परमानेंट कमीशन अधिकारियों से भी इस सर्वे में भाग लेने को कहा गया है। हालांकि उन्हें सिविल सेवा में जाने के लिए यूपीएससी की सामान्य भर्ती प्रक्रिया का ही पालन करना होगा।

किन अधिकारियों को फॉर्म भरने को कहा :

एयरफोर्स ने कम से कम पांच साल का अनुभव रखने वाले अधिकारियों को यह सर्वे फॉर्म भरने के लिए कहा है। इस सर्वे के नतीजों के आधार पर आगे की नीति और सुविधाओं पर फैसला लिया जा सकता है। यह कदम एयरफोर्स के भीतर करियर विकल्पों को विस्तार देने और अधिकारियों को नई संभावनाओं की ओर बढ़ने का मौका देने के तौर पर देखा जा रहा है।

फोगाट के आरोपों पर बोले बृजभूषण सिंह

छह बार का सांसद हूं और भाजपा में हूं

मुजफ्फरनगर, 3 मई (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह फिलहाल भारतीय जनता पार्टी में हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका एक बेटा सांसद है और दूसरा विधायक, जबकि उनकी पत्नी भी सांसद रह चुकी हैं। स्वयं छह बार सांसद रहे बृजभूषण सिंह ने समाजवादी पार्टी में जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।

यह बयान उन्होंने मुजफ्फरनगर के नसीरपुर गांव में किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह के पिता की शोक सभा में शामिल होने के दौरान दिया। इस दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने अपनी बात रखी।

2027 विधानसभा चुनाव और भविष्य की रणनीति पर चुप्पी :

जब उनसे 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में पूछा गया, तो बृजभूषण सिंह ने कोई भी भविष्यवाणी करने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। यह बयान उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर और भी अधिक रहस्य पैदा करता है।

विनेश फोगाट के आरोपों पर जवाब देने से इनकार

पहलवान विनेश फोगाट द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में पूछे जाने पर भी बृजभूषण सिंह ने जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे पर फिलहाल कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

राजनीतिक विश्लेषण और भविष्य की राह

बृजभूषण सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर कई तरह की चर्चाएं गर्म हैं। उनके समर्थकों का मानना है कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि 2027 के चुनाव और अन्य मुद्दों पर उनकी चुप्पी, राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में बृजभूषण सिंह की राजनीतिक राह किस ओर मुड़ती है।

86 लाख रुपये की ड्रग्स के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई क्षेत्र में पुलिस ने एक व्यक्ति को 86 लाख रुपये की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के करीब 2 बजे गश्त के दौरान पुलिस टीम ने उल्वे इलाके में एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। जांच करने पर आरोपी के पास से 344 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 86 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी की पहचान स्थानीय निवासी रवि खटीक के रूप में हुई है।

उसे गिरफ्तार कर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि दो व्यक्तियों ने उसे यह मादक पदार्थ बेचने के लिए दिया था। पुलिस उन दोनों की तलाश में जुटी हुई है।

मई-जून लू की तपन सहेंगे या बारिश की मार

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। अप्रैल में झुलसा देने वाली गर्मी के बाद मई में तेज आंधी और बारिश ने थोड़ा ही सही पर गर्मी के तेवर जरूर ढीले किए हैं। तापमान में 4 से 5 डिग्री की कमी आई है तो वहीं इस महीने मॉनसून को लेकर भी गुड न्यूज है। हालांकि आईएमडी के ताजा पूर्वानुमान रिपोर्ट के मुताबिक मई महीने के दौरान हिमालय के तलहटी क्षेत्र, ओडिशा सहित पूर्वी तट के कुछ हिस्सों, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में तेज गर्मी पड़ने की आशंका है, जिससे इन क्षेत्रों में सामान्य से लगभग 2-4 दिन अधिक लू चलने की संभावना है। इस बाबत एक एडवाइजरी भी जारी की गई है। वहीं भारत सरकार का कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय डॉ। जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा, मई के दूसरे (8-14 मई) और चौथे (22-28 मई) सप्ताह में तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है, जिससे उत्तर-

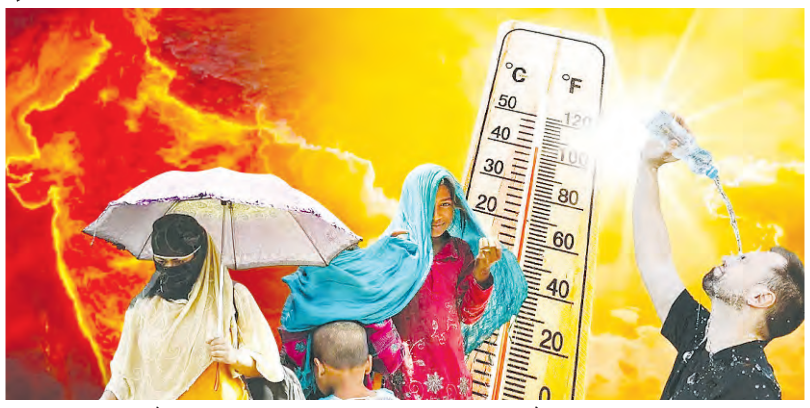

पश्चिम, मध्य और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पूर्वी तट में लू चल सकती है। इस खतरे को देखते हुए भारत मौसम विभाग ने सभी प्रभावित होने वाले राज्यों को हीट वेव एडवाइजरी जारी कर दी है। केंद्रीय मंत्री जीतेन्द्र सिंह के मुताबिक, सरकार गर्मी से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य और जिला स्तर पर पेयजल की उपलब्धता, सुचारू शीतलन व्यवस्था और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पहल जरूरी होगा।बच्चों, बुजुर्गों और बाहरी कार्यों में लगे श्रमिकों सहित संवेदनशील समूहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मई महीने के दौरान तापमान बढ़ने की स्थिति को लेकर घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि सावधानी से इसके असर से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक तापमान और लू की संभावना है, लेकिन यह स्थिति पूरे देश में एक समान नहीं है और समय पर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की एडवाइजरी का पालन करके इससे प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक, खासकर शहरी और तटीय क्षेत्रों में रात के तापमान में वृद्धि से उमस बढ़ सकती है। पूर्वी तट, गुजरात और महाराष्ट्र में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।

भारत मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में ईएनएसओ-तटस्थ स्थितियां बनी हुई हैं और दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति होने की संभावना है। आमतौर पर मई और जून महीने में हर महीने 3 से 7 हीट वेव के दिन रिकॉर्ड किए जाते हैं। लेकिन इस साल हमारा पूर्वानुमान है की हीटवेव वाले दिनों की संख्या मईऔर जून में औसत से 5 से 7 दिन ज्यादा रहेगी यानी, इस साल मई और जून महीने में गर्मी औसत से ज्यादा पढ़ने की आशंका है।

एसटीएफ ने 1 किलो 5 ग्राम चिट्टे के साथ 3 आरोपी पकड़े

ऊना, 3 मई (एजेंसियां)। जिला ऊना में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ नारकोटिक्स कांगड़ा की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने संतोषगढ़-नंगड़ा मार्ग पर नाका लगाकर तीन युवकों को करीब 1 किलो 5 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान सर्वजीत सिंह (28) पुत्र संतोख सिंह निवासी अप्पर देहलां, गुरमुख सिंह (40) पुत्र नारायण दास निवासी बरनोह और राहुल शर्मा (33) पुत्र सुभाष चंद शर्मा निवासी रायपुर सहोड़ा के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेनू कुमारी के नेतृत्व में एसटीएफ की एंटी-चिट्टा टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उक्त मार्ग पर नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान टाहलीवाल की ओर से आ रही एक कार (एचपी 20जे-6570) को संदेह के आधार पर जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन में सवार युवकों के कब्जे से चिट्टे के 15 पैकेट बरामद किए गए। चिट्टे की कीमत करोड़ों की बताई जा रही है।

त्रिपुरा में भारी बारिश, 33 हजार किसान प्रभावित; 59 करोड़ रुपये का नुकसान

अगरतला, 3 मई (एजेंसियां)। त्रिपुरा में लगातार तीन दिनों तक हुई भारी बारिश ने कृषि और बागवानी क्षेत्र को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। राज्य के 33 हजार से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं, जबकि फसलों को करीब 59.17 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। यह जानकारी राज्य के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रतन लाल नाथ ने दी। मंत्री ने बताया कि 27 से 29 अप्रैल के बीच राज्य में औसतन 133.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक 283 मिमी बारिश धलाई जिले के कमलपुर में हुई। इसके बाद सिपाहीजला जिले के बिश्रामगंज में 278 मिमी और खोवाई जिले में 230 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

प्रारंभिक आकलन के अनुसार, राज्य में कुल 58,540 हेक्टेयर खड़ी फसल क्षेत्र में से लगभग 6,105 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। अनुमानित उत्पादन हानि 21,635 मीट्रिक टन बताई गई है। राज्य के आठ जिलों में दक्षिण त्रिपुरा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 10,470 मीट्रिक टन फसल नुकसान दर्ज किया गया। वहीं खोवाई जिले में सबसे कम 463 मीट्रिक टन नुकसान हुआ है। रतन लाल नाथ ने बताया कि आपदा प्रबंधन योजनाओं को लागू करने के लिए राज्य, जिला और उपमंडल स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। त्वरित कार्रवाई के लिए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) भी तैनात की गई हैं। विशेष रूप से धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी प्रबंधन को प्राथमिकता दी जा रही है। किसानों को पुनर्बहाली के लिए भूमि की स्थिति के अनुसार फसल चक्र अपनाने की सलाह दी गई है।

वैकल्पिक फसलों में अरहर, लोबिया जैसी दलहन, तिलहन फसलें, मक्का, पत्तेदार सब्जियां और कंगनी व रागी जैसे मोटे अनाज शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि किसान राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनका कल्याण राज्य के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अगरतला केंद्र ने अगले सात दिनों के दौरान त्रिपुरा के उत्तर, उनाकोटी, धलाई, खोवाई और पश्चिम जिलों के एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

पत्नी के अफेयर से नाराज पति ने अपने दोनों बच्चों की कर दी हत्या, फिर कर लिया सुसाइड

तुमकुरु, 3 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एक 40 साल के व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने दो छोटे बेटों का गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। यह घटना कुनिगल पुलिस थाना क्षेत्र के अलकेरे गांव में हुई, जहां शिवन्ना और उसके छह और ग्यारह साल के दो बेटे अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि शिवन्ना एक निजी फैक्ट्री में काम करता था और मंदिर में पुजारी भी था। वह अपनी पत्नी काव्या के हेमंत नाम के एक व्यक्ति के साथ कथित संबंध को लेकर काफी परेशान था।

इस मुद्दे को लेकर घर में अक्सर झगड़े होते थे, जिसके चलते पहले पुलिस और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में उनकी काउंसलिंग भी करवाई गई थी। इसके बावजूद, कथित प्रेम-प्रसंग जारी रहा, जिससे शिवन्ना कथित तौर पर गहरे मानसिक तनाव में चला गया। घर में किसी और के न होने का फायदा उठाकर उसने कथित तौर पर अपने बच्चों का गला घोंट दिया और फिर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आंधी-तूफान ने हवाई सफर पर लगाया ब्रेक

खराब मौसम से कई उड़ानें लेट; घंटों फंसे रहे यात्री

चंडीगढ़, 3 मई (एजेंसियां)। रविवार (03 मई, 2026) सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट के उड़ान संचालन पर भी देखने को मिला, जहां कई घरेलू उड़ानों को निर्धारित समय से देर से रवाना होना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण लगभग एक घंटे से अधिक की देरी का सामना करना पड़ा और यह फ्लाइट 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी।

इसी तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए निर्धारित इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हो सका। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का अधिक प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम (नोटिस टू एअरमैन) बताया जा रहा है।

इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति निर्धारित थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

36 ग्राम हेरोइन के साथ महिला सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जिला पुलिस ने हेरोइन के साथ महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना घुम्मन कलां के एएसआई कुलविंदर सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त कर रहे थे। इस बीच गांव गग्गोवाली चौक से आरोपित राजबीर सिंह निवासी खानोवाल को संदेह के आधार पर काबू किया गया। उससे बरामद लिफाफा चेक करने पर 6.50 ग्राम हेरोइन मिली। वहीं, थाना काहनूवान के एसआइ लखविंदर सिंह ने पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौकान सठियाली पुल नहर पटरी से आरोपित साहिल निवासी क्रिश्चियन मोहल्ला को संदेह के आधार पर काबू किया।

उसकी तलाशी के दौरान छह ग्राम हेरोइन मिली। थाना दीनानगर के एएसआई रोहित पुलिस पार्टी के साथ गश्त कर रहे थे। इस बीच नेशनल हाइवे झंगी सरूपवाली से आरोपित काजल निवासी डमटाल, हाल निवासी डीडा सांसिया को संदेह के आधार पर काबू किया गया। उसकी तलाशी के दौरान 6.04 ग्राम हेरोइन मिली।

यूपीएससी मेंटॉर को बनाया बंधक, पूर्व छात्र ने जान से मारने की धमकी देकर ऐंठे 2 करोड़

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। यूपीएससी की तैयारी कराने वाली जानी-मानी मेंटर शुभ्रा रंजन को भोपाल के एमपी नगर में बंधक बनाकर दो करोड़ रुपये ऐंठ लिए गए। वारदात को अंजाम देने वाला उनका पूर्व छात्र और बिजनेस पार्टनर प्रियंक शर्मा है। शुभ्रा की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर प्रियंक को एम्स अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया है। शुभ्रा दिल्ली के करोल बाग स्थित अपनी संस्था 'शुभ्रा रंजन आईएएस स्टडी' का संचालन करती हैं। आरोपित प्रियंक शर्मा पूर्व में दिल्ली में उनकी कोचिंग का छात्र रहा है, जिसका यूपीएससी में चयन नहीं हो सका था। इसके बाद प्रियंक ने शुभ्रा रंजन से संपर्क कर भोपाल के एमपी नगर (जोन-2) में उनकी कोचिंग की फ्रेंचाइजी शुरू की।

कुछ समय तक दोनों ने मिलकर सेंटर का संचालन किया, लेकिन बीते करीब एक साल से भोपाल का यह कोचिंग सेंटर घाटे में चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि हाल ही में प्रियंक ने शुभ्रा को फोन कर नए बिजनेस प्लान के बारे में बताया और निवेश के लिए भोपाल आमंत्रित किया। गुरुवार को जब वे भोपाल पहुँचीं, तो मुलाकात के दौरान आरोपित ने उनसे भारी निवेश की मांग की। इनकार करने पर उसने उन्हें बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए उनके बैंक खाते से दो करोड़ रुपये अपने खाते में डलवा लिए।

बरगी क्रूज हादसा: तमिलनाडु के परिवार के 4 लोगों के मिले शव

जबलपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जबलपुर के बरगी बांध में हुए भीषण क्रूज हादसे के बाद राहत व बचाव कार्य लगातार जारी है। इस बीच रविवार यानी आज सुबह करीब 6 बजे घटना स्थल से कुछ दूर पर एक और बच्चे का शव बरामद किया गया है। मृतक मासूम का नाम मयूरन है और उसकी उम्र 9 साल है। यह तमिलनाडु त्रिची का रहने वाला था और कामराज का भतीजा है। वहीं शनिवार शाम दो बच्चों का शव बरामद किया गया था। जिसमें से एक की पहचान कामराज के बेटे श्रीतमिल के रूप हुई।

तो वहीं दूसरे की विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। अब सिर्फ कामराज आर। लापता हैं और उनकी सर्चिंग जारी हैं। कामराज जबलपुर के ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में मशीनिस्ट की पोस्ट पर काम करता था और वो अपने सास, ससुर, साले की पत्नी और बेटे-बेटी के साथ कुल सात सदस्यों के साथ बरगी डैम घूमने गए थे।

हालांकि सास ससुर ने क्रूज पर सवार होने से मना कर दिया था, लिहाजा वो घाट पर ही थे। वहीं परिवार के सात लोग क्रूज पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे। जिस वक्त क्रूज डूबा वहां का मंजर बेहद भयानक था। सास ससुर बरगी के किनारे खड़े होकर ये मंजर देखते रह गए हैं और वो कुछ नहीं कर सके।।। वहीं हादसे के बाद कामराज का 10 साल का बेटे पुवीथरन और कामराज की साले की 12 साल की बेटी तमिलनिया को बचाया जा सका। वहीं कामराज की पत्नी और उसके साले की पत्नी की भी मौत हो गई।

हादसे के बाद शनिवार को काकुलाझी और सौभाग्यम के शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिए गए हैं। जिला प्रशासन की मदद से दोनों शव को कार्गो विमान से तमिलनाडु स्थित उनके गृह ग्राम भिजवाया गया। नाना-नानी के साथ 10 साल का पूवीथरन त्रिची लौट गया है। इधर, तीन बच्चों के शव बरामद होने के बाद लोगों के बीच गहरा शोक है। वहीं हादसे के बाद से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई है। प्रशासन के अनुसार, अभी भी एक व्यक्ति लापता है, जिसकी तलाश जारी है।

नशे में धुत होमगार्ड सिपाही सड़क पर बेसुध मिला, वर्दी से गायब मिली नेम प्लेट

ग्वालियर, 3 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में दोपहर शहर के सिटी सेंटर इलाके में वर्दीधारी होमगार्ड सिपाही का शर्मनाक वीडियो सामने आया है। सिपाही शराब के नशे में इस कदर धुत नजर आया कि वह सड़क पर ही लोटपोट होकर गिर पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे होमगार्ड महकमे में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि घटना दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच की है। राहगीरों ने जब सिपाही को बेसुध हालत में सड़क पर पड़ा देखा तो उसे उठाने और संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद को संभालने की स्थिति में नहीं था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

वहीं, वीडियो पुलिस और होमगार्ड के वरिष्ठ अधिकारियों तक भी पहुंच चुका है। वीडियो में एक युवक सिपाही से उसका नाम पूछता और हालचाल जानने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। लेकिन नशे में धुत सिपाही ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था। वह सिर्फ हाथों से इशारे करता और बड़बड़ाता नजर आया। युवक ने उसे सड़क के बीच से हटकर किनारे लेटने की सलाह भी दी, लेकिन वह वहीं पड़ा रहा। अब इस घटना ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली: विवेक विहार में 6 फ्लैटों में लगी भीषण आग, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के विवेक विहार में देर रात 6 फ्लैटों में भीषण आग लग गई। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, एसी में ब्लास्ट होने की वजह से इस हादसे ने इतना बड़ा रूप लिया। दिल्ली के विवेक विहार में देर रात 6 फ्लैटों में अचानक आग लग गई। सुबह 3:47 पर आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां रवाना की गईं। आग लगने की बाद मौके पर कई लोग फंस गए, जिनको रेस्क्यू करने के लिए रेस्क्यू टीमें जुट गईं।

पुलिस और दमकल के मुताबिक, आग पर पूरी तरह काबू पाया जा चुका है। सर्च ऑपरेशन जारी है। बिल्डिंग में 8 परिवार रहते थे। पुलिस ने बताया कि 3 मई को करीब 3:48 बजे सुबह विवेक विहार पुलिस स्टेशन में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी, विवेक विहार के एसएचओ और एसीपी के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल और क्राइम टीम भी विवेक विहार फेज-I स्थित परिसर बी-13 पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि परिसर की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैटों में आग लगी हुई थी। बचाव और आग बुझाने के अभियान के दौरान इमारत से 10-15 लोगों को बचाया गया, जिनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीडीएमए स्टाफ, यातायात अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के साथ 12 दमकल गाड़ियां मौके पर मौजूद थीं।

आगे की जांच और कार्रवाई की जा रही है। हालही में गाजियाबाद के इंदिरापुरम में भी भीषण आग लगी थी। ये आग गौड़ ग्रीन एवेन्यू में 9वीं से 13वीं मंजिल तक फैली थी। इस आग से उठने वाले धुएं को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तक देखा गया था। इस घटना से सोसाइटी में अफरा तफरी मच गई थी। घटना के बाद दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई थी। इस घटना से जुड़े तमाम वीडियो सोशल मीडिया पर

एयरपोर्ट पर चलते विमान से कूदा यात्री, एक घंटे बंद रहा रनवे

चेन्नई, 3 मई (एजेंसियां)। आज सुबह शारजाह से चेन्नई जाने वाली एयर अरेबिया की एक फ्लाइट में सवार यात्रियों को उस समय जबरदस्त झटका लगा, जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद एक पुरुष यात्री ने इमरजेंसी एग्जिट का दरवाजा खोला और बाहर कूद गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना लैंडिंग के तुरंत बाद हुई जब एयरक्राफ्ट मेन रनवे से निकल चुका था और पूरी तरह रुकने से पहले टैक्सीवे पर धीरे-धीरे चल रहा था। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों में घबराहट फैल गई और तुरंत सिक्योरिटी टीम ने कार्रवाई की।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, हां, जब वह बाहर कूदा तब भी विमान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसमें किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ और न ही विमान को कोई क्षति पहुंची। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह घटना मेन रनवे पर नहीं हुई थी। हवाई अड्डा अधिकारियों से मिली शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यात्रा के दौरान यात्री की तबीयत खराब हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया, 'उसे उल्टी जैसा महसूस हो रहा था और माना जा रहा है कि उसने विमान में दो बार उल्टी भी की।' अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि हो सकता है कि इस शारीरिक स्थिति वजह से ही यात्री ने यह कदम उठाया। घटना के तुरंत बाद पायलट ने ग्राउंड सिक्योरिटी को अलर्ट कर दिया।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया, जिसे आगे की जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इस घटना के कारण हवाई अड्डे का कामकाज कुछ समय के लिए बाधित हो गया। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर सुबह 03:23 बजे से 04:23 बजे के बीच मुख्य रनवे को बंद कर दिया गया था और इस दौरान उड़ानों को दूसरे रनवे पर भेज दिया गया।

सीमा पार हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार; विदेशी पिस्तौल बरामद

अमृतसर, 3 मई (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सीमा पार से संचालित हो रहे हथियार तस्करी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सात अत्याधुनिक पिस्तौल भी बरामद किए हैं, जिनमें दो नौ मिलीमीटर की विदेशी पिस्तौल, चार तीस बोर की पिस्तौल और एक अन्य तीस बोर का हथियार शामिल है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान में बैठे तस्करों के संपर्क में थे। यह संपर्क सोशल माध्यमों के जरिए स्थापित किया गया था, जिसके माध्यम से अवैध हथियारों की खेप मंगवाई जाती थी। इसके बाद इन हथियारों को पंजाब के विभिन्न आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह नेटवर्क काफी संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपियों का काम सीमा पार से आए हथियारों को प्राप्त करना और उन्हें आगे सप्लाई करना था। इस पूरे नेटवर्क के तार कई अन्य लोगों से भी जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। मामले में थाना छावनी अमृतसर में शस्त्र अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

बंगाल चुनाव: दिलीप घोष बोले

टीएमसी के जीतने का सवाल ही नहीं, अब खुलकर सामने आ रहे लोग

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा क्षेत्र में मतदान को लेकर सियासी तनाव बढ़ गया है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिलीप घोष ने रविवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा, हाल की घटनाएं टीएमसी अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कर रही है।

दिलीप घोष ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, टीएमसी के जीतने की कोई संभावना नहीं है। वे यह सब अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया, इस क्षेत्र में लंबे समय से लोगों को वोट देने से रोका जाता रहा है और डराया-धमकाया जाता रहा है।

उन्होंने दावा किया, पहले चुनाव के समय लोगों के मतदाता पहचान पत्र तक छीन लिए जाते थे। अब लोग खुलकर सामने आ रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें वोट डालने से रोका जा रहा है व धमकी दी जा रही है। दिलीप घोष का यह बयान ऐसे समय आया है, जब निर्वाचन आयोग (ईसी) ने फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि 29 अप्रैल को हुए मतदान में गंभीर चुनावी गड़बड़ियां पाई गईं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हुई। आयोग के अनुसार, 21 मई को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान होगा।

फलता के मतगणना 24 मई को अलग से की जाएगी। बाकी क्षेत्रों की मतगणना चार मई को होगी। इसके अलावा, डायमंड हार्बर और मगराहाट निर्वाचन क्षेत्रों के 15 केंद्रों पर भी दोबारा मतदान का आदेश दिया गया है। इन घटनाओं के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति और ज्यादा गरमा गई है और सभी दल दोबारा मतदान और आने वाले परिणामों की तैयारी में जुट गए हैं।

मतगणना से पहले बंगाल में भाजपा नेता के घर पर फायरिंग, दो गिरफ्तार

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से ठीक पहले उत्तर 24 परगना जिले का नोआपाड़ा क्षेत्र एक बार फिर तनाव की चपेट में आ गया। गारुलिया इलाके में भाजपा नेता कुंदन सिंह के घर को निशाना बनाकर हमलावरों ने फायरिंग की। इस घटना ने चुनावी माहौल में सुरक्षा और शांति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक कुंदन सिंह के घर के सामने पहुंचे और पीछे बैठे युवक ने दो राउंड गोलियां चलाईं। घटना के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए।

पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों-आकाश चौधरी और अमनदीप चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से हथियार भी बरामद किया है और यह जांच जारी है कि उसी हथियार से फायरिंग की गई थी या नहीं। भाजपा ने इस हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस समर्थित असामाजिक तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। कुंदन सिंह का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए हमलावरों की पहचान हुई है और उनके संबंध तृणमूल नेताओं से हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 4 मई, 2026 3

सुविचार
कभी कभी इंसान सच में हार जाता है खामोश रहते रहते सफाई देते देते रिश्ते निभाते निभाते और अपनो को मनाते मनाते!

विकलांग महिला को दो घंटे में मंत्री ने दिलाई व्हीलचेयर

महिला की स्थिति देख मंत्री पोंगुलेटी भावुक हो गए

खम्मम, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मानवता का परिचय देते हुए एक दिव्यांग महिला की समस्या का त्वरित समाधान कर मिसाल पेश की है। 'प्रजा दरबार' के दौरान मंत्री ने केवल दो मिनट में महिला को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई। मंडल के गट्टुसिंगारम गांव निवासी शेख शकीना का एक पैर नहीं है। उन्होंने प्रजा दरबार में अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मंत्री से व्हीलचेयर की मांग की, ताकि वे आत्मनिर्भर होकर जीवन यापन कर सकें। महिला की स्थिति देख मंत्री पोंगुलेटी भावुक हो गए और तुरंत अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, चिंता मत करो, हम तुम्हारे साथ हैं। मंत्री के आदेश पर अधिकारियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे के भीतर व्हीलचेयर की व्यवस्था कर दी। जिला कलेक्टर की उपस्थिति में मंत्री ने स्वयं महिला को व्हीलचेयर सौंपते हुए उसका हौसला बढ़ाया। समस्या के त्वरित समाधान से महिला की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उसने मंत्री का आभार व्यक्त किया।

प्रजा दरबार के माध्यम से लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने की मंत्री की पहल को लेकर क्षेत्र में सराहना हो रही है।

तेलंगाना कैबिनेट की आज बैठक

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को सचिवालय में दोपहर 3 बजे आयोजित होगी, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी करेंगे। बैठक में तुम्मिडिहट्टी बैराज परियोजना प्रमुख एजेंडा रहने की संभावना है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने प्रणहिता-चेवेल्ला परियोजना के तहत 150 मीटर ऊंचाई पर तुम्मिडिहट्टी में बैराज निर्माण को मंजूरी दी थी, जिससे श्रीपदा येल्लमपल्ली तक पानी पहुंचाने की योजना है। तुम्मिडिहट्टी से येल्लमपल्ली तक जल परिवहन के लिए चार संभावित मार्ग प्रस्तावित किए गए हैं, जिनकी समीक्षा कर कैबिनेट अंतिम निर्णय ले सकती है। इसके अलावा मंत्रिपरिषद कर्मचारियों और पेंशनरों से जुड़े मुद्दों और लंबित मांगों पर भी विचार करेगी।

सरकार ने 100 दिनों के भीतर कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया भुगतान निपटाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए इस बैठक में कार्ययोजना तय की जाएगी। साथ ही महंगाई भत्ता (डीए) बकाया और कैशलेस उपचार योजनाओं पर भी चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अन्य विषयों पर भी विचार हो सकता है, जिनमें आरटीसी कर्मचारियों का सरकारी सेवा में विलय, नई आसरा पेंशन योजना, तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं के लिए प्रावधान और इंदिरम्मा बीमा योजना शामिल हैं।

देर से आने पर कटेगी छुट्टी डीएसई का सख्त आदेश

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीएसई) ने कर्मचारियों की समयपालन को लेकर सख्त नियम लागू कर दिए हैं। अब कार्यालय में देर से आने या जल्दी जाने पर कर्मचारियों की छुट्टियों में कटौती की जाएगी। नए निर्देशों के अनुसार, कर्मचारियों को चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएस) के जरिए सुबह 10:40 बजे तक उपस्थिति दर्ज करनी होगी। 10:41 से 11:30 बजे के बीच दर्ज की गई उपस्थिति को देरी माना जाएगा और यदि कोई कर्मचारी तीन बार देर से आता है, तो उसकी एक आकस्मिक छुट्टी काट ली जाएगी। इसी तरह, शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच लॉगआउट करना जल्दी जाने की श्रेणी में आएगा। ऐसा तीन बार होने पर एक आकस्मिक अवकाश की कटौती की जाएगी। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि वैध लॉगआउट समय शाम 5 बजे के बाद ही माना जाएगा।

जो कर्मचारी एफआरएस में उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे, उनकी आधे दिन की छुट्टी काटी जाएगी। साथ ही बिना अनुमति कार्यालय के बाहर दर्ज की गई उपस्थिति को अनुपस्थिति माना जाएगा। निदेशालय ने यह भी कहा है कि पहले आकस्मिक अवकाशों की कटौती की जाएगी और यदि वे उपलब्ध नहीं होंगे तो नियमों के अनुसार अर्जित अवकाशों से कटौती की जाएगी। सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि भविष्य में इन नियमों को सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के कर्मचारियों पर भी लागू किया जा सकता है।

भूमि हड़पने के आरोपों पर पूर्व विधायक का हमला

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बीआरएस के पूर्व विधायक बीराम हर्षवर्धन रेड्डी ने मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। रविवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हर्षवर्धन रेड्डी ने कहा कि मंत्री कोल्लापुर क्षेत्र में 1,600 एकड़ भूमि से जुड़े मामले में भ्रामक बयान दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस भूमि के पट्टा पासबुक पूर्व कांग्रेस सरकार के दौरान जारी किए गए थे, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार के समय इन पासबुक को रद्द कर दिया गया था और जमीन को धरणी पोर्टल में शामिल कर अतिक्रमण से बचाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने मंत्री के आरोपों को निराधार बताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

पूर्व विधायक ने येल्लापुरम में 44 एकड़ वन भूमि की अवैध बिक्री का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि रिकॉर्ड में हेराफेरी कर जमीन बेची गई और बाघ अभ्यारण्य क्षेत्र में पेड़ों की कटाई भी हुई। हर्षवर्धन रेड्डी ने आरोप लगाया कि मंत्री की भूमिका को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में शिकायतें दर्ज हैं और चुनाव के दौरान विरोधियों को डराने-धमकाने के लिए झूठे मुकदमे भी दर्ज कराए गए। उन्होंने बंदोबस्ती भूमि पर अतिक्रमण का भी आरोप लगाया।

जाति सर्वेक्षण और 2027 जनगणना पर विश्वविद्यालय में मंथन

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय ओबीसी छात्र संघ (एआईओबीसीएसए) की ओर से शनिवार को एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का विषय तेलंगाना एसईईईपीसी सर्वेक्षण के परिणाम और 2027 की जाति जनगणना की ओर अग्रसर रहा। सम्मेलन में बुद्धिजीवियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक जाति (एसईईईपीसी) सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर चर्चा की।

साथ ही सामाजिक न्याय, नीति निर्माण और समान प्रतिनिधित्व पर इसके प्रभावों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

एनएमसी के नए फैसले से हर जिले में मेडिकल कॉलेज का रास्ता साफ

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा शिक्षा को बड़ा बढ़ावा मिला है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की नई अधिसूचना के बाद अब राज्य में हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का रास्ता और मजबूत हो गया है। एनएमसी ने 'प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 100 सीट' की सीमा को हटा दिया है, जिससे अब मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाने और नए कॉलेज खोलने में आसानी होगी। तेलंगाना में वर्ष 2014 में राज्य गठन के समय केवल 5 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 34 हो गए हैं। इस दौरान 29 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज जोड़े गए, जो देश में एक रिकॉर्ड माना जा रहा है। राज्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। पहले जहां कुल सीटें करीब 2,850 थीं, वहीं अब यह आंकड़ा 9,500 के पार पहुंच गया है। वर्ष 2023-24 में पूरे देश में बढ़ाई गई नई सरकारी एमबीबीएस सीटों में से 43 प्रतिशत अकेले तेलंगाना में जोड़ी गईं। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि नई सीटों का अधिकतर लाभ स्थानीय छात्रों को मिले। 2014 के बाद स्थापित कॉलेजों में लगभग सभी सीटें स्थानीय विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रखी गई हैं। हालांकि, बुनियादी ढांचे के साथ अब मानव संसाधन की चुनौती सामने है। विशेषज्ञों का कहना है कि नए कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और स्टाफ की भर्ती पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। एनएमसी द्वारा कॉलेज और अस्पताल के बीच दूरी को 10 किलोमीटर तक सीमित करने का फैसला भी राज्य के मॉडल के अनुकूल है, जहां जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेजों से जोड़ा जा रहा है। कुल मिलाकर, यह फैसला तेलंगाना को देश में चिकित्सा शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

साइबराबाद में 65 इंस्पेक्टरों का तबादला, 54 को नई तैनाती

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद क्षेत्र में पुलिस विभाग ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कुल 65 निरीक्षकों का तबादला कर दिया है।

इनमें से 54 निरीक्षकों को नई तैनाती दी गई है, जबकि शेष 11 को आगे की प्रशासनिक कार्रवाई के लिए मल्टी जोन-II को सौंप दिया गया है। नई तैनाती पाने वालों में पुली यदागिरी को रायदुर्गम थाना प्रभारी (एसएचओ), जी. हरि कृष्ण रेड्डी को पाटनचेरुवु, वी. सुधीर कुमार को आईडीए बोल्लाराम, एम. महेश को केपीएचबी और एस. सुधीर कृष्णा को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में तैनात किया गया है। इसी तरह शिव कुमार को गच्चीबावली ट्रैफिक थाना, के. सैदुलु को माधापुर, बनोथ सकराम को डीआई गच्चीबावली, पी. जगदीश्वर को अमीनपुर, भूपति थोटा को मियापुर और पी. शिव प्रसाद को अल्लापुर में थाना प्रभारी बनाया गया है। पुलिस विभाग के इस तबादले को प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।

तालाब में डूबने से 15 वर्षीय किशोर की मौत

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के वेंकटपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मदवी सुरेश के रूप में हुई है, जो चिन्ना अरदिपेल्ली का रहने वाला था। वह गर्मी की छुट्टियों में एक सप्ताह पहले अपनी मौसी के घर वेंकटपुर आया था। बताया गया कि सुरेश कुछ स्थानीय युवकों के साथ तालाब देखने गया था। इसी दौरान वन विभाग द्वारा अतिक्रमण रोकने के लिए खोदे गए तालाब में वह फिसलकर गिर गया और डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने काफी प्रयास के बाद किशोर का शव तालाब से बाहर निकाला। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आम से लदी वैन से टक्कर, कार चालक की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियाल जिले के लक्सेट्टीपेट मंडल के इटिक्याला गांव में शनिवार रात एक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान किस्तापुर निवासी योगेंद्र रेड्डी (40) के रूप में हुई है। हादसे में सुनील, शशांक और क्रांति घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया गया कि मोड़ पर तेज रफ्तार कार की आम से लदी वैन से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद योगेंद्र सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, योगेंद्र लक्सेट्टीपेट की ओर जा रहे थे, जबकि सुनील अपने घायल दोस्त को अस्पताल ले जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक से गिरने पर युवक की मौत

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कौतला मंडल के नागेपल्ली गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कुबिदे श्याम सुंदर के रूप में हुई है, जो पेशे से दर्जी था। वह मोटरसाइकिल से कौतला बाजार सामान खरीदने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में वह बाइक से गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, श्याम सुंदर के परिवार में उनकी पत्नी हैं। उनके पिता का दो महीने पहले ही बीमारी के चलते निधन हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई, दो दिनों में 445 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए पिछले दो दिनों में 445 लोगों को वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा। सभी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। पकड़े गए लोगों में 371 दोपहिया, 26 तिपहिया और 48 चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) जोएल डेविस ने बताया कि सभी आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश होना होगा। वहीं मलकाजगिरि में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 318 लोगों को पकड़ा गया। इनमें 271 दोपहिया, 10 तिपहिया और 37 चार पहिया चालक शामिल हैं। इनमें से 5 लोगों के खून में अल्कोहल की मात्रा 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक पाई गई। इसी तरह साइबराबाद पुलिस ने जांच के दौरान 283 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में पकड़ा। इनमें से 28 लोगों में अल्कोहल का स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक पाया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और शराब पीकर वाहन न चलाएं।

ईद से पहले सुरक्षा सख्त, कानून हाथ में न लेने की अपील

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने रविवार को गौ रक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शहर में कानून व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर चर्चा की। बैठक में आयुक्त ने बताया कि ईद अल-अधा से पहले किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कमिश्नरेट की सीमाओं पर विशेष चेक पोस्ट लगाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौ रक्षक कानून का पालन करें और मवेशियों के अवैध परिवहन की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, लेकिन किसी भी स्थिति में कानून अपने हाथ में न लें और हिंसा से दूर रहें। साथ ही, गतिविधियों के दौरान हथियार या नुकीली वस्तुएं ले जाने पर सख्त रोक लगाई गई है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट या वीडियो साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं, ताकि सांप्रदायिक तनाव न बढ़े। आयुक्त ने कहा कि स्वयंसेवकों को चेक पोस्ट पर पुलिस के साथ शामिल होने या संदिग्धों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि बिना वैध पशु चिकित्सा प्रमाण पत्र के मवेशियों के अवैध परिवहन पर पूरे वर्ष निगरानी रखी जाएगी। नागरिक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 8712661000 पर दे सकते हैं।

फिल्म 'वाराणसी' के लिए 150 पानी के टैंकर देने से जल बोर्ड का इनकार

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग के लिए मांगे गए 150 पानी के टैंकर उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया है। यह फिल्म महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा अभिनीत बताई जा रही है, जिसकी शूटिंग शहर के बाहरी इलाके में बनाए गए सेट पर चल रही है। जानकारी के अनुसार, फिल्म निर्माण कंपनी श्री दुर्गा आर्ट्स ने जल बोर्ड से 10,000 लीटर क्षमता वाले 150 टैंकरों की मांग की थी। इन टैंकरों की जरूरत गगनपहाड़ स्थित हैदराबाद फिल्म सिटी स्टूडियो में पानी के अंदर फिल्माए जाने वाले दृश्यों के लिए थी। निर्माताओं ने बताया कि शूटिंग के लिए एक कृत्रिम तालाब भी तैयार किया गया है और 18 मई को होने वाले दृश्यों के लिए शुद्ध पानी की आवश्यकता थी। हालांकि, भीषण गर्मी और शहर में बढ़ती पानी की मांग को देखते हुए जल बोर्ड ने इतनी बड़ी मात्रा में पानी उपलब्ध कराने में असमर्थता जताई है। जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी ने कहा कि फिल्म के लिए 150 टैंकर पानी देने की बात गलत है। अधिकारियों ने मौखिक रूप से भी इस मांग को अस्वीकार कर दिया है।

जीएचएमसी की खाद्य सुरक्षा टीम का अभियान

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के 99-दिवसीय कार्ययोजना के 59वें दिन रविवार को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह पहल खास तौर पर उन स्थानों पर केंद्रित रही, जहां बच्चों की आवाजाही अधिक रहती है। खाद्य सुरक्षा विंग के नेतृत्व में स्कूल परिसर, खेल मैदान, जीएचएमसी पार्क, फूड कोर्ट और बेकरी जैसे स्थानों पर कुल 81 निरीक्षण किए गए।

निरीक्षण के दौरान खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के महत्वपूर्ण मानकों के बारे में जागरूक किया गया। इनमें पैकेज्ड कच्चे माल की सही लेबलिंग, खाद्य पदार्थों का उचित भंडारण और संरक्षण, कीट नियंत्रण उपाय तथा संबंधित रिकॉर्ड संधारण शामिल हैं। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत संदिग्ध खाद्य नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए एकत्र किए। निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर 14 खाद्य व्यवसाय संचालकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। अधिकारियों ने सभी संचालकों को कड़े निर्देश दिए कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि आगे किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

जीओ-7 पर केटी रामाराव का हमला, फीस प्रतिपूर्ति योजना खत्म करने का आरोप

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार के जीओ-7 पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे फीस प्रतिपूर्ति योजना को खत्म करने की साजिश करार दिया। रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय के करीब 14 लाख छात्रों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने सरकार से इस आदेश को तत्काल रद्द करने, सार्वजनिक माफी मांगने और 10,000 करोड़ रुपये के बकाया का भुगतान करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि जीओ-7 को जानबूझकर इस तरह तैयार किया गया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच बाधित हो जाए।

रामाराव के अनुसार, बकाया फीस का भुगतान न होने से 2,500 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान प्रभावित हुए हैं, कई कॉलेज बंद होने की कगार पर हैं और छात्रों के प्रमाण पत्र भी रोके जा रहे हैं। उन्होंने सरकार पर शिक्षा क्षेत्र को संकट में डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रावासों में खराब व्यवस्थाओं के कारण कई छात्र बीमार हो रहे हैं और गंभीर घटनाएं भी सामने आई हैं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति योजना की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी ने की थी, जिसे बाद में के चंद्रशेखर राव ने आगे बढ़ाया। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार उसी योजना को कमजोर क्यों कर रही है। रामाराव ने छात्रों के खातों में सीधे राशि भेजने के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले 30 महीनों में कोई भुगतान नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने छात्रों के हितों की अनदेखी जारी रखी, तो बीआरएस राज्यभर में आंदोलन करेगी और छात्रों को संगठित किया जाएगा।

ओआरआर पर वाहन न रोकें पुलिस आयुक्त की अपील

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने यात्रियों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि वाहन चालक आपात स्थिति, जैसे वाहन खराब होने पर, आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर गाड़ी न रोकें।

सज्जनार ने सलाह दी कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो, तो तुरंत ओआरआर हेल्पलाइन 14449 पर संपर्क करें और अपने वाहन को सड़क की सबसे बाईं लेन में ले जाएं, ताकि अन्य वाहनों की आवाजाही बाधित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि ये नियम केवल ओआरआर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी इनका पालन जरूरी है। उन्होंने संगठनों से अपने ड्राइवरों और कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से सड़क हादसों को रोकने में सहयोग देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सभी लोग सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

पिता के इलाज के दौरान बढ़ाईं नजदीकियां: अब रेप केस की धमकी

पटना, 3 मई (एजेंसियां)। आईजीआईएमएस के एक नर्सिंग अफसर हनी ट्रैप में फंस गए हैं। उन्होंने शास्त्रीनगर थाने में एक युवती और उसके दोस्तों पर केस दर्ज कराया है। युवती स्थानीय है। वह फरवरी 2025 में अपने पिता का इलाज कराने आई थी। इस दौरान उसने जिद कर उनका मोबाइल नंबर ले लिया। लगातार मैसेज और बात करने लगी। उनके ऑफिस में आकर घंटों बैठती थी।

जुलाई 2025 में युवती को मोबाइल खरीदकर दिया। उसके जन्मदिन पर भी पैसे दिए। जब उन्हें लगा कि युवती ठगी कर रही है तब उन्होंने बातचीत बंद कर दी। इसके बाद युवती के दो दोस्त अप्रैल 2026 में ऑफिस में आकर धमकाने लगे। अब रेप की कोशिश में फंसा देने की धमकी दे रहे हैं। उनकी पत्नी को सबकुछ बता देने की धमकी दी जा रही है। युवती और उसके दोस्त 5 लाख रुपए में मामला रफा-दफा करने की बात कह रहे हैं। शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने नर्सिंग अफसर का बयान पर केस दर्ज कर लिया है।

अखिलेश का दोनों डिप्टी सीएम पर बड़ा हमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का तीखा पलटवार; कहा- सैफई प्रस्थान तय

स्टूल और कुर्सी पर यूपी में मचा सियासी घमासान

- अखिलेश ने कहा था- दो स्टूल जोड़ने से कुर्सी नहीं बनती
- पंकज चौधरी का पलटवार- रोने से किस्मत नहीं बदलती

लखनऊ, 3 मई (एजेंसियां)। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और ब्रजेश पाठक की एक साथ रील को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर दोनों की एक साथ रील जारी होने पर सपा अध्यक्ष ने जहां तंज कसा कि 'दो स्टूल मिलकर' कुर्सी नहीं बन सकते। वहीं, दोनों डिप्टी सीएम के अलावा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी सपा अध्यक्ष पर करारा पलटवार किया है। केशव ने एक्स हैंडल पर दोनों डिप्टी सीएम की जोड़ी के बारे में 'एक हिट व फिट जोड़ी से अखिलेश का घबराना जायज है' लिखकर करारा जवाब दिया है। जबकि पंकज चौधरी ने भी एक्स हैंडल पर 'कमल से साइकिल है जलती, इस तरह रोने से किस्मत नहीं बदलती।'

लिखकर पलटवार किया है। केशव ने एक्स पर सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए लिखा एक फिट और हिट जोड़ी से उनका घबराना निहायत ही जायज है। उन्होंने अखिलेश के लिए लिखा कि आपकी जानकारी के लिए यह अच्छा भी है, क्योंकि केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की जोड़ी आज जनता के भरोसे की पहचान बन चुकी है। उन्होंने लिखा कि मैं महान चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के वंश का प्रतिनिधि हूं और उनके आदर्शों से प्रेरित होकर अखंड भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हूं।

इसके साथ ही करुणावतार भगवान गौतम बुद्ध की विरासत से भी जुड़ा हूं, जिन्होंने संसार को शांति, समता और न्याय का मार्ग दिखाया। योजनाबद्ध तरीके से आपके संरक्षण में शाक्य समाज सहित कुशवाहा, मौर्य, सैनी और अन्य वंचित व कमजोर वर्गों पर किए गए अत्याचारों को देश-प्रदेश न भूला है और न ही भूलेगा। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि 'लाल टोपी साइकिल निशान, धक्का-मुक्की जिनकी पहचान। नहीं मिलेगा उनको कोई स्थान, 2027 में करेंगे सैफई प्रस्थान।'

वहीं, ब्रजेश पाठक ने एक्स के जरिए अखिलेश को घेरते हुए लिखा कि आज के नए उत्तर प्रदेश की सुपर जोड़ी की चर्चा सब जगह है। इसलिए सपा अध्यक्ष की परेशानी को समझ सकता हूं।

उन्होंने केशव को परम मित्र और पारिवारिक सदस्य बताते हुए लिखा कि हम दोनों के घर के दरवाजे जनता जनार्दन की सेवा के लिए 24 घंटे खुले हैं। हम बातों से ज्यादा धरातल पर कार्य करने में भरोसा रखते हैं। तुष्टीकरण और कुत्सित राजनीति आपकी वही पुरानी नीति है, जनता सब जानती है। कुर्सी मोह से ग्रसित कुत्सित राजनीति का जनता पर असर नहीं होने वाला है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी सपा मुखिया के पोस्ट को टैग करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा, कमल से साइकिल है जलती, इस तरह रोने से किस्मत नहीं बदलती। सिर्फ तुष्टीकरण से सत्ता नहीं मिलती, हार की हैट्रिक से बौखलाहट है दिखती।

पुलिस चौकी में लटकी मिली युवक की लाश

दारोगा समेत 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बागपत, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस थाने में पूछताछ के लिए बुलाए गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार युवक को पूछताछ के लिए चौकी लाया गया था, जहां उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में लापरवाही के आरोप में एक चौकी प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक के परिजनों ने हालांकि आरोप लगाया है कि युवक की पुलिस द्वारा बेरहमी से पिटाई की गई, जिसके कारण उसकी मौत हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले को आत्महत्या बताकर उसे दबाने की कोशिश कर रही है और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

सम्राट की सेना का कहर

सिवान एनकाउंटर पर मांझी का सख्त संदेश, बोले- कहा था न सबका हिसाब होगा

पटना, 3 मई (एजेंसियां)। बिहार में लगातार हो रहे पुलिस एनकाउंटर अब सियासी बहस का बड़ा मुद्दा बन गए हैं। रविवार सुबह सिवान में भाजपा नेता के भांजे की हत्या के आरोपित को पुलिस ने ढेर कर दिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस कार्रवाई का खुलकर समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की तारीफ की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "अपराधियों पर सम्राट की पराक्रमी सेना का कहर जारी है। चुन-चुनकर अपराधियों को ज़मींदोज़ किया जा रहा है।

इससे पहले 29 अप्रैल को भी मांझी ने एक पोस्ट में मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था कि "सम्राट की पराक्रमी सेना के सामने सिकंदर महान भी घुटने टेक देता। एनकाउंटर की इन घटनाओं को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था के नाम पर "एनकाउंटर की राजनीति" की जा रही है।

राज्य में हाल के दिनों में बढ़े एनकाउंटर को लेकर एक तरफ जहां सत्तापक्ष इसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई बता रहा है, वहीं विपक्ष इसे कानून प्रक्रिया से इतर कदम बताते हुए सवाल खड़े कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने बिहार की राजनीति में "कानून-व्यवस्था बनाम राजनीतिक संदेश" की बहस को और तेज कर दिया है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गर्माने के आसार हैं।

'जो गलती करेगा मारा जाएगा'

बिहार में अपराधियों के एनकाउंटर पर अनंत सिंह की दो टूक

पटना, 3 मई (एजेंसियां)। बिहार सरकार इन दिनों अपराधियों पर शिंकजा कसे हुए है। क्राइम को कंट्रोल करने के लिए पुलिस एनकाउंटर की कार्रवाई की जा रही है। इस पर अनंत सिंह से सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि जो गलती करेगा तो मारा जाएगा। सरकार की इस कार्रवाई को उन्होंने सही ठहराया है। अनंत सिंह ने कहा कि सरकार की यह कार्रवाई एक सही है। उन्होंने आगे कहा कि जो भी हो रहा है, सही हो रहा है। सरकार बढ़िया काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी और मां बहन को जो परेशान करेगा वह बख्शा नहीं जाएगा।

अनंत सिंह ने कहा कि जो रात को गलत काम कर रहा है। वह सुबह मार दिया जाता है। अनंत सिंह ने बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि आप लोगों को स्थिति खराब नजर आ रही है। यहां हालात ऐसे हैं कि बदमाशों का ठिकाना नहीं है। भागे फिर रहे हैं।

नीट छात्रा मौत-रेप केस

सीबीआई की धीमी जांच पर फटकार

5 महीने बाद भी जांच अधूरी, पोक्सो कोर्ट ने दिया डेडलाइन; परिवार को 2.5 लाख मुआवजा

पटना, 3 मई (एजेंसियां)। पटना की नीट छात्रा से रेप और मौत मामले के 5 महीने हो चुके हैं, लेकिन न तो पुलिस और ना ही सीबीआई किसी नतीजे पर पहुंच पाई है। अब मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सीबीआई की धीमी कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि बच्चों से जुड़े अपराधों में जांच में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पीड़िता के परिवार को 2.5 लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि सीबीआई को केस ट्रांसफर हुए 110 दिन से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अब तक जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई।

अदालत ने इसे बेहद गंभीर माना और एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी की स्वतंत्रता का मतलब मनमानी नहीं है। "जांच चल रही है" जैसे सामान्य जवाब अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर हाल में ठोस प्रगति दिखानी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 15 मई 2026 को तय की गई है, जहां कोर्ट जांच की प्रगति की समीक्षा करेगा। 'ऐसा लगता है कि सीबीआई ने आदेश के बावजूद जानबूझकर चार्जशीट फाइल नहीं की। 10 अप्रैल को समय सीमा के अंदर जांच पूरी करने या स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया था, जिसका पालन नहीं हुआ। यह कोर्ट के आदेश का खुला उल्लंघन है।'

कोर्ट ने यह टिप्पणी नीट छात्रा मामले में करते हुए आरोपी मनीष रंजन को जमानत दे दी थी। जमानत की खबर मिलते ही छात्रा की मां की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। यह हाल है देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई और बिहार पुलिस का उस सरकार का जो जंगलराज का खौफ दिखाकर 20 साल से सत्ता में बनी हुई है।

रेलवे की जमीन पर बने अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, 100 करोड़ रुपये की भूमि कराई गई खाली

प्रयागराज, 3 मई (एजेंसियां)। नार्थ सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज मंडल ने रेलवे भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गऊघाट क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। अतिक्रमण के खिलाफ अभियान के दौरान लगभग 6500 वर्ग मीटर रेलवे भूमि कब्जा मुक्त कराई गई। इस जमीन की कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई डीआरएम प्रयागराज मंडल रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में की गई। इस अभियान को अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य दीपक कुमार ने जिला प्रशासन के सहयोग से सम्पन्न कराय।

कार्रवाई में रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल (आपीएफ) एवं सिविल प्रशासन की टीमों ने सहयोग किया। इस अभियान में मंडल इंजीनियर (एस्टेट) वी। के। त्रिपाठी, सहायक मंडल इंजीनियर (अदन) प्रवीन कुमार श्रीवास्तव व रामचंद्र सिंह, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (एसएसई/आईओडब्ल्यू) शशिकांत तिवारी, एसएसई/आईओडब्ल्यू/मुख्यालय सत्य प्रकाश सहित रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के लगभग 20 कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

कौन है ड्रग माफिया मिस्बाहुर्रहमान? बाराबंकी पुलिस ने जब्त कर ली 6 करोड़ की प्रॉपर्टी

बाराबंकी, 3 मई (एजेंसियां)। बाराबंकी में नशे के काले कारोबार पर पुलिस-प्रशासन ने बड़ा प्रहार किया है। जेल में बंद कुख्यात ड्रग माफिया मिस्बाहुर्रहमान उर्फ अज्जन की करीब 6 करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्ति को फ्रीज दिया गया है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 68एफ(2) के तहत न्यायनिर्णायक प्राधिकारी, नई दिल्ली के आदेश पर की गई है। इस संपत्ति को कोर्ट से रिलीज भी नहीं किया जा सकेगा।

पुलिस के मुताबिक, जैदपुर थाना क्षेत्र के टिकरा मुर्तजा गांव निवासी अज्जन लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहा है और इस अवैध कारोबार से उसने करोड़ों की संपत्ति खड़ी की। कुर्क की गई संपत्ति नवाबगंज नगर परिषद क्षेत्र में स्थित 558.70 वर्गमीटर का आवासीय मकान है, जो उसकी पत्नी नगमी खातून के नाम पर दर्ज है। कोतवाली इंस्पेक्टर संतोष कुमार और राजस्व प्रशासन टीम में तहसीलदार प्रियंका शुक्ला ने मुनादी कर तस्कर की प्रापर्टी को फ्रीज कर दिया।

आरक्षण को लेकर ओपी राजभर ने उठाई आवाज

'चक्रव्यूह' की बात कहकर यूं अखिलेश यादव को घेरा

लखनऊ, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरक्षण के सही वर्गीकरण के बारे में बहस ने जोर पकड़ लिया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने इस मुद्दे पर सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया है। ओपी राजभर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से न सिर्फ अपनी बात रखी, बल्कि अखिलेश यादव की सियासत पर भी प्रश्न खड़े किए। ओपी राजभर ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि सत्ता से दूर होने के बाद की अखिलेश यादव की बेचैनी स्पष्ट नजर आ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जो राजभर समाज कभी समाजवादी पार्टी की रैलियों में भीड़ बढ़ाने के लिए मजबूर किया जाता था, वही आज अपने अधिकार और सम्मान के साथ सत्ता में भागीदारी कर रहा है, जो सपा की लीडरशिप को असहज कर रहा है। राजभर के आरोप के मुताबिक, उन्हें रोकने के लिए एक "चक्रव्यूह" की रचना की गई, जिसका उद्देश्य पिछड़ों और अति पिछड़ों को उनका हक मिलने से रोकना है। उन्होंने आगे कहा कि आरक्षण का अगर सही वर्गीकरण हो जाए तो इसके वास्तविक हकदारों को फायदा मिलेगा, जिससे कुछ सियासी दलों की जमीन खिसक सकती है। ओपी राजभर ने इसके साथ ही अखिलेश यादव से अपने सपोर्टर्स को संयम बरतने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि कुछ हालिया घटनाओं में, राजभर समाज के लोगों को निशाना बनाया गया और यह एक नकारात्मक माहौल की वजह से हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी समाज की खिलाफत में लगातार नफरत फैलाने के कारण ऐसी परिस्थितियां पैदा होती हैं। एसबीएसपी चीफ राजभर ने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलितों के हितों को अनदेखा किया गया।

उन्होंने साफ किया कि अब उनका राजभर समाज जागरूक हो चुका है। वह अपने अधिकारों के लिए खड़ा हो चुका है। साथ ही उन्होंने यह भी संदेश दिया कि यह समाज किसी भी सियासी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है।

घरेलू कलह से दंपत्ति ने की खुदकुशी, पत्नी ने खाया जहर और पति ने लगाई फांसी

प्रयागराज, 3 मई (एजेंसियां)। यमुनापार के कौंधियारा थाना क्षेत्र के गढ़वा कला गांव में घरेलू कलह को लेकर पति-पत्नी ने खुदकुशी कर ली। महिला ने जहां जहरीला पदार्थ खाया, वहीं उसके पति ने फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची कौंधियारा पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना के बाद स्वजन एवं तीन बच्चों की रो-रो कर हालत खराब है। कौंधियारा थाना क्षेत्र के ठढविलार निवासी तीर्थ राज तिवारी के तीन बेटो में छोटा बेटा 37 वर्षीय अनिल तिवारी अपनी पत्नी 34 वर्षीय पूर्णिमा तिवारी व तीन बच्चों के साथ गढ़वा कला में लगभग 15 साल से पिता द्वारा खरीदी गई जमीन पर मकान बना कर रह रहे थे।

अनिल तिवारी स्कूल में गाड़ी चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। तीनों बच्चे पास के ही एक विद्यालय में पढ़ते थे। पारिवारिक कलह के कारण शनिवार की देर रात पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाया तो पति ने कमरे के अंदर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ताना, समाज और मजबूरी में विवाह 18 साल की बालिग ने 41 वर्षीय शिक्षक से रचाई शादी

मुजफ्फरपुर, 3 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर की जमीन से एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने समाज, सिस्टम और संवेदनाओं तीनों को कठघरे में खड़ा कर दिया है। औराई थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय इंटर छात्रा द्वारा 41 वर्षीय शिक्षक प्रवीण से शादी करने का मामला अब इश्क की बहस में बदल गया है। युवती का बयान सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह आरोप लगा रही है कि समाज के ताने, बदनामी और लगातार उठते सवालों ने उसकी जिंदगी को मजबूरी के रास्ते पर धकेल दिया। उसके मुताबिक, लोग उसे और शिक्षक को लेकर तरह-तरह की बातें करते थे, थाने पर शादी करने गई थी जैसे तानों ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया।

युवती का दावा है कि परिवार की मारपीट और सामाजिक दबाव के बीच उसे यह कदम उठाना पड़ा। जिस उम्र में किताबें हाथ में होनी चाहिए थीं, उस उम्र में उसके हाथों में शादी का दस्तावेज थमा दिया गया। वह कहती है अब सुख हो या दुख, सब भगवान का दिया समझकर स्वीकार करेंगे। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल सिस्टम पर भी उठ रहा है।

एमएलए पल्लवी पटेल के काफिले में शामिल कार खाई में गिरी

हादसे में 3 कार्यकर्ता घायल

बांदा, 3 मई (एजेंसियां)। यूपी के बांदा में एमएलए पल्लवी पटेल के काफिले में चल रही गाड़ी खाई में गिर गई। इस हादसे में तीन कार्यकर्ता घायल हो गए। बताया जा रहा कि काफिले में चल रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। आनन-फानन में कार्यकर्ताओं ने गाड़ी से घायलों को निकाल अस्पताल भेजा। हादसे के बाद पल्लवी पटेल भी अस्पताल पहुंचीं और अपने कार्यकर्ताओं से स्वास्थ्य का हालचाल जाना।

हादसे के बाद पल्लवी पटेल ने कहा, हम यूजीसी को लेकर हर विधानसभा में लोगों से मिल रहे हैं। इसी दौरान हादसा हो गया। तीन लोग घायल हुए हैं।

इलाज कराया गया है। हम सभी साथ हैं। दरअसल अपना दल कमेरा वादी की नेता एमएलए पल्लवी पटेल आज बांदा दौरे पर थी। यहां उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जानकारी के मुताबिक, पल्लवी पटेल बबेरू के बाद तिंदवारी जा रही थी। मौनी धाम रोड पर काफिले में चल रही कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई, जिसमें कार सवार तीन लोग घायल हो गए। काफिले में चल रही गाड़ियों से कार्यकर्ताओं ने घायलों को तिंदवारी अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों का इलाज डॉक्टरों ने किया।

इसके बाद पल्लवी भी उस दौरान अस्पताल पहुचीं और हालचाल जाना। एमएलए पल्लवी पटेल ने बताया, कोई जान-माल का खतरा नहीं है। तीन लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। तीनों का इलाज करवाया गया है। इसके आगे पल्लवी पटेल ने कहा कि वह सभी यूजीसी के मुद्दे को लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं।

55 वर्षीय ग्राम प्रधान के साथ फरार हुई विवाहिता

झांसी, 3 मई (एजेंसियां)। प्यार की राह में रिश्तों की दीवारें तोड़कर 25 साल की एक विवाहित महिला 55 वर्षीय ग्राम प्रधान के साथ फरार हो गई और पति को लाखों रुपए का चूना लगा गई। इस घटना ने पूरे गांव में हलचल मचा दी है और हर जुबान पर अब इसी रिश्ते की चर्चा है। दरअसल, मामला उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के मऊरानीपुर क्षेत्र में एक 22 वर्षीय विवाहित महिला अपने से काफी अधिक उम्र के (55 वर्षीय) प्रधान के साथ अचानक लापता हो गई। इस घटना ने तब और गंभीर रूप ले लिया, जब महिला के पति ने आरोप लगाया कि पत्नी जाते समय घर में रखी नकदी और जेवर भी साथ ले गई, जिससे उसे आर्थिक झटका लगा है।

शिवगंज मोहल्ले के रहने वाले युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 2024 में हुई थी और शुरुआत में सब कुछ सामान्य था। लेकिन कुछ समय बाद गांव के एक वरिष्ठ व्यक्ति का घर में आना-जाना बढ़ने लगा, जिसके चलते परिवार में तनाव पैदा हो गया। आरोप है कि धीरे-धीरे यह नजदीकियां विवाद की वजह बन गईं और पति-पत्नी के रिश्ते में दरार आ गई। शिकायत के अनुसार, 29 अप्रैल की शाम महिला घर से अचानक गायब हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे एक व्यक्ति के साथ जाते हुए देखने का दावा किया है।

सापा सांसद राम भुवाल निषाद मुश्किल में

गैर जमानती वारंट जारी, 2019 लोकसभा चुनाव का वो क्या मामला है?

गोरखपुर, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर की एक अदालत में सुल्तानपुर से सांसद राम भुवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी पेश होने का आदेश दिया है। सांसद के खिलाफ 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें अब तक वह एक बार भी कोर्ट में पेश नहीं हुए हैं। बसपा सरकार में मंत्री रहे और वर्तमान में सपा से सांसद राम भुआल निषाद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। यहा मामला 2019 लोकसभा चुनाव का है, जब वह सपा के टिकट पर भाजपा प्रत्याशी सांसद रवि किशन के खिलाफ चुनाव मैदान में थे। आरोप है कि पिपराइच विधानसभा क्षेत्र में वह अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ मौजूद थे।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में उनके खिलाफ 2 मई 2019 को पिपराइच थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसकी सुनवाई एमपी एमएलए की विशेष अदालत में चल रही थी। न्यायाधीश ज्ञानेंद्र कुमार ने तत्कालीन फैसला सुनाते हुए एनबीडब्ल्यू के तहत गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने एसएसपी को निर्देश दिया है कि आरोपी सांसद को अगली पेशी पर कोर्ट में उपस्थित कराएं। कोर्ट ने दंड संहिता की धारा 82 के तहत भगोड़ा घोषित करने की कार्यवाई के भी निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि सांसद राम भुआल पर पहले भी कई मुकदमें दर्ज हैं। इनमें से एक फर्जी शस्त्र लाइसेंस रखने का भी है। इसके तहत वर्ष 2020 में बड़हलगंज थाने में मुकदमा दर्ज है।

चार बच्चों का कत्ल

स्कूल से लौटने के बाद घर से नहीं निकले थे बच्चे, रात में मारा पड़ोसी ने खोला राज

मुरादाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर के अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में दोपहर हुई घटना ने सबको झकझोर के रख दिया है। चार बच्चों की बेरहमी से की गई हत्या से मोहल्ले वाले सहमे हुए हैं। पड़ोसियों के मुताबिक चारों बच्चे दोपहर स्कूल से लौटने के बाद घर से बाहर नहीं निकले थे। पड़ोसी गुड्डू ने बताया कि चारों बच्चे शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान उर्फ सादिया (8) पहितीपुर मार्ग स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में पढ़ते थे और सभी पढ़ाई में बेहतर थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार दोपहर बाद स्कूल से घर आने के बाद बाहर नहीं निकले थे।

माना जा रहा है कि रात में महिला ने खाने में विषैला पदार्थ मिलाकर बच्चों को बेहोश कर दिया और रात में ही वारदात को अंजाम दे डाला। नियाज अहमद की पत्नी से भले अनबन चल रही हो लेकिन बच्चों से नियमित रूप से बात होती रहती थी। नियाज ने सुबह अपने घर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद उसने अपने एक साथी को फोन किया तो पता चला कि बच्चे शनिवार को स्कूल भी नहीं गए थे। इसके बाद नियाज को अनहोनी की आशंका हुई।

1000 गाड़ियां चुराने वाला इंटर-स्टेट गैंग बेनकाब

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े इंटर-स्टेट वाहन चोरी गैंग का भंडाफोड़ किया है। यह गैंग काफी संगठित तरीके से काम कर रहा था और अब तक 1000 से ज्यादा चोरी की गाड़ियों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए दोबारा रजिस्टर कर बेच चुका था। पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 31 महंगी गाड़ियां बरामद की हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक यह मामला तब सामने आया जब अगस्त 2025 में पीतमपुरा की एक महिला की हुंडई क्रेटा कार चोरी हो गई। शुरुआत में जांच लोकल पुलिस कर रही थी, लेकिन बाद में केस क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को सौंप दिया गया।

जांच के दौरान पता चला कि यह एक बड़ा नेटवर्क है जो दिल्ली समेत कई राज्यों हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में फैला हुआ है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक गैंग का काम करने का तरीका बेहद शातिर था। पहले ये लोग चोरी या लोन डिफॉल्ट गाड़ियां जुटाते थे। फिर एक्सपर्ट मैकेनिक गाड़ियों के चेसिस नंबर बदल देते थे, ताकि उनकी असली पहचान छिप जाए।

अमेरिका की नाक के नीचे से ईरान ने निकाला अपना 'सुपर टैंकर'

होर्मुज से दो हजार करोड़ का तेल किया पार

तेहरान, 3 मई (एजेंसियां)। समंदर में अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी लुकाछिपी का खेल चल रहा है। एक ताजा रिपोर्ट ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' ने दावा किया है कि ईरान का एक बहुत बड़ा तेल का जहाज अमेरिकी नौसेना की सख्त नाकेबंदी को चकमा देकर बाहर निकल गया है। यह जहाज अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहुंच गया है। इस घटना से अमेरिका की पहरेदारी पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि समंदर में दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है। दरअसल, अमेरिका ने ईरान को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए उसके तेल व्यापार पर रोक लगाने की कोशिश की है। इसके लिए अमेरिकी नौसेना ने समंदर में कड़ी नाकेबंदी कर रखी है। लेकिन, ट्रैकिंग फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का एक विशाल जहाज अमेरिका की इस नाकेबंदी को भेदने में सफल रहा है। यह जहाज कोई छोटा-मोटा जहाज नहीं है, बल्कि यह अपने अंदर लाखों बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा है। इस घटना ने यह दिखा दिया है कि ईरान अपने तेल को बेचने के लिए नए-नए और छुपे हुए रास्ते निकाल रहा है।

अधिकारियों के हवाले से एक बड़ी खबर प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका की इस समुद्री नाकेबंदी के कारण ईरान को काफी भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन के आकलन के मुताबिक, इस नाकेबंदी से ईरान को लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अगर इसे भारतीय रुपयों में देखा जाए, तो यह नुकसान करीब 456 अरब रुपए (45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का है।

चीन के ड्रीम प्रोजेक्ट सीपीईसी को बड़ा झटका

ग्वादर में चीनी कंपनी ने बंद किया काम, शहबाज शरीफ के दावों की खुली पोल

बिजिंग, 3 मई (एजेंसियां)। सीपीईसी के सबसे अहम प्रोजेक्ट ग्वादर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां एक चीनी कंपनी ने खराब कारोबारी माहौल और लगातार घाटे का हवाला देते हुए अपनी फैक्ट्री बंद कर दी और सभी कर्मचारियों को निकाल दिया। इस घटनाक्रम ने सीपीईसी की जमीनी स्थिति और विदेशी निवेशकों के भरोसे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान के ग्वादर फ्री ज़ोन में काम कर रही हैंगिंग ट्रेड कंपनी ने शुक्रवार को अपनी फैक्ट्री बंद करने और सभी कर्मचारियों को निकालने का ऐलान किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के दिन यह फैसला लेते हुए कहा कि "गैर-व्यावसायिक कारणों" और ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते कारोबार जारी रखना संभव नहीं रहा। कंपनी ने बताया कि वह अंतरराष्ट्रीय निर्यात मानकों को पूरा कर रही थी, लेकिन उसके शिपमेंट अटक गए, जिससे लगातार नुकसान हो रहा था। पिछले तीन महीनों से वह अधिकारियों के संपर्क में थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका, जिसके चलते उसे यह कदम उठाना पड़ा। हैंगिंग ट्रेड कंपनी ने कहा कि फैक्ट्री बंद करने से पहले उसने सभी देनदारियां चुका दीं, जिसमें तीन महीने का वेतन, जुर्माना, बिजली बिल और कंटेनर डिमरेज चार्ज शामिल हैं।

कंपनी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान और चीन के रिश्ते मजबूत हैं और सीपीईसी एक प्रमुख प्रोजेक्ट है। हालांकि, कंपनी ने साफ कहा कि कारोबार के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नीति वातावरण बेहद जरूरी है। साथ ही, कंपनी ने पाकिस्तान सरकार और योजना मंत्रालय का सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन निवेशकों को ग्वादर में निवेश से पहले जोखिमों का आकलन करने की सलाह भी दी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इसी महीने चीन दौरे पर जाने वाले हैं, जहां बिजनेस-टू-बिजनेस निवेश फोरम आयोजित होना है। ग्वादर में कंपनी बंद होने की खबर ने विदेशी निवेशकों के भरोसे और सीपीईसी के भविष्य को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। कंपनी

मलकानगिरी में हशीश तेल बनाने वाली मोबाइल यूनिट का भंडाफोड़ 50 किलो गांजा बरामद

संबलपुर, 3 मई (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों में, मलकानगिरी जिला पुलिस गांजा से हशीश तेल बनाने वाले गिरोह को पकड़ने में काफी सफलता मिली है। इस बार भी खुफिया जानकारी मिलने के बाद मलकानगिरी जिला के चित्रकोंडा पुलिस ने इलाके में एक हशीश तेल बनाने वाली मोबाइल यूनिट का भंडाफोड़ करने समेत करोड़ों रूपए के इस काले कारोबार पर अंकुश लगाने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। रविवार के दिन, मलकानगिरी जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक विनोद पाटिल ने बताया कि पुलिस के बहुत ज़्यादा दबाव के कारण, इस कारोबार से जुड़े सदस्य पूरे सेट अप को अलग-अलग जगहों पर ले जा रहे हैं। रविवार, तीन मई की सुबह, चित्रकोंडा के एसडीपीओ प्रदीप प्रधान के नेतृत्व में, मलकानगिरी पुलिस ने एस्सार चौक के पास, सिलेरू इलाके की ओर जा रही एक गाड़ी को रोका, जिसमें पूरी तरह से गुप्त हशीश तेल बनाने की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट थी। पुलिस की इस छापेमारी के दौरान गाड़ी का चालक वचकर फरार हो गया। गाड़ी का ड्राइवर मुश्किल इलाके का फ़ायदा उठाकर घने जंगल में भागने में कामयाब रहा।

बोरिंग के बदले दारू, मुर्गा और 20 हजार की मांग

भाजपा नेत्री ने अपनी ही पार्टी की पार्षद पर लगाए आरोप

कोरबा, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से भाजपा के अंदरूनी विवाद का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बाकिमोंगरा क्षेत्र में एक भाजपा नेत्री ने अपनी ही पार्टी की पार्षद पर बोरिंग के बदले शराब, मुर्गा और 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। यह मामला सामने आते ही सियासी हलकों में हलचल मच गई है।

आरोपों से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद अब सबकी नजरें जांच पर टिकी हैं। यह पूरा मामला कटाईनार वार्ड क्रमांक 14 का बताया जा रहा है। समाजसेविका और भाजपा नेत्री डिंकी कौर ने एक वीडियो जारी कर खुलकर आरोप लगाए हैं। वीडियो में उन्होंने कहा है कि वार्ड में बोरिंग के लिए कई बार आवेदन देने के बावजूद काम नहीं किया गया और उनसे अवैध मांगें रखी गईं। डिंकी कौर का कहना है कि भाजपा पार्षद रम्भा कंवर ने बोरिंग कराने के बदले शराब, मुर्गा और 20 हजार रुपये की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ये मांगें पूरी नहीं हुईं, तो बोरिंग का काम ही रोक दिया गया।

उनका दावा है कि इलाके में पानी की भारी जरूरत है, लेकिन इसके बावजूद लोगों को परेशान किया जा रहा है। डिंकी कौर ने यह भी आरोप लगाया कि जिस स्थान पर बोरिंग की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वहां काम नहीं कराया गया। इसके बजाय दूसरी जगह बोरिंग करवाकर सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने इसे जनता के साथ सीधा धोखा बताया। दूसरी ओर, भाजपा पार्षद रम्भा कंवर ने इन सभी आरोपों को सिरे से गलत बताया है। उनका कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

'युद्ध खत्म करो, प्रतिबंध हटाओ और मुआवजा दो'

ईरान ने अमेरिका को भेजा नया प्रस्ताव, ट्रंप के सामने क्या रखीं शर्तें?

तेहरान, 3 मई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने के लिए प्रस्तावित 9 सूत्रीय फ्रेमवर्क को लेकर ईरान का जवाब आया है। तेहरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को नया 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भेजा है। ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तेहरान ने मांग की है कि अमेरिका लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करे, नौसैनिक नाकाबंदी हटाए, अपनी सेना वापस बुलाए और होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नई शासन व्यवस्था स्थापित करे। 14 सूत्रीय योजना में अन्य मांगों के साथ-साथ ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना, ईरान की जब्त संपत्तियों को रिलीज करना और मुआवजे की मांग भी शामिल है। ईरान ने वॉशिंगटन की 2 महीने के युद्धविराम की योजना का खंडन किया और सभी मुद्दों को हल करने के लिए 30 दिन की समय सीमा का समर्थन किया। इस बीच ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका को वार्ता के माध्यम से समझौता करना है या खुले युद्ध की ओर लौटना है।

यह अमेरिका पर निर्भर करता है और तेहरान दोनों के लिए तैयार है। ईरान की सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ग़रीबाबादी ने तेहरान में राजनयिकों से कहा, अब अमेरिका को कूटनीति का रास्ता चुनना है या टकराव का रुख अपनाना है। उन्होंने कहा, ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दोनों रास्तों के लिए तैयार है। 'समुद्री लुटेरों' की तरह काम कर रही यूएस नेवी, ट्रंप का होर्मुज नाकेबंदी पर बड़ा बयान, ईरान ने कहा- 'हथियारबंद डकैती' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के नवीनतम 14 सूत्रीय प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने नए अमेरिकी हमलों की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा, ईरान के संबंध में हमारी स्थिति काफी अच्छी है। वे समझौता करना चाहते हैं। उन्हें यह तय करने में कठिनाई हो रही है कि उनका नेता कौन है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं।

ड्यूटी पर तैनात आरक्षकों को पुलिसकर्मी की कार ने मारी टक्कर, दो जवान घायल

इंदौर, 3 मई (एजेंसियां)। इंदौर के राजेंद्र नगर थाने में देर रात ड्यूटी पर पदस्थ दो पुलिसकर्मियों को एक कार जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पुलिसकर्मी करीब 20 फीट दूर जा गिरे। दोनों घायलों को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, कार चला रहा शख्श खुद एक पुलिसकर्मी है, हादसे के बाद आरोपी पुलिस कर्मी की कार जब्त कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना के संबंध में पुलिस में मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा इंदौर के राजेंद्र नगर थाने से सामने आया है।

बताया गया कि राजेंद्र नगर थाने के दो पुलिसकर्मी शुक्रवार देर रात इलाके में ड्यूटी दे रहे थे, जहां दोनों ही पुलिस आरक्षकों को एक कार ने टक्कर मार दी। कार की टक्कर में दोनों पुलिसकर्मी हवा में उछलकर दूर जा गिरे हादसे के वक्त दोनों सिपाही सड़क किनारे ड्यूटी पर खड़े थे। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद दोनों घायल आरक्षकों को इलाज के लिए तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

रांची, 3 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने आज रविवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस खास मौके पर उनकी पत्नी मीरा मुंडा भी साथ मौजूद रहीं। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति को गुलदस्ता भेंट किया गया और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान देश और झारखंड से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक एक शिष्टाचार भेंट थी, जिसमें आपसी संवाद और विचार-विमर्श का आदान-प्रदान किया गया। अर्जुन मुंडा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर उनका अभिवादन किया और उनके नेतृत्व की सराहना की। इस मुलाकात को राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है। फिलहाल, इस शिष्टाचार भेंट की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जो चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

योगेश गौड़ा हत्याकांड

उम्रकैद की सजा के बाद अब कुर्सी भी गई... कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी अयोग्य घोषित

बेंगलूरु, 3 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा ने कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को अयोग्य घोषित कर दिया। ये कार्रवाई बीजेपी नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद की गई है। कांग्रेस नेता फिलहाल जेल में हैं और इस मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। इस दोषसिद्धि (सजा) की वजह से विनय कुलकर्णी अब कर्नाटक विधानसभा के सदस्य नहीं रह सकते। उन्हें 15 अप्रैल 2026 से अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं। यह अयोग्यता संविधान के अनुच्छेद 191 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 के अनुसार हुई है। कांग्रेस नेता के लिए ये एक बड़ा झटका है, क्योंकि आजीवन कारावास की सजा पूरी करने के बाद वे छह साल तक कोई भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

जब तक उन्हें ऊपरी अदालत से रोक नहीं मिल जाती, तब तक वे अयोग्य ही रहेंगे और भारत निर्वाचन आयोग उनकी दोषसिद्धि की तारीख से छह महीने के भीतर उपचुनावों की अधिसूचना जारी करेगा। जज संतोष गजानन भट ने बीजेपी नेता योगेश गौड़ा की 2016 में हुई हत्या के मामले में कुलकर्णी और 16 दूसरे लोगों को सजा सुनाई और उन सभी पर 30,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। योगेश गौड़ा उस समय बीजेपी के जिला पंचायत सदस्य थे। उन्होंने 15 जून 2016 को धारवाड़ में उनके ही जिम में धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले की जांच संबंधित पुलिस ने की थी और चार्जशीट में तत्कालीन जिला प्रभारी मंत्री कुलकर्णी का नाम हटा दिया था। बीजेपी ने राज्य सरकार के खिलाफ आवाज उठाई थी और आरोप लगाया था कि मामले में जांच निष्पक्ष नहीं हुई।

फिर 2019 में जब बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई ने 5 नवंबर, 2020 को कुलकर्णी को गिरफ्तार किया और उन्हें इस हत्या का मुख्य साजिशकर्ता बताया। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि कुलकर्णी की गौड़ा के साथ निजी दुश्मनी और राजनीतिक रंजिश थी, जिन्होंने 2016 में जिला पंचायत चुनावों से हटने के उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

आंधी-बारिश का कहर, दो घरों की छत उड़ी, हजारों का नुकसान

नोवामुंडी, 3 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड में शनिवार दोपहर अचानक आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचा दी। इस आपदा में दो अलग-अलग गांवों में दो घरों की एस्बेस्टस छतें उड़ गईं, जिससे उनका काफी नुकसान हुआ, हालांकि दोनों परिवार सुरक्षित बच गए। रेंगाबड़िया निवासी मगेन गोप अपनी पत्नी सीता देवी और पुत्र रमेश गोप के साथ घर में थे, तभी तेज आंधी ने उनके नए बने मकान की एस्बेस्टस छत उड़ा दी। छत गिरने से पूरा घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मगेन गोप ने बताया कि उन्होंने हाल ही में बस स्टैंड के पास यह घर बनाया था, जो इस आंधी में बुरी तरह टूट गया।

इस घटना में करीब 65 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह पहले ही उनके घर में चोरी की घटना हुई थी, जिससे वे पहले से ही परेशान थे। उड़ेसिया गांव में तेज हवाओं ने मदन केडाई के घर को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के समय वे अपनी बुजुर्ग मां के साथ घर में मौजूद थे। आंधी के कारण घर की छत उड़ गई, जिससे अंदर रखा जरूरी सामान और महत्वपूर्ण कागजात बारिश में भीग गए। मदन केडाई ने प्रशासन से राहत और उचित मुआवजे की मांग की है।

नौसेना प्रमुख का म्यांमार दौरा

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ स्वागत, यूएमएस क्यान सित थार का किया निरीक्षण

नेपीडॉ, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने अपनी म्यांमार यात्रा दौरान दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को नई दिशा देने पर जोर दिया। उनका यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के मकसद से अहम माना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने म्यांमार नौसेना के फ्रिगेट यूएमएस क्यान सित थार पर सवार होकर वहां की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता और नौसेना बेड़े की ताकत के बारे में जानकारी ली।

भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, म्यांमार की यात्रा के हिस्से के रूप में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 2 मई 2026 को म्यांमार नौसेना के फ्रिगेट यूएमएस क्यान सित थार (एफ12) पर सवार हुए। इस दौरान सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया। जहाज पर उनकी अगवानी कैप्टन क्याव थेत नाइंग ने की, जो म्यांमार नौसेना के नंबर-1 फ्लीट कमांडर हैं। यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख को म्यांमार नौसेना की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बेड़े की क्षमताओं और कामकाज का भी विस्तार से परिचय कराया गया। इस बातचीत में दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग पर भी चर्चा हुई।

भारतीय नौसेना ने कहा, दोनों नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों पर भी बात हुई। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच साझा समुद्री सुरक्षा और बेहतर तालमेल को और मजबूत करना है।

दहीबड़ा खाना पड़ा महंगा

27 बच्चों समेत 58 लोगों की हालत बिगड़ी, हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया

जाजपुर, 3 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के जाजपुर जिले के एक गांव से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यहां दहीबड़ा खाने से 58 लोगों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट करवाना पड़ा है। खुद पुलिस ने ये जानकारी दी है। मामला दशरथपुर ब्लॉक के पातापुर गांव का है। यहां एक लोकल दहीबड़ा बेचने वाले शख्स के यहां जिन लोगों ने दहीबड़ा खाया, उनमें से 58 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इन 58 लोगों में 27 बच्चे भी शामिल हैं। इन लोगों को दहीबड़ा खाने के बाद उल्टी और बुखार की समस्या हो गई, जिसके बाद इन्हें हॉस्पिटल में एडमिट करवाना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ितों को दशरथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जाजपुर जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में एडमिट करवाया गया। इस घटना पर जाजपुर जिला कलेक्टर अंबर कुमार का बयान भी सामने आया और उन्होंने बताया है कि इलाज के बाद 21 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग को जब इस घटना की जानकारी मिली तो वह भी जाजपुर स्थित हॉस्पिटल पहुंचे और पीड़ितों से बात करके उनका हाल लिया। मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया, 27 बच्चों सहित 58 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि यह दहीबड़ा के सेवन के कारण हुआ था। हमने खाद्य पदार्थ और पानी के नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेज दिए हैं। गौरतलब है कि बीते कुछ समय से गर्मी बहुत बढ़ गई है। ऐसे में अगर आप बाहर निकल रहे हैं तो कुछ भी खाने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। बाहर का खाना आपकी सेहत बिगाड़ सकता है।

भाजपा सांसद रबींद्र नारायण बेहरा ने कहा, जाजपुर जिले में दहीबड़ा खाने से हुई घटना से लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें सत्ताईस बच्चे थे। सत्तर वर्ष की एक बुजुर्ग महिला की मृत्यु हो गई, लेकिन वह अस्पताल नहीं आईं। उनकी मृत्यु का कारण अभी तक पता नहीं चला है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। सभी का इलाज चल रहा है।

'इसके लिए कोई जिम्मेदार है तो यह सरकार है', पुणे में बच्ची के रेप और हत्या पर संजय राउत ने सरकार को घेरा

पुणे, 3 मई (एजेंसियां)। नाबालिग के रेप और मर्डर केस पर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि पुणे में नाबालिग के रेप के बाद हत्या कर दी गई। इसका मतलब यह है कि अपराधियों में कानून और सरकार का डर नहीं है। लोग कहां-कहां से आते हैं और इस तरह की वारदातों को अंजाम देते हैं और बच जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए अगर कोई जिम्मेदार है तो वह सरकार है। इस राज्य के मुख्यमंत्री-गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस और कानून व्यवस्था राजनीति में उलझी पड़ी है। बीआईपी की सुरक्षा में व्यस्त है। मुख्यमंत्री एक-एक महीने तक तमिलनाडु, केरल, असम और बंगाल के विधानसभा चुनावों में जाते हैं।

ऐसे में यहां हालात कौन संभालेगा? संजय राउत ने रेप केस पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य की पुलिस विपक्ष के ऊपर डंडा उठाने के लिए है? उन्होंने कहा कि यह जो लाडली बहिन योजना चलाई जा रही है। शायद उस बच्ची का मां भी सरकार की लाडली बहन हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि क्या 1500 रुपये में उस मां की भावनाओं को खरीद लिया।

युवाओं की रगों में जहर घोलने वालों पर नकेल

एलजी मनोज सिन्हा बोले- ड्रग तस्कर राष्ट्र के दुश्मन

जम्मू, 3 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ड्रग तस्करी को साइलेंट टेररिज्म करार देते हुए इसे जम्मू-कश्मीर के युवाओं, परिवारों और भविष्य को नष्ट करने की साजिश बताया। उन्होंने साफ कहा कि नशा कारोबार से जुड़े लोग देश के दुश्मन हैं और उनसे सही ढंग से निपटा जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि ड्रग तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रविवार (3 मई) को श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए एलजी सिन्हा ने कहा कि महज 22 दिनों में यह अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि अब हर घर, हर मोहल्ले और हर गली में इस बुराई के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है। जहां मादक पदार्थ युवाओं की जीवन शक्ति को छीन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ शपथ केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उन माता-पिता के दर्द, परिवारों की पीड़ा और शिक्षकों की चिंता को दर्शाती है जिन्होंने युवा जिंदगियों को बर्बाद होते देखा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर मां-बाप, हर शिक्षक और हर परिवार का संकल्प बन चुका है। लोगों ने अब ठान लिया है बहुत हुआ, अब और नहीं होगा'। एलजी सिन्हा ने बताया कि उन्होंने जम्मू संभाग के आठ जिलों का दौरा किया और पदयात्राएं कीं, जहां लोगों ने एकजुट होकर अपने बच्चों और भविष्य को बचाने की मांग उठाई।

उन्होंने कहा कि यह अभियान अब सभी पीढ़ियों और समाज के हर वर्ग को जोड़ रहा है। उन्होंने धार्मिक नेताओं, इमामों, शिक्षकों, महिलाओं और युवा संगठनों से भी पदयात्रा की भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि अब चुप रहने का समय खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने पीढ़ियों और समाज के विभिन्न वर्गों को एक सामूहिक लड़ाई में एकजुट किया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 4 मई - 2026

बढ़ती कीमतों से ढीली होती जेबें

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता का असर अब भारत की आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर दिखाई देने लगा है। बीते कुछ दिनों में वाणिज्यिक गैस सिलेंडर, विमान ईंधन और थोक डीजल की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है। इससे न केवल छोटे व्यापारियों और सेवा क्षेत्र पर असर पड़ेगा, बल्कि आम नागरिक की थाली की ताकत भी कम हो सकती है। पिछले करीब दो महीनों तक सरकार ने तेल और गैस की कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखा था। इसकी वजह कई राज्यों में विधानसभा चुनाव थे। ऐसे में आज जब चुनाव का जश्न खत्म हो जाएगा तो कीमतों में अचानक बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है, जो कई सवाल खड़े करता है। क्या यह केवल वैश्विक परिस्थितियों का असर है या फिर चुनावी रणनीति के बाद बोझ डालने की नीति? वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में भारी वृद्धि का सीधा असर होटल, ढाबों और छोटे भोजन व्यवसायों पर पड़ेगा। इसका मतलब है कि बाहर खाने-पीने की चीजें महंगी होंगी। अंततः इसका भार आम जनता की जेब पर ही पडेगा। इसी तरह विमान ईंधन और थोक डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिसका असर हर वस्तु की कीमत पर दिखाई देगा। यानी महंगाई का यह डोज सीमित नहीं रहेगा, बल्कि धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था में फैल जाएगा। फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है, लेकिन यह राहत कितने समय तक बनी रहेगी, यह कहना मुश्किल है। आमतौर पर जब वाणिज्यिक और थोक ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं, तो कुछ समय बाद उसका असर घरेलू उपयोग की वस्तुओं पर भी साफ दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक है कि आने वाले दिनों में रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। महंगाई का सबसे अधिक असर समाज के कमजोर और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। रोज कमाने-खाने वाले मजदूर, छोटे दुकानदार और सीमित आय वाले परिवार पहले ही बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में और बढ़ोतरी होती है, तो उनके सामने जीवनयापन की गंभीर चुनौती खड़ी हो सकती है। सरकार का तर्क हो सकता है कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण कीमतों में बढ़ोतरी अपरिहार्य है। लेकिन सवाल यह भी है कि यदि यही परिस्थितियां पहले भी मौजूद थीं, तो उस समय कीमतों को स्थिर कैसे रखा गया? क्या यह माना जाए कि चुनावी माहौल में जनता को राहत देना प्राथमिकता थी और अब वह प्राथमिकता समाप्त हो चुकी है? महंगाई केवल आंकड़ों का विषय नहीं होती, बल्कि यह सीधे जनता के जीवन स्तर से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में आवश्यक है कि सरकार अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे। कीमतों पर नियंत्रण के लिए ठोस और पारदर्शी नीति अपनाई जाए ताकि आम नागरिक को यह भरोसा मिल सके कि उसकी चिंता वास्तव में सरकार की प्राथमिकता है। स्पष्ट है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो महंगाई का यह दुष्चक्र आने वाले दिनों में और गहराता जाएगा। इसका असर न केवल बाजार पर पड़ेगा, बल्कि आम आदमी की उम्मीदों और विश्वास पर भी पड़ेगा। यही किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बन जाता है।

भारत में बढ़ रहे तापमान से जीना हुआ मुहाल

अशोक भाटिया

मैदानी इलाकों में इस बार चुभने वाली गर्मी महसूस हो रही है। सूरज की किरणें इतनी तीखी लग रही हैं जितनी पहले नहीं लगती थीं। भारतीय मौसम विभाग ने भी चेतावनी दी है कि इस साल मैदानी इलाकों सहित पहाड़ी इलाकों में भी गर्मी सामान्य से अधिक पड़ेगी। भारतीय मौसम विभाग की मंथली रिपोर्ट देखें तो पता चलता है कि, जलवायु संकट के कारण देश में अब हर मौसम प्रभावित हो रहा है। अप्रैल 2026 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 92 भारत के हैं। AQI in के अनुसार, टॉप के 20 सबसे गर्म स्थानों में से 19 भारत में हैं, जहां तापमान अप्रैल में ही 45°सी से ऊपर जा रहा है।

रिपोट्र्स की मानें तो भारत का 55 प्रतिशत हिस्सा गर्मी के हाई हीट रिस्क जोन में आ चुका है। भारत के अलावा, विश्व के सबसे गर्म देशों की सूची में अक्सर माली, बुर्किना फासो, सेनेगल, कुवैत और इराक जैसे खाड़ी देश शामिल होते हैं, लेकिन वर्तमान में भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है। अगर दुनिया की स्थिति पर गौर करें तो पिछले करीब डेढ़ दशक से दुनिया का सामान्य तापमान एक डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया है। 2026 पर गौर करें तो दुनिया में नॉर्मल से 1.44 डिग्री अधिक तापमान बढ़ा है। अगले साल यानी 2027 में गर्मी प्रचंड रूप में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। ऐसे में सवाल उठता है कि भारत में इस साल आखिर इतनी गर्मी क्यों पड़ रही है? देश में बढ़ती गर्मी यानी हीट वेव की वजह हीट डोम, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। हीट डोम गर्म हवा को जमीन के पास कैद कर रहा है और इसकी वजह से वायुमंडल में उच्च दबाव के कारण एक 'अदृश्य ढक्कन' बन गया है, जो गर्म हवा को ऊपर उठने से रोककर जमीन के करीब ही कैद कर रहा है, जिससे तापमान में भारी वृद्धि हो रही है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान के कारण हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता बहुत बढ़ गई है।

इसके कारण शहरों में कंक्रीट की इमारतें और सड़कें दिन भर गर्मी सोखती हैं और रात में छोड़ती हैं, जिससे रातें भी गर्म हो रही हैं। वृक्षों की कमी और गिरते भूजल स्तर के कारण नमी कम हो गई है, जिससे शुष्क गर्मी का प्रभाव बढ़ गया है।साथ ही जलवायु परिवर्तन भी बड़ी वजह है, जिसमें अल नीनो का प्रभाव और शहरों में कंक्रीट के बढ़ते उपयोग (अर्बन हीट आइलैंड) से तापमान के पार जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने दिया है और चेतावनी दी है कि अल-नीनो-ला नीना अब जलवायु संकट के साथ मिलकर मौसम पैटर्न में बदलाव ला रहे हैं। एनओएए और ईसीएमडब्ल्यूएफ ने कहा कि संभावना है कि जून-अगस्त 2026 में अल-नीनो 62 प्रतिशत ज्यादा बनेगा। फिर यह अगस्त से अक्टूबर तक 80 फीसदी तक बढ़ सकता है। सबसे गर्म शहरों की बात करें तो बिहार का भागलपुर, ओडिशा का तालचेर, पश्चिम बंगाल के आसनसोल में तापमान 44°सी से 45°सीतक दर्ज किया गया है। एनवायरनमेंट एंड वॉटर की 2025 जिला-स्तरीय रिपोर्ट कहती है कि भारत के 734 जिलों में से 417 जिले यानी आधे से ज्यादा जिले हाई या वेरी हाई हीट रिस्क जोन में हैं।

वर्तमान में भारत के कई बड़े शहर इस अदृश्य गुंबद के नीचे तप रहे हैं। उत्तर भारत में दिल्ली, कानपुर, बांदा और लखनऊ जैसे शहर आग की लपेट में हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में भीषण गर्मी का प्रकोप है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अकोला, अमरावती और वर्धा जैसे जिलों में पारा 45 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। वहीं राजस्थान और तेलंगाना में भी स्थिति भयावह है। गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के इन शहरों का तापमान वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक दर्ज किया जा रहा है।

यह स्थिति न केवल इंसानों बल्कि फसलों और पशुओं के लिए भी काल बन रही है। मौसम विभाग ने अन्य कई राज्यों में भीषण लू की चेतावनी भी जारी की है। बदलते मौसम पैटर्न के मुताबिक दिन में गर्मी तो रहती ही है, रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है, इसे 'वार्म नाइट्स' कहते हैं। जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री से ज्यादा हो तो इसे 'सीवियर वार्म नाइट' कहा जाता है और यही वजह है कि रातें ज्यादा गर्म हो रही हैं। मेडिकल एक्सपट्र्स कहते हैं कि दिन में गर्मी पड़ती है तो रात में शरीर ठंडा होकर रिकवर करता है, लेकिन गर्म रातों में यह राहत नहीं मिलती, इससे डिहाइड्रेशन, नींद खराब होना, हाई ब्लड प्रेशर, थकान, चिड़चिड़ापन और हीट-स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।बता दें कि साल 1998-2017 के बीच दुनिया में 1.66 लाख लोगों की मौत हीटवेव से हुई थी।

भारत में 2023 में 48,000 हीटस्ट्रोक केस और 159 मौतें दर्ज हुईं। सीएसई रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक भारत में ग्लोबल वार्मिंग से 5।8 प्रतिशत वर्किंग ऑवर्स गंवाने का अनुमान है।2015-2100 के बीच एक 2025 मॉडलिंग स्टडी के अनुसार, गर्म रातें हर दशक में 10 से 13 दिन बढ़ सकती हैं और कंपाउंड हीटवेव और आम होंगे।बढ़ते तापमान के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ रहे हैं। दूसरी तरफ अर्थशास्त्री और स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि, यह भीषण गर्मी सिर्फ तापमान ही नहीं बढ़ाएगी बल्कि यह आर्थिक विकास को धीमा करेगी, उत्पादकता घटाएगी और मेडिकल खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ा देगी। इसके अलावा हीट डोम को समझने के लिए आप एक प्रेशर कुकर या ढक्कन लगे बर्तन की कल्पना कीजिए। मौसम विज्ञान के अनुसार, जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव का एक बहुत बड़ा क्षेत्र बन जाता है, तो वह किसी ढक्कन की तरह काम करने लगता है।

सामान्य तौर पर सूरज की रोशनी से गर्म होकर हवा ऊपर उठती है और ठंडी हो जाती है, जिससे बादल बनते हैं या तापमान संतुलित रहता है।

लेकिन हीट डोम की स्थिति में उच्च दबाव वाली हवा नीचे की ओर उतरती है और सतह की गर्म हवा को ऊपर नहीं उठने देती है। यह प्रक्रिया गर्म हवा को एक गुंबद की तरह एक ही जगह पर कैद कर लेती है, जिससे तापमान लगातार बढ़ता ही चला जाता है।जब यह गर्म हवा गुंबद के अंदर फंस जाती है, तो सूरज की किरणें इसे और ज्यादा तपाती रहती हैं। चूंकि हवा बाहर नहीं निकल पाती और न ही ठंडी हवा अंदर आ पाती है, इसलिए उस पूरे इलाके में गर्मी जमा होती रहती है।

समुद्र के ऊपर गर्म हवा का बनना और उच्च दबाव द्वारा उसे नीचे धकेलना इस प्रक्रिया को और ज्यादा हिंसक बना देता है। यही कारण है कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों से लेकर मध्य प्रदेश और राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों तक में तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यहां तक कि रात के समय भी पारा नीचे नहीं गिर रहा है, जिससे लोगों को चौबीसों घंटे राहत नहीं मिल पा रही है।

लाखों वाद निस्तारण की दिशा में राजस्थान की उल्लेखनीय पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देष में राजस्व विवादों से संबंधित लाखों की संख्या में प्रकरण राजस्व न्यायालयों में निस्तारण के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। इनमें से हजारों की संख्या में तो ऐसे प्रकरण भी मिल जाएंगे जो तीस साल से भी अधिक समय से निर्णय के इंतजार में हैं। मजे की बात यह है कि राजस्व न्यायालयों में विवाद के ये प्रकरण केवल राजस्व रेकार्ड में संशोधन कर सुधार के हैं क्योंकि मालिकाना हक तय करने के मामलें तो सिविल कोर्ट द्वारा निर्णित किये जाते हैं। रेवेन्यू कोर्ट में मुख्यतः म्यूटेशन, भूमि का बंटवारा, जमीन के सीमांकन, भूमि पर अतिक्रमण, दस्तावेजों में सुधार, लगान या इस तरह के विवाद या फिर पट्टेदारी के विवाद से संबंधित विवाद निर्णय के लिए आते हैं। आरसीसीएमएस जैसी कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था होने के बावजूद इसमें कोई खास सुधार नहीं देखा जा रहा है। होता यह है कि इस तरह के विवादों या प्रकरणों के निर्णित होने में भी पीढ़ी दर पीढ़ी निर्णय के लिए तारीख दर तारीख न्यायालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। यह अपने आप में गंभीर समस्या है पर इसका निराकरण सरकारों की ईच्छा शक्ति और व्यवस्था में सुधार से आसानी से किया जा सकता है। सबसे खास यह कि इस तरह के लाखों की संख्या में विवाद निर्णय के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। राजस्थान की सरकार ने लंबित प्रकरणों को लेकर गंभीर चिंता दिखाते हुए इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। अब पीठासीन अधिकारियों को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक नियमित सुनवाई करने के साथ ही प्रकरणों के निष्पादन की टाइमलाईन और मोनेटरिंग व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। यह कोई अकेले राजस्थान का ही मुद्दा नहीं है अपितु सभी राज्यों में इस तरह के विचाराधीन प्रकरणों की संख्या बहुत चिंतनीय स्थिति में होगी। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है और ऐसे भी उदाहरण देखने को मिलता है कि कई राजस्व न्यायालयों में तो साल भर में एक-एक केस का निस्तारण तक देखने को मिलता है। यह अपने आप में गंभीर होने के साथ ही कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार राजस्व न्यायालयों के सुदृढ़ीकरण और लंबित वादों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। अकेले राजस्थान की ही आंकड़ों में बात की जाएं तो इस तरह के 6 लाख 72 हजार वाद रेवेन्यू न्यायालयों में विचाराधीन चल रहे हैं। इनमें से करीब 64 प्रतिशत 4.31 लाख के वाद उपखण्ड अधिकारी के न्यायालयों में निर्णयाधीन है। चिंतनीय यह है कि 6 हजार के करीब वाद तो ऐसे हैं जो 20 से 30 साल के बीच निर्णय के प्रतीक्षा में हैं। राजस्थान के प्रमुख सचिव राजस्व टी. रविकान्त ने इस तरह के प्रकरणों को लेकर गंभीरता दिखाई और रिव्यू के बाद इस तरह की व्यवस्था चाक चौबंद करने के निर्देश जारी कराने की पहल की है कि राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों की समयवद्ध नियमित सुनवाई हो, तारीखों पर तारीखें नहीं दी जाएं और पक्ष प्रतिपक्ष का समुचित अवसर देते हुए वादों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएं। प्रमुख सचिव राजस्व राजस्थान टी. रविकान्त ने व्यवस्था में सुधार और संवेदनशील प्रशासन का परिचय देते हुए मुख्य सचिव राजस्थान वी. श्रीनिवास ने परिपत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। यह कोई राजस्थान की नहीं अपितु इस तरह की पहल की सभी राज्य सरकारों द्वारा किये जाने की आवश्यकता है। राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों के निस्तारण में मुख्यतः तीन कारण सामने आते हैं। इनमें भी सबसे प्रमुख कारण संबंधित पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार द्वारा मौका रिपोर्ट सालों तक प्रस्तुत नहीं करना देखा गया है। एक अन्य कारण राजस्व न्यायालयों से जुड़े कार्मिकों को न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित किया जाना आवष्यक हो जाता है। आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में भी देरी होती है। इसके अलावा एक अन्य कारण जो कि सर्वविदित है और वह है न्यायालय के नोटिस का तामिल नहीं होना भी है। तामिली के अभाव में समय अधिक लग जाता है। इसके अलावा तारीख पर तारीख और लंबी तारीख देने की परपंरा भी वादों के निस्तारण की बड़ी बाधा है। राजस्थान का संदर्भ इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि इन कारणों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं। अब राजस्व पीठासीन अधिकारियों को कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक आवश्यक रुप से न्यायालय आयोजित करेंगे। इसमें किसी तरह का अवरोध ना हो इसके लिए यह भी निर्देशित किया गया है कि आवश्यक कार्यों से आयोजित होने वाली वर्चुअल बैठके वीसी आदि 2 बजे बाद ही आयोजित की जाएगी। यह अपने आप में महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मानी जानी चाहिए। इसके साथ ही मोनेटरिंग व्यवस्था को चाक चौबंद करते हुए संभाग स्तरीय स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी का गठन, रिव्यू हेतु 100-100 प्रकरण तय कर विभिन्न स्तर पर निस्तारण प्रगति रिव्यू आदि तय किया गया है। संभागीय आयुक्त से लेकर जिला कलक्टर आदि द्वारा मासिक बैठकों व दौरों के दौरान समीक्षा की व्यवस्था की गई है। पटवारी, गिरदावर या तहसीलदार द्वारा तीन अवसर देने पर भी मौका रिपोर्ट नहीं भेजने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करने जैसी व्यवस्था की गई है।

इसी तरह से तामील व्यवस्था में एक समय बाद समाचार पत्र में प्रकाशन तक का विकल्प दिया गया है। 15 दिन से अधिक की तारीख भी नहीं देने को कहा गया है। निश्चित रुप से यह व्यवस्था इस तरह के वादों के निस्तारण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल हो सकती है। राजस्थान सरकार की सकारात्मक पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल हो सकती है। इससे जहां लाखों की संख्या में राजस्व न्यायालयों में निर्णय की प्रतीक्षा के वादों के निस्तारण की राह प्रशस्त हो सकेगी वहीं अनावश्यक विवादों का निस्तारण होने से ग्रामीण माहौल में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। अनावश्यक विवाद समाप्त होंगे और एक संवेदनशील प्रशासनीक व्यवस्था का संदेश जाएगा।

चुनावी रण में 'विकास' क्यों हो जाता है बेआवाज़?

सुरेश गांधी

चुनाव केवल नेताओं का परीक्षण नहीं होता, यह समाज का भी आईना होता है। इसमें वही प्रतिबिंब दिखता है, जो हम बनाते हैं। अगर हम चाहते हैं कि चुनाव विकास के मुद्दों पर लड़े जाएं, तो हमें खुद अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। हमें यह तय करना होगा कि हम किस तरह की राजनीति चाहते हैं : भावनाओं की या विकास की। क्योंकि अंततः लोकतंत्र में सबसे बड़ा नेता जनता होती है। और जब जनता बदलती है, तो राजनीति अपने आप बदल जाती है। जब तक वोट पहचान पर पड़ेगा, तब तक राजनीति उसी पहचान के इर्द-गिर्द घूमेगी : जिस दिन वोट विकास पर पड़ेगा, उसी दिन लोकतंत्र अपनी असली दिशा पकड़ लेगा हर चुनाव से पहले देश में एक उम्मीद जन्म लेती है : इस बार बात होगी रोजगार की, शिक्षा की, स्वास्थ्य की, सड़कों और विकास की। लेकिन जैसे-जैसे चुनावी तापमान बढ़ता है, यह उम्मीद धीरे-धीरे धुंध में खो जाती है। मंचों से उठती आवाजें बदल जाती हैं, बहस का केंद्र खिसक जाता है, और अंततः चुनाव उस मोड़ पर पहुंच जाता है जहां जाति और धर्म की गूंज विकास के हर सवाल को ढक देती है। सवाल यह है कि आखिर क्यों लोकतंत्र का यह सबसे अहम पर्व अपने मूल मुद्दों से भटक जाता है? क्या यह केवल राजनीतिक दलों की रणनीति है, या इसके पीछे समाज और मतदाता की भी कोई भूमिका है?

भारतीय समाज की संरचना को समझे बिना इस सवाल का जवाब अधूरा रहेगा। यहां जाति और धर्म सिर्फ सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक गहरी जड़ें जमाए हुई व्यवस्था है। यह पहचान व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके सामाजिक संबंधों, अवसरों और सुरक्षा तक को प्रभावित करती है। चुनाव के समय यही पहचान राजनीति का सबसे मजबूत औजार बन जाती है। राजनीतिक दल जानते हैं कि विकास की बात दिमाग से जुड़ती है, लेकिन जाति और धर्म दिल से जुड़ते हैं। और लोकतंत्र में वोट अक्सर दिल के फैसले से निकलता है, न कि आंकड़ों के विश्लेषण से। यही कारण है कि जब चुनावी भाषणों में 'हम' और 'वे' की रेखा खींची जाती है, तो वह मतदाता के भीतर एक भावनात्मक प्रतिक्रिया पैदा करती है। यह प्रतिक्रिया इतनी तीव्र होती है कि विकास जैसे ठोस और जरूरी मुद्दे भी पीछे छूट जाते हैं।

राजनीति में जीत ही अंतिम लक्ष्य होती है। और जीत के लिए सबसे आसान रास्ता है : संगठित वोट। विकास का मुद्दा व्यापक होता है, वह सभी को प्रभावित करता है, लेकिन वह किसी एक समूह को "एकजुट" नहीं करता। इसके विपरीत, जाति और धर्म एक संगठित वोट बैंक तैयार करते हैं। हर चुनाव से पहले उम्मीदवारों का चयन, रैलियों का स्वर, यहां तक कि घोषणाएं भी इसी गणित के आधार पर तय होती हैं। कौन-सी जाति किस क्षेत्र में प्रभावी है, किस समुदाय का झुकाव किस पार्टी की ओर है : इन सभी आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया जाता है। इस गणित में विकास एक "सामान्य" मुद्दा बनकर रह जाता है, जबकि जाति-धर्म "निर्णायक" बन जाते हैं।

विकास एक लंबी प्रक्रिया है। सड़क बनेगी, स्कूल खुलेगा, अस्पताल सुधरेगा : इन सबका असर समय के साथ दिखता है। लेकिन चुनाव एक सीमित समय का खेल है, जहां परिणाम तुरंत चाहिए। जाति और धर्म की राजनीति तुरंत असर डालती है। एक बयान, एक विवाद, एक भावनात्मक अपील. और पूरा चुनावी माहौल बदल जाता है। यह तात्कालिक प्रभाव नेताओं के लिए ज्यादा आकर्षक होता है, क्योंकि वह सीधे वोट में तब्दील हो सकता है।

आज के दौर में मीडिया सिर्फ सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला शक्तिशाली उपकरण बन चुका है। चुनाव के समय यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। विकास की खबरें अक्सर आंकड़ों और तथ्यों पर आधारित होती हैं, जिन्हें समझना और प्रस्तुत करना अपेक्षाकृत जटिल होता है। इसके विपरीत, जाति या धर्म से जुड़े मुद्दे सरल, उत्तेजक और तुरंत ध्यान खींचने वाले होते हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। यहां वही सामग्री तेजी से फैलती है जो भावनाओं को भड़काए, बहस को उग्र बनाए और लोगों को बांटे। नतीजा यह होता है कि विकास की गंभीर चर्चा शोर में दब जाती है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है : जवाबदेही। जनता अपने प्रतिनिधि से सवाल पूछ सकती है, उसके काम का हिसाब मांग सकती है। लेकिन जब चुनाव जाति और धर्म के आधार पर लड़े जाते हैं, तो यह जवाबदेही कमजोर पड़ जाती है। अगर कोई नेता यह जानता है कि उसे वोट उसके काम के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी पहचान के आधार पर मिलेगा, तो उसके लिए विकास पर ध्यान देना प्राथमिकता नहीं रह जाता। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, क्योंकि यह धीरे-धीरे उसे जवाबदेही से दूर ले जाती है।

यह भी समझना जरूरी है कि जाति और धर्म की राजनीति केवल नकारात्मक पहलू नहीं है। कई समुदायों के लिए यह उनके अधिकार, प्रतिनिधित्व और सुरक्षा का सवाल भी है। भारत में लंबे समय तक कई वर्ग सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित रहे हैं। उनके लिए चुनाव एक अवसर होता है अपनी आवाज को मजबूत करने का।

राजनीति समाज को जोड़ रही है या तोड़ रही है?

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

छप्परफाड़ मतदान केवल जीत और हार की कहानी नहीं कहते, वे समाज की दिशा और लोकतंत्र की गहराई का भी संकेत देते हैं। हाल ही में पांच राज्यों के चुनाव के साथ एक बार फिर यह सवाल आ खड़ा हुआ है कि क्या हमारे चुनाव सामाजिक एकता को मजबूत कर रहे हैं या फिर अनजाने में अलगाव की नई रेखाएं खींच रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह भाषा, धर्म, जाति और पहचान की राजनीति हावी रही, उसने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। लोकतंत्र की यात्रा में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 1952 के पहले आम चुनाव के समय देश की साक्षरता दर मात्र 18.33 प्रतिशत थी, जबकि आज यह 81 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इसी तरह मतदान प्रतिशत भी लगातार बढ़ा है। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान और अन्य राज्यों में 80 प्रतिशत से ऊपर मतदान यह दर्शाता है कि जनता लोकतंत्र के प्रति जागरूक और जिम्मेदार हो चुकी है। यह लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है। पिछले 74 वर्षों में भारत ने प्रतिनिधित्व के स्तर पर भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। देश के 15 राष्ट्रपतियों में से कई आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों से रहे हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी महिलाओं ने अपनी भूमिका निभाई है। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से किए गए संवैधानिक संशोधनों के बाद आज करीब 50 प्रतिशत पंचायत प्रतिनिधि महिलाएं हैं। संसद में भी 116 महिला सदस्य मौजूद हैं। महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पेश किया जाना भी इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। यदि यह पूरी तरह लागू होता है, तो लोकसभा में महिलाओं की संख्या 272 तक पहुंच सकती है। हालांकि राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अभी यह विधेयक लागू नहीं हो सका है, लेकिन उम्मीद है कि कभी न कभी इस पर सहमति बनेगी। इसके बावजूद चुनावी राजनीति में धनबल और बाहुबल का बढ़ता प्रभाव चिंता का विषय बना हुआ है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार 18वीं लोकसभा के 543 सदस्यों में से 504 सांसद करोड़पति हैं। यह संख्या 2009 में 58 प्रतिशत थी, जो 2014 में 82 प्रतिशत और 2019 में 88 प्रतिशत तक पहुंच गई। यदि यही रफ्तार जारी रही, तो भविष्य में संसद लगभग पूरी तरह करोड़पतियों की संस्था बन सकती है। यह स्थिति आम मतदाता और उसके प्रतिनिधियों के बीच दूरी बढ़ाने वाली है।

इसके अलावा कई प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामलों का होना भी लोकतंत्र की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों पर गंभीर आरोप दर्ज हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों की जगह विवादित पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का प्रभाव बढ़ रहा है।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों के बावजूद चुनावी मैदान में उनकी भागीदारी अभी भी सीमित है। कई राजनीतिक दल महिला कल्याण योजनाओं का प्रचार तो करते हैं, लेकिन टिकट वितरण के समय उनकी संख्या को लेकर उदासीन हो जाते हैं। चुनावों के दौरान सरकारी योजनाओं और आर्थिक सहायता की घोषणाएं भी अक्सर मतदाताओं को प्रभावित करने का माध्यम बनती हैं। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। लेकिन यह भी सच है कि चुनावी समय में ऐसी योजनाओं की घोषणा और विस्तार को लेकर सवाल उठते रहे हैं कि क्या यह वास्तविक कल्याण है या राजनीतिक रणनीति। लोकतंत्र का यह सफर और अधिक प्रभावशाली होता, यदि चुनाव प्रचार में विभाजनकारी भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की जगह विकास और नीति आधारित बहस को प्राथमिकता दी जाती। दुर्भाग्य से चुनावी मैदान में कई बार मुद्दों की जगह पहचान की राजनीति हावी हो जाती है, जिससे समाज में दूरी बढ़ने का खतरा पैदा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल चुनावों को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न समझें, बल्कि इसे सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर बनाएं। लोकतंत्र की असली सफलता तभी मानी जाएगी जब चुनाव समाज को जोड़ने का काम करें, न कि अलगाव की नई रेखाएं खींचें।

बदबू के बीच खुशबू की तलाश

डॉ. सुरेश कुमार

चमेली ने अभी पत्तल में दो सूखी रोटियाँ और नमक-मिर्च की चटनी करीने से सजाई ही थी कि गलियारे में जूतों की चरमराहट गूँजी। पेट के भीतर चूहे कत्थक कर रहे थे और बाहर सूरज खोपड़ी पर तांडव मचा रहा था। चमेली! ओ चमेली! जल्दी आ, तीसरी बी में लड़के ने उल्टी कर दी है। सब बजबजा रहा है, चपरासी ने मुँह बिगाड़कर सूचना दी। चमेली के हाथ में निवाला था, आँखों में भूख की नमी। उसने डबडबाई आँखों से दफ़्तर की ओर देखा जहाँ पंखे की हवा में हेडमास्टर साहब अपनी तोंद सहला रहे थे। साहब, बस दो कौर खा लूँ... सुबह से चाय की एक घूँट भी न उतरी हलक से, उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। उसकी आवाज़ में वही थरथराहट थी जो पतझड़ के आखिरी पत्ते में होती है। साहब ने चश्मा नाक पर टिकाया और बोले, भोजन? यह सरस्वती का मंदिर है चमेली, कोई ढाबा नहीं। घंटी बजने वाली है, क्या बच्चे उस दुर्गंध में क ख ग घ सीखेंगे? पहले सफ़ाई, फिर शिष्टाचार। चमेली के सामने उसकी भूख एक अपराधी की तरह सिर झुकाए खड़ी थी। वह उठी, हाथ धोए नहीं बल्कि पोंछ लिए, क्योंकि साफ़ पानी तो केवल साहब के सुराही में था।

वह कक्षा की ओर बढ़ी। गलियारे में पसरी हुई वह गंध शिक्षा की गरिमा को चुनौती दे रही थी। बच्चे नाक पर रुमाल दबाए ऐसे देख रहे थे जैसे चमेली ही उस गंदगी की जननी हो।

उसने बाल्टी उठाई। फिनाइल की तीखी गंध और उस अर्द्ध-पचित भोजन के ढेर के बीच एक अजीब सा युद्ध छिड़ा था। वह झुककर पोंछा लगाने लगी। हर रगड़ के साथ उसका अपना खाली पेट मरोड़ खा रहा था। जल्दी कर चमेली, देर हो रही है, मास्टर जी ने दूर से ही डंडा फटकारा। चमेली को लगा कि वह ज़मीन नहीं, अपनी ही अंतड़ियों को साफ़ कर रही है। साहब का तर्क पत्थर की लकीर था-ज्ञान के मार्ग में दुर्गंध का क्या काम? चाहे वह दुर्गंध किसी भूखे पेट की आह से निकल रही हो या किसी बीमार बच्चे के पेट से। उसने एक-एक कण को ऐसे समेटा जैसे अपनी ही खुशियों के अवशेष बटोर रही हो। फिनाइल के सफ़ेद झाग में उसकी भूख का रंग कहीं ओझल हो गया था।

काम खत्म हुआ। पसीने से तर-बतर चमेली वापस अपनी पत्तल के पास पहुँची। रोटियाँ अब पत्थर हो चुकी थीं और चटनी पर मक्खियाँ अपना साम्राज्य स्थापित कर चुकी थी। उसने कांपते हाथों से जल का लोटा उठाया। तभी हेडमास्टर साहब टहलते हुए आए। देख लिया न? काम पहले है। अब चैन से खाओ, आत्मानुभूति के साथ, उन्होंने एक ऐसी मुस्कान फेंकी जो किसी भी गरीब की पत्तल में ज़हर घोलने के लिए काफी थी। चमेली ने निवाला तोड़ा। पर वह क्या? उसके गले में कुछ अटक गया। उसे लगा कि वह गंध, वह फिनाइल, वह घृणा सब उसके निवाले में समा गए हैं। उसने ज़ोर से अपनी आँखें मीचीं। साहब मुस्कुरा रहे थे, जैसे उन्होंने एक बड़ा तीर मार लिया हो। चमेली को लगा कि उसका गला घुट रहा है। वह भागकर नल की ओर गई, पर पानी सूखा था।

साहब, आखिर किसका बच्चा था वह? इतनी कम उम्र में इतना बदबूदार खाना? चमेली ने हाँफते हुए पूछा। उसकी आवाज़ में एक रिरियाहट थी, एक टीस थी जो शायद साहब के कोट के बटन तक भी नहीं पहुँच सकती थी। साहब ने बड़ी शान से अपनी घड़ी देखी और बोले, अरे वह... वह तो मेरा ही छोटा वाला था। आज सुबह उसे घी के परांठे और बादाम का हलवा खिला दिया था, शायद पच नहीं पाया। कलक्टर बनेगा वह, अभी से पेट भारी रखने की आदत डाल रहा है। चमेली का हाथ रुक गया। उसने अपनी पत्तल की ओर देखा जहाँ सूखी रोटी उसका मज़ाक उड़ा रही थी। एक अजीब सा सन्नाटा पूरे स्कूल में पसर गया। पंखा चल रहा था, पर हवा कहीं मर गई थी। चमेली की आँखों से एक आँसू टपका और सीधे नमक की डली पर जा गिरा। अचानक चमेली खिलखिलाकर हँस पड़ी। ऐसी हँसी जो श्मशान के सन्नाटे को चीर दे। साहब ठिठक गए। पागल हो गई है क्या?

सोमवार को कर लें ये छोटा सा काम, बरसों से बंद किस्मत का ताला भी खुल जाएगा

सोमवार का दिन भगवान शिव और चंद्रमा को समर्पित है। ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को शांति, समृद्धि और नई शुरुआत के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। यदि आप अपनी सोई हुई किस्मत को जगाना चाहते हैं, तो सोमवार के इन विशेष नियमों का पालन करना आपके लिए चमत्कारिक सिद्ध हो सकता है।

आध्यात्मिक और मानसिक ऊर्जा के लिए

शिव कृपा: सोमवार को चंद्रमा की शीतलता प्राप्त करने और भगवान शिव की कृपा पाने के लिए इन कार्यों से शुरुआत करें:

भस्म का तिलक: सुबह स्नान के बाद माथे पर पवित्र भस्म का तिलक लगाएं। यह न केवल भगवान शिव का आशीर्वाद दिलाता है, बल्कि आपके विचारों को एकाग्र और शांत भी रखता है।

साधना की शुरुआत: यदि आप किसी विशेष मंत्र या आध्यात्मिक साधना को शुरू करना चाहते हैं, तो सोमवार का दिन सर्वोत्तम है। यह मानसिक शांति और सिद्धि प्रदान करने वाला होता है।

कुलदेवता का स्मरण: यदि आप किसी भी प्रकार के शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट से गुजर रहे हैं, तो सोमवार को अपने कुलदेवता की विधिवत पूजा करें। यह आपके पूर्वजों का आशीर्वाद और सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

आर्थिक उन्नति और निवेश

अर्थ: आर्थिक मजबूती के लिए सोमवार को निवेश की दृष्टि से बहुत भाग्यशाली माना गया है:

शुभ निवेश: यदि आप सोना, चांदी या शेयर मार्केट में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो सोमवार को चुनना आपके धन की वृद्धि में सहायक होता है।

क्रय-विक्रय: डेयरी उत्पादों जैसे दूध और घी के व्यापार या लेन-देन के लिए यह दिन अत्यंत लाभदायक माना गया है।

करियर और नई शुरुआत

पद: नया काम शुरू करने या पदभार ग्रहण करने के लिए सोमवार की ऊर्जा बहुत सकारात्मक होती है:

नौकरी और पद: शपथ ग्रहण, राज्याभिषेक या नई नौकरी ज्वाइन करने के लिए यह दिन सफलता की गारंटी देता है।

लेखन और कृषि: यदि आप लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं या कृषि संबंधी कोई नया प्रयोग शुरू करना चाहते हैं, तो सोमवार को किया गया श्रीगणेश लंबे समय तक लाभ देता है।

भवन निर्माण: अपने सपनों का घर बनाने (गृह निर्माण) की शुरुआत के लिए सोमवार का मुहूर्त शुभ फलदायी होता है।

यात्रा और दिशा ज्ञान

दिशा: वास्तु और ज्योतिष के अनुसार सोमवार को कुछ दिशाएं आपके लिए फलदायी होती हैं:

शुभ दिशा: इस दिन दक्षिण, पश्चिम और वायव्य दिशा में यात्रा करना सुखद और उद्देश्यपूर्ण रहता है।

सावधान! सोमवार को भूलकर भी न करें ये काम

जहाँ कुछ कार्य किस्मत खोलते हैं, वहीं कुछ गलतियां आपके भाग्य को बाधित कर सकती हैं:

दिशाशूल का ध्यान: सोमवार के दिन उत्तर, पूर्व और आग्नेय दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए। यदि जाना अनिवार्य हो, तो दर्पण देखकर निकलें।

इन वस्तुओं का दान न करें: चंद्रमा को मजबूत रखने के लिए सोमवार को किसी को भी सफेद वस्त्र या दूध का दान नहीं करना चाहिए, इससे आपकी अपनी सुख-समृद्धि प्रभावित हो सकती है।

शक्कर का त्याग: इस दिन अपने भोजन में सफेद शक्कर (चीनी) का त्याग करना मानसिक शांति और चंद्र दोष निवारण के लिए उत्तम है।

चंद्र दोष निवारण का अचूक उपाय

यदि आपकी कुंडली में चंद्रमा कष्ट दे रहा हो या आप बहुत अधिक मानसिक तनाव महसूस करते हैं, तो यह उपाय करें:

रात को सोते समय एक बर्तन में दूध या पानी भरकर अपने सिरहाने (Bed के पास) रखें। अगली सुबह बिना किसी से बात किए उस जल या दूध को पीपल के पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें।

घर पर पूजा करने और मंदिर जाने में क्या है अंतर?

कई बार लोगों के दिमाग में सवाल उमड़ता रहता है कि जब घर में पूजा कर ली है तो मंदिर जाने की क्या जरूरत है? इसको लेकर हर श्रद्धालु के पास ये उत्तर होता है कि भगवान हर जगह होता है। ऐसे में जानते हैं कि क्या वास्तव में घर पर पूजा करने और मंदिर जाने में अंतर है या दोनों ही जरूरी हैं? दरअसल, इसको लेकर प्रख्यात ज्योतिषी डॉ। बसवराज गुरुजी ने अपने जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि कई लोगों को लगता है कि अगर घर पर पूजा और जप करना ही काफी है, तो मंदिर क्यों जाना? पूजा के दोनों तरीकों का अपना-अपना महत्व है और आध्यात्मिक संतुष्टि के लिए ये एक-दूसरे के पूरक हैं। घर में की जाने वाली पूजा मुख्य रूप से हमारी व्यक्तिगत संतुष्टि और अंतर्मन की शुद्धि के लिए होती है। घरों में रखी मूर्तियां आमतौर पर शास्त्रों के अनुसार स्थापित या प्रतिष्ठित नहीं की जाती हैं। वे हमारी भक्ति का प्रतीक हैं और अंतर्मन की शुद्धि में सहायक होती हैं। स्नान और शुद्ध मन से घर में की गई पूजा हमारे शरीर के भीतर अंतर्मन की शुद्धि करती है। इसकी तुलना नदी के जल से की जा सकती है – जो शुद्ध और व्यक्तिगत होता है।

मंदिर होते हैं शक्ति के केंद्र

गुरुजी ने कहा कि इसके विपरीत मंदिर शक्ति के केंद्र होते हैं। यहां शास्त्रों के अनुसार, वैदिक मंत्रों के साथ मूर्तियों को भूमि में स्थापित किया जाता है और प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। मंदिरों में तीन दिनों की पूजा की जाती है, देवता विराजमान होते हैं और उनमें पंच तत्वों को नियंत्रित करने की शक्ति होती है। पुरोहित अपनी भक्ति से पत्थर को भी शंकर में परिवर्तित कर सकते हैं। ये पूजनीय स्थान हमारे शरीर के बाहरी अंगों, अर्थात आंखों, कानों, नाक और हाथों को एक विशेष आभा प्रदान करते हैं। मंदिर की शक्ति दिव्य ऊर्जा को बढ़ाती है और जहां भी हम जाते हैं, सफलता दिलाती है। इसकी तुलना पुण्य की नदी से की जाती है – जो सार्वभौमिक शुद्धिकरण शक्ति है। उन्होंने कहा कि जब हम घर में उपासना करके अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं और उस शुद्ध शरीर और मन से मंदिर जाते हैं, तो मंदिर की ऊर्जा हमारे बाहरी शरीर को भी शुद्ध करती है और हमें दिव्य प्रभाव प्रदान करती है। इससे हमारा जीवन परिपूर्ण हो जाता है। यदि घर के ईश्वर को जड़ माना जाए, तो मंदिर उस जड़ से उगने वाले वृक्ष के समान है, जो फल देता है।

घर पर पूजा और मंदिर जाना दोनों जरूरी

गुरुजी के मुताबिक, घर पर पूजा और मंदिर दर्शन दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन दोनों में से किसी एक को चुनने का कोई विकल्प नहीं है। मंदिर में प्राप्त होने वाली मन की शांति, जप, आहुति और तपस्या सभी के लिए लाभकारी हैं। हिंदू सनातन संस्कृति की नींव आस्था है। गुरुजी ने सलाह दी है कि ये दोनों ही पूजा विधियां हमारे आध्यात्मिक और सांसारिक जीवन की समृद्धि के लिए जरूरी हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार, अगर अपनों का साथ चाहिए तो आज ही छोड़ें ये बुरी आदतें

चाणक्य को अपने समय का सबसे ज्ञानी और बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने नीति शास्त्र में जीवन से जुड़े हर पहलु के बारे में बहुत विस्तार से वर्णन किया है। चाणक्य के अनुसार, हमारी कुछ ऐसी आदतें होती है, जो हमारे अपनों को हमसे दूर कर देती है। लेकिन अपनों के दूर हो जाने से व्यक्ति अकेला हो जाता है। चाणक्य के अनुसार, अकेलापन एक ऐसी स्थिति है जो किसी भी व्यक्ति को अंदर से कमजोर बना देती है और परेशान भी कर सकती हैं। चाणक्य का मानना था कि अकेलापन हमेशा हालात की देन नहीं होता, बल्कि हमारी खुद की आदतें और सोच भी इसके पीछे बड़ा कारण बन सकती हैं। तो आइए जानते हैं कि वो कौन सी आदते हैं, जो हमारे अपनों को हमसे दूर कर देते हैं।

स्वार्थी स्वभाव

चाणक्य के अनुसार, जो लोग किसी से अपने मतलब के लिए रिश्ता बनाता है और दूसरों की इमोशंस को वैल्यू नहीं करता है। ऐसे लोगों के जीवन से अपने धीरे-धीरे दूर होना शुरू हो जाते हैं। इसलिए किसी से भी रिश्ता दिल से होना चाहिए। अगर रिश्ते की नींव स्वार्थ पर टिकी होती है, तो वो रिश्ता ज्यादा देर नहीं टिक पाता।

क्रोध - चाणक्य के अनुसार, किसी भी व्यक्ति से रिश्ते रखना है, तो अपने क्रोध को नियंत्रण रखने की बहुत आवश्यकता है। क्योंकि जिस रिश्ते में क्रोध आ जाता है, वहां रिश्ते की डोर कमजोर होने लगती है और कुछ ही समय बाद सच्चे रिश्ते खत्म हो जाते हैं।

निगेटिव थिंकिंग रखना

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जो लोग हर समय अपने मन में दुसरों के लिए निगेटिव चीजें सोचता है और दूसरों में हर वक्त कमी ढूंढता रहता है, ऐसे लोगों के साथ कोई भी ज्यादा देर तक बात करना या पहना पसंद नहीं करता है। यह आदत आपके करीबियों को आपसे बहुत दूर ले जाती है।

संवाद की कमी

चाणक्य के अनुसार, अपनों का साथ बनाए रखने और रिश्तों को सफल बनाने के लिए दूसरों की बातों को सुनना और समझना बहुत जरूरी है। संवाद में कमी होने के कारण अपने दूर होने लगते हैं और इंसान अकेलेपन का शिकार होने लगता है। इसलिए बस खुद के बारे में ही बातें करने से बजाय दूसरों को भी सुनना और समझना सीखें।

कौन थी रावण की बेटी, जिसे मानते हैं सौभाग्य की देवी

क्या आपको मालूम है कि रावण की बेटियां कौन थीं। शायद आपको उनमें से किसी के नाम नहीं मालूम होंगे लेकिन अगर आपसे ये कहा जाए कि मंदिरों में उनकी पूजा होती है। उनकी प्रतिमाएं और चित्र मंदिर में लगे हुए हैं। तो आप क्या कहेंगे। वैसे आपको बता दें रावण की दो बेटियों को भारत के बाहर पूजा जाता है।

क्या आपको मालूम है कि रावण की एक बेटी को कंबोडिया और थाईलैंड में सौभाग्य की देवी समझा जाता है। उसकी छोटी – छोटी प्रतिमाएं बाजार में बिकती हैं और लोग उन्हें घर में खरीदकर ले जाते हैं। वैसे आपको बता दें कि रावण के केवल सात बेटे ही नहीं थे बल्कि दो या तीन बेटियां भी थीं। इसमें एक बेटी को कंबोडिया और थाईलैंड के मंदिरों में मूर्तियों के रूप में नजर आती है।

रावण के बेटों के बारे में हर किसी को मालूम है। उसके तीन बेटे थे। लेकिन क्या किसी को ये मालूम है कि रावण की बेटियां भी थीं। वो कौन थीं। उनका जीवन कैसा था। वो क्या करती थीं। शायद इसके बारे में इसलिए नहीं मालूम क्योंकि उनके बारे में बहुत ज्यादा कहीं कुछ आया ही नहीं है। क्षेत्रीय रामायण के संस्करणों में रावण की बेटियों की बात की गई है। सामान्य तौर पर रावण की दो बेटियों का जिक्र आता है। थाईलैंड और कंबोडिया की रामायण तो खासतौर पर उसकी एक बेटी का जिक्र करती है, जिसका नाम स्वर्ण मत्स्य है।

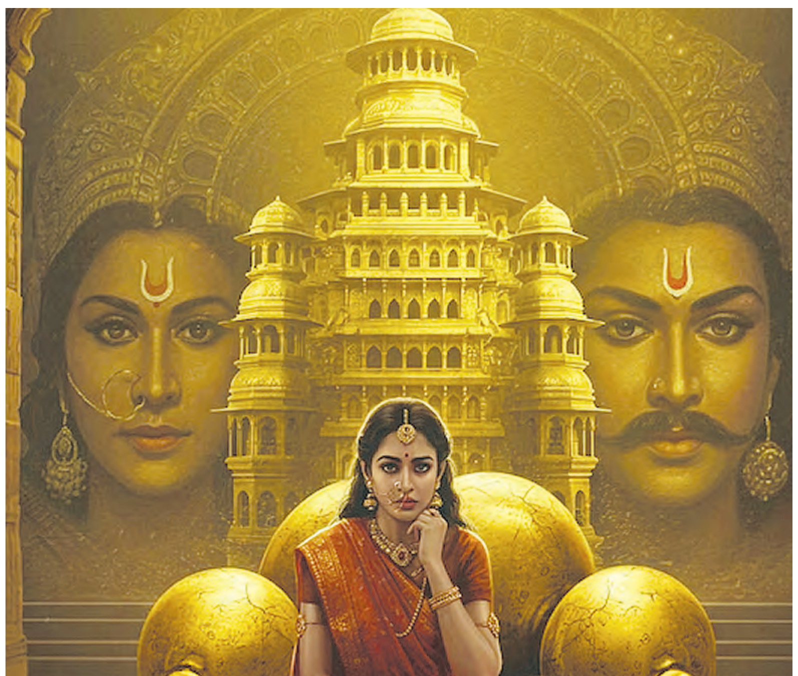

रामायण और संबंधित ग्रंथों में रावण की संतानों की सीमित जानकारी है। वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस में रावण के पुत्रों के बारे में तो बताया गया। उसके तीन पुत्र थे – मेघनाद, अक्षयकुमार, और प्रहस्त। हालांकि ग्रंथ ये कहते हैं कि रावण के तीन पत्नियों से उसके कुल सात बेटे थे। मंदोदरी से मेघनाद और अक्षय कुमार, धन्यमालिनी से अतिकाय और त्रिशिरा और तीसरी पत्नी से प्रहस्त, नरांतक और देवांतक। बेटियों का जिक्र क्षेत्रीय रामायणों, जैसे आनंद रामायण, अध्यात्म रामायण, और दक्षिण भारत की लोककथाओं में है। साथ ही थाईलैंड और कंबोडिया की रामायण में।

स्वर्ण पुत्री कौन थी, उसका हनुमान से क्या रिश्ता था। वह हनुमान को क्यों प्यार करने लगी थी। उसके पीछे की कहानी क्या है। ये हम आगे जानेंगे लेकिन पहले ये भी जान लेते हैं कि सीता और कुंभिनी को भी क्यों रावण की ही बेटी कहा जाता है।

दूसरी बेटी का नाम था कुंभिनी

कुछ कथाओं में सीता को भी रावण की पुत्री बताया गया है। इसके अलावा उसकी दूसरी बेटी का नाम कुंभिनी था। उसकी शादी रावण ने अपने ही छोटे भाई कुंभकर्ण से की। कुछ अन्य क्षेत्रीय कथाओं में रावण की अन्य बेटियों के नाम भी आया लेकिन उनकी संख्या और कहानियां स्पष्ट नहीं हैं।

सीता को क्यों कहते हैं रावण की बेटी

कुछ क्षेत्रीय और लोक कथाओं में दावा किया जाता है कि सीता रावण और मंदोदरी की पुत्री थीं। जब ये भविष्यवाणी हुई कि ये बच्ची रावण के विनाश का कारण बनेगी, तब रावण ने उसे एक पेटी में बंद करके समुद्र में बहा दिया। यह पेटी मिथिला पहुंची, जहां राजा जनक ने उसे पाया। सीता के रूप में पाला। हालांकि ये कथा वाल्मीकि रामायण या रामचरितमानस में नहीं मिलती। मुख्यधारा में मानी भी नहीं जाती।

कुंभिनी क्यों दुखी रहती थी

अब आइए कुंभिनी के बारे में जानते हैं। कुछ दक्षिण भारतीय रामायणों और लोककथाओं में कुंभिनी को रावण की पुत्री बताया गया है, जिसका विवाह कुंभकर्ण (रावण के भाई) से हुआ। कुंभिनी को एक बुद्धिमान और धर्मपरायण नारी के रूप में दिखाया गया है, जो अपने पति की लंबी नींद और युद्ध में भागीदारी से दुखी थी।

कुंभकर्ण के युद्ध में मारे जाने के बाद, कुंभिनी का कोई विशेष उल्लेख नहीं मिलता। शायद वह लंका में ही रही होगी। कुछ कथाओं में उसे मंदोदरी के साथ शोक करते हुए दिखाया गया है।

एक और बेटी थी स्वर्ण मत्स्य

रावण की एक बेटी का उल्लेख विभिन्न क्षेत्रीय और विदेशी रामायणों में मिलता है। रावण की इस बेटी का नाम सुवर्णमछा या स्वर्ण मत्स्य था। इसके बारे में थाईलैंड की रामकियेन रामायण और कंबोडिया की रामकेर रामायण में बताया गया है।

शरीर सोने की तरह चमकता था

सुवर्णमछा का शरीर सोने की तरह चमकता था, इसलिए उसे "स्वर्ण जलपरी" भी कहा जाता था। इसका शाब्दिक अर्थ है "सोने की मछली"।इस बेटी का उल्लेख वाल्मीकि रामायण या तुलसीदास के रामचरित मानस में नहीं मिलता, यह केवल कुछ क्षेत्रीय और विदेशी रामायणों में पाया जाता है।

सुवर्णमछा और हनुमानजी की कथा

कथा के अनुसार, जब श्रीराम ने लंका तक समुद्र पर सेतु बनाने के लिए वानर सेना के नल-नील को काम सौंपा था, तब रावण ने अपनी बेटी सुवर्णमछा को इस योजना को विफल करने का आदेश दिया। सुवर्णमछा समुद्र के नीचे जाकर पत्थरों को गायब करने लगी,जिससे सेतु निर्माण में बाधा आई।

उसे हनुमान से प्यार हो गया

हनुमानजी ने जब इसका कारण पता लगाया तो समुद्र के अंदर सुवर्णमछा को देखा। दोनों के बीच युद्ध हुआ। युद्ध के दौरान सुवर्णमछा हनुमानजी के प्रति आकर्षित हो गईं। उनसे प्रेम हो गया।

हनुमानजी ने उसे समझाया कि रावण का काम गलत है। इसके बाद स्वर्ण मत्स्य ने चुराए गए पत्थरों को वापस कर दिया। तब राम सेतु का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस कथा के अनुसार, यदि स्वर्ण मत्स्य को हनुमानजी से प्रेम न होता, तो राम सेतु का निर्माण बाधित हो सकता था।

उसने हनुमानजी ने जाहिर किया कि उसे उनसे प्रेम हो गया लेकिन हनुमान ने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वह ब्रह्मचारी थे।

थाईलैंड और कंबोडिया के मंदिरों में प्रतिमाएं

हां, थाईलैंड और कंबोडिया के मंदिरों और अन्य स्थानों पर स्वर्ण मत्स्य की प्रतिमाएं पाई जाती हैं। बैंकाक के वाट फ्रा केओ मंदिर की दीवारों पर रामकियेन की कहानियों को दर्शाने वाले भित्ति चित्रों में हनुमान और स्वर्ण मत्स्य के प्रेम और सहयोग के दृश्य देखे जा सकते हैं।

सौभाग्य की देवी

स्वर्ण मत्स्य की छवियां थाईलैंड में दुकानों और घरों में सौभाग्य लाने वाले आकर्षण के रूप में छोटे कपड़े के स्ट्रीमर्स या फ्रेमयुक्त चित्रों पर भी दिखाई जाती हैं।

कंबोडिया में अंगकोर वाट की दीवारों पर रामायण की कहानियों को दिखाने वाले नक्काशीदार भित्तिचित्रों में स्वर्ण मत्स्य के दृश्य शामिल हैं।अंगकोर वाट की गैलरी में समुद्र मंथन के दृश्य में मत्स्य रूपी आकृतियां दिखती हैं, जो शायद स्वर्ण मत्स्य का प्रतिनिधित्व करती हैं।

प्रतिमाओं और चित्रों में स्वर्ण मत्स्य को अक्सर एक मत्स्यांगना के रूप में दर्शाया जाता है, जिसका ऊपरी भाग एक सुंदर स्त्री का होता है और निचला भाग मछली का। वह आमतौर पर हनुमान के साथ या अकेले पानी में चित्रित की जाती हैं।

भारत में तो रावण की किसी बेटी का कोई मंदिर नहीं है। अलबत्ता रावण के कई मंदिर जरूर मौजूद हैं। भारत के कुछ हिस्सों में मंदोदरी और मेघनाद की भी पूजा की जाती है।

अगले सप्ताह के लिए बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

मेष राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, मेष राशि वालों के लिए 4 से 10 मई तक का समय नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। मेष राशि वालों को पुराने समय से चली आ रहीं पर्सनल व प्रेफेशनल लाइफ की समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और एक नई शुरुआत करने का अवसर मिलेगा। लंबे समय से चल रही परेशानियों से राहत मिल सकती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं, वहीं व्यापारियों को लाभदायक सौदे मिलने के योग हैं।

मिथुन राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, मिथुन राशि वालों के लिए 4 से 10 मई तक का समय नेटवर्किंग और नए संपर्क बनाने का है। अगर आपका धन कहीं अटका हुआ है तो इस सप्ताह वापस मिल सकता है, जिसे आप निवेश कर सकते हैं। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों की संचार क्षमता आगे बढ़ाने में मदद करेगी और आपके कार्य से सभी प्रभावित भी होंगे। आर्थिक रूप से भी यह सप्ताह फायदेमंद साबित हो सकता है, खासकर अगर आप निवेश से जुड़े निर्णय सोच-समझकर लें।

तुला राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, तुला राशि वालों के लिए 4 से 10 मई तक का समय संतुलन और सफलता दोनों साथ-साथ चलेंगे। पारिवारिक और प्रेफेशनल में सामंजस्य बना रहेगा, जिससे आप सभी कार्यों को समय पर पूरा कर पाएंगे और परिवार के सदस्यों को भी समय देंगे। किसी सरकारी अधिकारी की मदद से इस सप्ताह आपके सभी अटके हुए कार्य पूरे होंगे और आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, जिससे यह समय आत्मविकास के लिए भी अनुकूल है। अगर आप नया बिजनेस शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो यह सप्ताह आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, वृश्चिक राशि वालों के लिए 4 से 10 मई तक का समय परिवर्तन और प्रगति का संकेत दे रहा है। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों को करियर में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो भविष्य में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। अगर आप बिजनेस की बात करें तो स्थितियों में सुधार देखने को मिलेगा और बिजनेस विस्तार की योजना भी बना सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसी पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना बन रही है। मित्रों के साथ अगर कोई परेशानी चल रही है तो वह इस सप्ताह खत्म हो जाएगी।

मकर राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, मकर राशि वालों के लिए 4 से 10 मई तक का समय मेहनत का फल देने वाला साबित हो सकता है। अब तक आप जो कार्य कर रहे थे, इस सप्ताह से आपको उसके शुभ परिणाम मिलेंगे। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों को ऑफिस में लगन और अनुशासन सफलता दिला सकते हैं, अधिकारी भी आपकी मेहनत की प्रशंसा करेंगे। वहीं बिजनेस में विस्तार के अवसर मिलेंगे और धन लाभ के संकेत भी प्रबल हैं। लव लाइफ में अगर कोई परेशानी चल रही है तो वह मई के पहले सप्ताह में दूर होगी और बातचीत से रिश्ता मजबूत होगा।

अब हमारे परिवारों में रिवर्स मेंटरिंग का समय आ गया है

हमारे परिवारों में देखते ही देखते हम लोगों ने विभेद खड़े कर दिए। परिवार में सब समान होते हैं, ये विचार ही नई सोच की आंधी में उड़ गया। निज-हित की अति ने परिवार में कलह, विघटन को आमंत्रण दे दिया। बड़े-छोटे का झंझट अहंकार को पोषित कर रहा है और अहंकार परिवारों का सबसे बड़ा दुश्मन है। अब परिवारों में रिवर्स मेंटरिंग का समय आ गया है। बड़े, छोटों से सीखें और छोटे, बड़ों को आदर दें- इस लेनदेन पर बड़ी गहराई से काम करना होगा।

राजनीतिक दृश्य में जैसे नागरिक और मतदाता अलग-अलग नजर आते हैं, हालांकि नेता लोग मानते नहीं हैं। जो लाभ मतदाता को दिया जाता है, वो नागरिकों को नहीं मिलता। जैसे घरों में बहू नागरिक की तरह होती है और बेटी मतदाता की तरह। आप परिवार में छोटे हों या बड़े, लेकिन जब भी कोई निर्णय लें, गतिविधि करें, तो केवल परिवार के सदस्यों को ना देखें- समूचे परिवार को और उसका भविष्य देखें। कामकाज की दुनिया में प्रोफाइल वैल्यू, ह्यूमन वैल्यू से ऊंची बन गई, लेकिन कम से कम घरों में यह न हो।

'पति पत्नी और वो दो' के ट्रेलर लॉन्च पर होस्ट ने की वाहियात बात
सारा अली खान भड़कीं; बोलीं- 'क्या बोल रहा है'

आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, रकुल प्रीत सिंह और सारा अली खान स्टारर फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के ट्रेलर लॉन्च में सबकुछ ठीक चल रहा था फिर होस्ट ने एक वाहियात बात कह दी। इस बात पर सारा अली खान ने तुरंत रिएक्ट किया। उनका रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आखिर इवेंट के होस्ट ने ऐसा क्या कह दिया था? जानिए।

होस्ट की वाहियात बात पर सारा अली खान ने दिया रिएक्शन

फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से जुड़े इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें सारा अली खान, रकुल प्रीत और आयुष्मान खुराना के साथ बैठी हुई दिख रही हैं। क्लिप में होस्ट के जोक्स पर सारा अली खान का रिएक्शन कैप्चर हुआ है। इसमें होस्ट कहता है, 'पैपराजी रील डालते हैं, जिसमें किसी सेलिब्रिटी का बैकशॉट डालकर पहचानो कौन, लिखा होता है। झूठ नहीं कह रहा मैं सब सेलिब्रिटीज को पीछे से पहचानता हूं। मैंने इस काम में बहुत टाइम बिताया है।'

होस्ट की यह अजीब बात सुनकर सारा अली खान ने अजीब सा एक्सप्रेशन दिया। साथ ही वह रकुल से कहती हैं, 'ये क्या बोल रहा है।' यह बात कहते हुए उनके चेहरे पर नाराजगी साफ झलक रही थी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज हैं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' का सीक्वल है।

'टोपी खुद पहनो किसी को पहनाओ नहीं..' सलमान ने दी काम को लेकर सलाह, बोले- सब भूल के आगे बढ़ो

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज सलमान ने अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने अपने फैंस को एक खास सलाह भी दी है।

सलमान खान का पोस्ट

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने काम को लेकर सलाह दी है। सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'यह किसी भी फील्ड के लिए है। पहले सोच लो, समझ लो, स्पष्ट हो जाओ, फैसला कर लो और सब कुछ भूलकर आगे बढ़ो।' सलमान ने आगे लिखा, 'टोपी से याद आया-टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाना नहीं और न किसी को पहनने दो।'

सलमान का लुक

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर किया है। इन तस्वीरों में सलमान खान ब्लैक टी-शर्ट के साथ ब्लैक टोपी में काफी हैंडसम लुक में नजर आ रहे हैं। सलमान ने कुल चार तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में सलमान स्टाइलिश लुक में पोज देते नजर आ रहे हैं।

फैंस के रिएक्शन

सलमान खान की इस पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, 'बॉलीवुड के रियल ओजी'

दूसरे फैन ने लिखा, 'भाईजान'

एक और फैन ने लिखा, 'ब्लैक आउटफिट में भाईजान'

एक और फैन ने लिखा, 'कोई इतना हैंडसम कैसा हो सकता है'

एक और फैन ने लिखा, 'बेहद फिट और हैंडसम दिख रहे हो'

वहीं सलमान के कई फैंस ने उनकी इन तस्वीरों पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर किए हैं

'मातृभूमि' कब होगी रिलीज

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस' (पहले 'बैटल ऑफ गलवां') 14 अगस्त 2026 (स्वतंत्रता दिवस के आसपास) को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक्शन फिल्म पहले अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन शूटिंग और बाकी वजहों से इसकी रिलीज में देरी हुई है।

आस्कर अकादमी ने इंटरनेशनल फिल्म एंट्री सिस्टम में किया बदलाव, एआई को लेकर भी हुई चर्चा

मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज अकादमी ने पहली बार 2027 के ऑस्कर अवॉर्ड्स में फिल्मों के अभिनय और स्क्रिप्ट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर बात की है। संस्था ने कई कैटेगरी में नए नियम जारी किए हैं, जिनमें कहा गया कि फिल्मों में इंसानी रचनात्मकता सबसे जरूरी है। हालांकि, AI के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक नहीं लगाई गई है। सिर्फ इतना ही नहीं, नए नियमों में इंटरनेशनल फिल्म कैटेगरी में भी बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसकी पहले काफी आलोचना होती रही है।

अब इस कैटेगरी में उन फिल्मों को भी शामिल किया जाएगा, जो बड़े फिल्म फेस्टिवल्स जैसे कान्स फिल्म फेस्टिवल, वेनिस फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में टॉप अवॉर्ड जीत चुकी हैं। फिल्म अकादमी के सीईओ बिल क्रेमर ने एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए कहा, "हम हर साल की तरह इस बार भी कई अच्छे और प्रोग्रेसिव बदलाव लेकर आए हैं।" उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे अकादमी ग्लोबल हो रही है, वैसे-वैसे यह सोचना जरूरी है कि इंटरनेशनल फिल्मों को ऑस्कर की चर्चा में कैसे शामिल किया जाए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑस्कर

अकादमी ने अपने नए नियमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को लेकर बड़ा फैसला लिया है, जो आज फिल्म इंडस्ट्री की एक बड़ी चिंता बना हुआ है। नए नियमों के मुताबिक, AI टूल्स का इस्तेमाल किसी फिल्म के ऑस्कर नॉमिनेशन के मौके को न तो बढ़ाएगा और न ही घटाएगा। अकादमी ने यह भी कहा है कि वह फिल्मों का मूल्यांकन करते समय इस बात पर ध्यान देगी कि क्रिएटिव काम में इंसान की भूमिका कितनी अहम थी।

यानी, यह देखा जाएगा कि फिल्म की असली रचनात्मकता में इंसान कितना शामिल था। साथ ही जरूरत पड़ने पर अकादमी फिल्म बनाने वाली टीम से AI के इस्तेमाल और ह्यूमन ऑथरशिप के बारे में ज्यादा जानकारी भी मांग सकती है। अकादमी की प्रेसिडेंट लिनेट हॉवेल टेलर ने कहा, "क्रिएटिव प्रक्रिया के केंद्र में इंसान ही होना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे AI आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे इस पर बातचीत भी बदलती रहेगी, लेकिन अकादमी हमेशा अपने अवॉर्ड्स के लिए इंसानी योगदान को सबसे ऊपर रखेगी।

परफॉर्मेंस (अभिनय) के नियमों को लेकर भी साफ किया गया है कि सिर्फ वही रोल मान्य होंगे, जो इंसानों द्वारा उनकी सहमति से किए गए हों। अकादमी ने यह भी कहा कि Val Kilmer के AI से बनाए गए परफॉर्मेंस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी, क्योंकि फिल्ममेकर्स ने अभी इसे आधिकारिक तौर पर अवॉर्ड के लिए भेजा ही नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म कैटेगरी में किए गए बड़े बदलाव

अब तक इस कैटेगरी को लेकर काफी आलोचना होती रही है। लोग इसे अन्यायपूर्ण, पुराना और राजनीति से प्रभावित मानते थे। जैसे-जैसे एकेडमी के सदस्य दुनिया भर से बढ़े हैं, वैसे-वैसे इसमें सुधार की मांग भी तेज हो गई। पहले कई बार ऐसा होता था कि किसी देश की सरकार या संस्था ही तय करती थी कि कौन-सी फिल्म ऑस्कर में जाएगी।

इस वजह से कई स्वतंत्र (इंडिपेंडेंट) या सरकार की आलोचना करने वाले फिल्ममेकर्स की फिल्मों को अपने ही देश से भेजा नहीं जाता था। इन बदलावों का मकसद यही है कि अब फिल्मों को ज्यादा निष्पक्ष तरीके से मौका मिले और राजनीति का असर कम हो।

नियम बदलाव के बाद भारत पर क्या पड़ेगा असर

भारत में ऑस्कर के लिए फिल्म चुनने की प्रक्रिया को लेकर अक्सर बहस होती रही है। कई बार फिल्ममेकर्स और आलोचकों ने सवाल उठाए हैं कि कौन-सी फिल्म भेजी जाए, यह फैसला सही तरीके से नहीं लिया जाता। भारत में यह जिम्मेदारी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (FFI) की होती है, जो हर साल देश की आधिकारिक एंट्री चुनती है।

लेकिन इसके फैसलों पर कई बार विवाद हुआ है और लोगों ने पारदर्शिता की कमी की बात भी कही है। इस नए बदलाव से उम्मीद है कि अब प्रक्रिया ज्यादा निष्पक्ष और साफ-सुथरी हो सकती है। इसका एक बड़ा उदाहरण पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट' है। इस फिल्म ने 2024 में कान्स में ग्रैंड प्रिक्स जीता था और बहुत लोगों को उम्मीद थी कि यही फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर जाएगी।

लेकिन फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसके बजाय किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' को भारत की आधिकारिक एंट्री चुना। बाद में यह फिल्म बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी की शॉर्टलिस्ट में भी जगह नहीं बना पाई, जिसके बाद चयन प्रक्रिया पर फिर सवाल उठने लगे। अब नए नियमों के तहत, पायल कपाड़िया की फिल्म जैसी फिल्मों को एक अलग रास्ता मिलेगा। यानी अगर किसी फिल्म को बड़े फिल्म फेस्टिवल में सम्मान मिलता है, तो वह बिना देश की आधिकारिक एंट्री बने भी ऑस्कर के लिए योग्य हो सकती है।

कपिल के शो में सुनील पाल ने समय रैना को कहा 'आतंकवादी'!
समय ने दिया ऐसा जवाब, सभी रह गए हैरान

जब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का वर्ल्ड लाफ्टर डे का स्पेशल एपिसोड आया, तो वो सिर्फ एक कॉमेडी शो नहीं था। वो एक तरह का रीयूनियन बन गया, जिसमें पुरानी बातें, थोड़ी टेंशन और ढेर सारे पंचलाइन थे।

गेस्ट बनकर पहुंचे थे समय और रणवीर

इस एपिसोड में स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना और यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया गेस्ट बनकर आए थे, और ये पहली बार था जब दोनों 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बाद साथ स्क्रीन पर दिखे।

इसी वजह से ये एपिसोड सीजन का सबसे ज्यादा इंतजार किया जाने वाला एपिसोड बन गया। लेकिन असली ट्विस्ट तब आया जब सीनियर कॉमेडियन सुनील पाल ने अचानक एंट्री मारी, जिनका समय के साथ थोड़ा उलझा हुआ रिश्ता रहा है।

सुनील ने समय को कहा आतंकवादी

कपिल शर्मा ने उसी बात को मजाक में उठाया और हंसते हुए कहा, 'सुनील भैया आप जब भी स्टेज पर जाते हैं, तो कहते हैं मैं सुनील पाल कॉमेडी का लाल हूं और समय को कॉमेडी का आतंकवादी बोलते हैं। ऐसा क्या देखा आपने, क्या ये मुंह से ग्रेनेड फेंकते हैं? थोड़ा अपने विचार बताइए।'

इस पर सुनील पाल ने जवाब दिया, 'कपिल भैया, अगर ये सच में मुंह से ग्रेनेड फेंकते तो अच्छा होता, लेकिन जो ये फेंकते हैं वो सहा नहीं जाता। जो समझ में नहीं आता, वो समाज में नहीं चलता। और जो समाज में नहीं चलता उसे ही आतंकवादी कहते हैं ना?'

समय ने दिया ये जवाब

इसके बाद समय ने भी जवाब दिया, 'इनको मुझसे इतनी दिक्कत है कि मैं क्या कहूं। मैं मुंह से ग्रेनेड मारता हूं? आप ही बताइए दिक्कत क्या है?' फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए कहा, 'मैं मेले में परफॉर्म नहीं करता, मैं उल्टी-सीधी बातें करता हूं। मुझे आपसे कोई दिक्कत नहीं है सर, बस एक ही है- आप ब्रश क्यों नहीं करते हो यार?'

क्या थी 'इंडियाज गॉट लेटेंट' की कॉन्ट्रोवर्सी?

बीते साल समय रैना का विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' डार्क कॉमेडी और आपत्तिजनक व अश्लील चुटकुलों के कारण खूब विवाद में रहा था। इसी शो के एक एपिसोड में रणवीर अल्लाहबादिया ने माता-पिता को लेकर एक बेहद अपमानजनकर टिप्पणी कर दी थी।

इस पर काफी हंगामा हुआ। समय रैना और रणवीर दोनों को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। साथ ही पुलिस एफआईआर हुईं। समय रैना को अपने शो के सारे एपिसोड डिलीट करने पडे.। उन्होंने इसे लेकर माफी भी मांगी।

वर्क-लाइफ बैलेंस जेंगा खेल जैसा थोड़ा सा बदलाव सब बिगाड़ देता है: अदा शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर कहा कि काम और निजी जीवन के बीच सही संतुलन बनाना हमेशा संभव नहीं हो पाता। उन्होंने इसकी तुलना जेंगा के खेल से की और कहा कि अगर थोड़ी लापरवाही हो जाए तो सब कुछ बिगड़ जाता है। अदा शर्मा ने कहा कि आज के समय में सही तरीके से काम और निजी जिंदगी के बीच बैलेंस बनाना आसान नहीं है। उन्होंने इसे एक उदाहरण देकर समझाया और कहा, जब भी मैं अपना शेड्यूल बैलेंस करने की कोशिश करती हूं, तो वो जेंगा टावर जैसा लगने लगता है। बस एक और शूट जुड़ता है और सब कुछ डगमगा जाता है। उनका कहना है कि परफेक्ट बैलेंस के पीछे भागने के बजाय वह दिन को हल्के-फुल्के अंदाज में जीने पर ध्यान देती हैं। छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढना और खुद पर ज्यादा दबाव न डालना ही उनका तरीका है।

अदा ने आगे कहा कि मैंने समझ लिया है कि मैं परफेक्ट बैलेंस में अच्छी नहीं हूं, लेकिन इतना जरूर कर लेती हूं कि पूरी तरह टूट न जाऊं। कई बार पांच घंटे की नींद को भी मैं सेहतमंद मान लेती हूं और दिन आराम से निकाल लेती हूं।

उन्होंने यह भी बताया कि अगर वह समय पर शूट पूरा कर लें, हंस लें, समय पर खाना खा लें और फोन कहां रखा है यह याद रहे, तो उनके लिए वही एक सफल दिन होता है। उनके मुताबिक, छोटी-छोटी जीत ही असली वेलनेस हैं।

काम की बात करें तो 33 वर्षीय अभिनेत्री अदा शर्मा को हाल ही में फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है।

यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित बताई जाती है, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक हैं। फिल्म में अनुपम खेर, इश्वाक सिंह और ईशा देओल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए।

अब अदा जल्द ही फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मनोज बाजपेयी भी होंगे। यह फिल्म 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर रहे एस. वेंकटरमणन के समय से प्रेरित बताई जा रही है, हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रेजेंट किया है और इसका निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। इसे विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है और यह 12 जून को रिलीज होने की उम्मीद है।

अक्षरा सिंह को दोबारा हुआ प्यार, बताया शादी करेंगी या नहीं! कहा- भूतकाल में अटकी रही तो भूत बन जाऊंगी

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने हाल ही में बता दिया है कि वो फिर से प्यार में हैं और रिश्ता अभी नया-नया है। एक्ट्रेस ने शादी को लेकर भी बात की है कि वो शादी करेंगी या नहीं।

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह , जिनका सुपरस्टार पवन सिंह के साथ उतार-चढ़ाव भरा रिश्ता रहा था, अक्सर उस दौर के अपने जीवन और करियर पर पड़े प्रभाव के बारे में खुलकर बात करती रही हैं। उन्होंने पवन सिंह पर अपने झगड़े के दौरान धमकियां देने का भी आरोप लगाया। अब हाल ही में हुई बातचीत में अक्षरा ने स्पष्ट कर दिया है कि वह आगे बढ़ना चाहती हैं और अब उनका नाम पवन सिंह से नहीं जोड़ना चाहतीं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी ठप्पा लगा दिया कि वो किसी के प्यार में हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की जिंदगी में दोबारा प्यार लौट आया है। एक्ट्रेस ने खुद ये बात मान ली है और इस जानकारी पर ठप्पा लगाया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि, हुआ है प्यार। मैं प्यार में हूं। जो पुराना था, वह भूतकाल में चला गया है। अब मैं अपने भविष्य की चिंता करूंगी। अगर भूतकाल में अटकी रहूंगी तो भूत ही बन जाऊंगी। अभी मैं प्यार के 'प' पर पहुंची हूं। अभी और प्रोसेस बाकी है। मैंने प्यार के खत का पहला अक्षर लिख दिया है।'

क्या शादी करेंगी अक्षरा सिंह?

शादी को लेकर उन्होंने कहा,

बिना प्यार के कोई जिंदा रह सकता है क्या। मैं अभी नहीं बता सकती, क्योंकि मुझे नजर बहुत तेज लगती है, अगर नजर लग गई तो। अभी सब नया-नया वाला है। इसलिए मैं सभी चीजों को फिगर आउट कर रही हूं।'

शादी का तो पता नहीं, क्योंकि पहले इंसान को देखना, जानना चाहिए, माइंडसेट मिलेगा या नहीं, तमाम नेगेटिव चीजों को डील कर पाएगा या नहीं। तो बहुत सारी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी, तब देखा जाएगा शादी का।

अक्षरा और पवन सिंह का रिश्ता

अक्षरा और पवन सिंह के बीच का रिश्ता लंबे समय से सार्वजनिक चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने पहले भी पवन सिंह पर शारीरिक शोषण और नियंत्रणकारी व्यवहार का आरोप लगाया है। अक्षरा ने यह भी दावा किया कि उनका रिश्ता पारंपरिक नहीं था। उन्होंने इसे बॉन्ड वाला रिश्ता बताया और आरोप लगाया कि पवन सिंह ने उनसे एक समझौते पर साइन करवाए थे। उन्होंने आगे कहा कि पवन सिंह किसी एक रिश्ते में लंबे समय तक टिक नहीं पाते थे।

अक्षरा सिंह ने दर्ज कराई FIR

2019 में, अक्षरा ने पवन सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने उन पर धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनके बारे में अश्लील और मानहानिकारक कंटेंट शेयर करने का आरोप लगाया।

पवन सिंह की शादी और तलाक

पवन सिंह का निजी जीवन अक्सर सुर्खियों में रहा है। उनकी पहली पत्नी ने शादी के कुछ महीनों बाद ही आत्महत्या कर ली थी, और उसके बाद उनका नाम कई हीरोइनों के साथ जोड़ा गया, जिनमें ज्योति सिंह से दूसरी शादी से पहले अक्षरा भी शामिल हैं। फिलहाल ज्योति के साथ भी तलाक का मामला चल रहा है।

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' के पास फिर हुई फायरिंग
बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी; कॉमेडियन को दी धमकी

एक बार फिर से कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले रेस्टोरेंट 'कैप्स कैफे' के पास गोलीबारी की गई। यह फायरिंग उनके कैफे के पास स्थित रेस्टोरेंट पर की गई। बिश्नोई गैंग के एक कथित सदस्य ने सोशल मीडिया के जरिए कपिल शर्मा को धमकाया भी है।

कपिल शर्मा को सोशल मीडिया पर धमकाया

इस फायरिंग की घटना के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई। जिसे टायसन बिश्नोई जोरा सिद्धू नाम के व्यक्ति ने साझा किया है। यह बिश्नोई गैंग का कथित सदस्य बताया जाता है। इसमें वह लिखता है, 'चाय सुट्टा बार कैफे पर गोली चली है। यह कैप्स कैफे के पड़ोस में है। हमारा इसको और कपिल शर्मा को मैसेज है कि लाइन पर आ जाओ।'

तीन बार हो चुकी है कैप्स कैफे पर फायरिंग

कपिल शर्मा के कैफे पर पहले तीन बार फायरिंग हो चुकी है। सबसे पहले हुई फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। यह गिरोह बॉलीवुड हस्तियों को धमकियां देने के लिए चर्चा है। तीसरी बार भी इस गैंग के मेंबर्स ने कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग की थी। पहली बार फायरिंग पिछले साल जुलाई में और दूसरी बार फायरिंग अगस्त महीने में हुई थी। तीसरी फायरिंग की घटना पिछले साल दिवाली से पहले की गई थी।

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं कपिल शर्मा?

इन दिनों नेटफ्लिक्स पर कपिल शर्मा के कॉमेडी शो का चौथा सीजन दर्शकों को देखने को मिल रहा है। वहीं कुछ वक्त पहले उनकी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला था।

12वीं के बाद बनें क्रिमिनोलॉजिस्ट

अगर आपका इंटरेस्ट क्राइम, लॉ और इंवेस्टिगेशन में है तो आप क्रिमिनोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं. बढ़ते क्राइम की वजह से इस फील्ड में लोगों की डिमांड बढ़ रही है. यह फील्ड अपराधों के कारण, उनके पैटर्न और उन्हें रोकने के तरीकों को समझने पर आधारित होती है. आज के समय में बढ़ते अपराध और साइबर क्राइम के चलते इस फील्ड में प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इस कोर्स में करियर ग्रोथ और सैलरी है.

क्या है क्रिमिनोलॉजी कोर्स?

क्रिमिनोलॉजी एक ऐसा विषय है, जिसमें अपराध के कारण, उसकी जांच, रोकथाम और अपराधियों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है. इस फील्ड में करियर बनाने के लिए छात्र 12वीं के बाद क्रिमिनोलॉजी, Forensic Science या संबंधित विषयों में ग्रेजुएशन कर सकते हैं. इसके बाद मास्टर्स और स्पेशलाइजेशन करके बेहतर अवसर हासिल किए जा सकते हैं

कौन सा कोर्स करें?

BA/BSc in क्रिमिनोलॉजी

BSc फॉरेंसिक साइंस

क्रिमिनोलॉजी में MSc या PG डिप्लोमा

सैबर क्राइम या फॉरेंसिक इनविस्टीगेशन में स्पेशल कोर्स

करियर ऑप्शन

क्रिमिनोलॉजिस्ट

फॉरेंसिक एक्सपर्ट

पुलिस विभाग या जांच एजेंसियां

साइबर क्राइम एक्सपर्ट

लीगल एडवाइजर

रिसर्चर या प्रोफेसर

सैलरी कितनी मिलती है?

इस फील्ड में शुरुआती सैलरी 3 से 6 लाख रुपये सालाना हो सकती है. अनुभव और स्किल्स बढ़ने के साथ यह 8 से 12 लाख रुपये या उससे ज्यादा तक पहुंच सकती है, खासकर साइबर क्राइम और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स के लिए.

वकील बनने का रास्ता : एआईबीई परीक्षा की पूरी जानकारी सिलेबस, पैटर्न और पहली बार में पास करने के स्मार्ट टिप्स

देश में लाखों विद्यार्थी ऐसे हैं जो न सिर्फ करियर की बेहतरी के लिए बल्कि सम्मान और गरिमा के लिए भी वकालत की सेवा से जुड़ना चाहते हैं। ऐसे में सबसे पहले तो यह जानिए कि अगर आप वकालत के पेशे में कदम रखना चाहते हैं, तो सिर्फ LLB की डिग्री काफी नहीं होती। भारत में प्रैक्टिस शुरू करने के लिए आपको अखिल भारतीय बार परीक्षा पास करना जरूरी है, जिसे बार काउंसिल ऑफ इंडिया आयोजित करता है। मैं इस लीगल स्टोरी में बताउंगा कि वकालत की दुनिया में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय बार परीक्षा का पूरा रोडमैप क्या होना चाहिए, सिलेबस से लेकर तैयारी की स्ट्रेटेजी तक।

अखिल भारतीय बार परीक्षा क्या है और क्यों जरूरी है?

सबसे पहले तो यह जानिए कि अखिल भारतीय बार परीक्षा, वह क्वालिफाइंग एग्जाम है जिसे पास करने के बाद आपको (CoP) मिलता है, जो आपको भारत में किसी भी कोर्ट में वकालत करने की अनुमति देता है। एक बात सभी को ध्यान में रखनी है कि इसमें आपको पास ही करना होता है। कोई रैंक या मेरिट लिस्ट में नाम लाने की जरुरत नहीं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सौजन्य से आयोजित यह परीक्षा कुल 100 अंकों की होती है, जिसे ऑफलाइन मोड, पेन-पेपर मोड में आयोजित की जाती है। हर सवाल के लिए 1 अंक निर्धारित

हैं। इस परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसमें परीक्षार्थियों को ओपन बुक के रूप में Bare Acts ले जाने की अनुमति है, लेकिन नोट्स नहीं ले जा सकते।

अखिल भारतीय बार परीक्षा के सिलेबस पर ध्यान दें

अखिल भारतीय बार परीक्षा का सिलेबस LLB के दौरान पढ़े गए बेसिक कानूनों पर आधारित होता है। इसमें संवैधानिक विधि, भारतीय दंड संहिता IPC अब भारतीय न्याय संहिता 2023, दंड प्रक्रिया संहिता CrPC अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, दीवानी प्रक्रिया संहिता CPC, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, पारिवारिक विधि, संविदा अधिनियम, संपत्ति विधि, प्रशासनिक विधि, व्यावसायिक नैतिकता एवं बार काउंसिल नियम से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इनसे एक नियत संख्या में प्रश्न पूछे जाते हैं। इस परीक्षा के विषयों से जुड़े सिलेबस और उनसे पूछे जाने वाले प्रश्नों के पैटर्न को संलग्न चित्र के जरिए समझ सकते हैं।

पहली बार में पास होने के स्मार्ट टिप्स

सबसे पहली बात तो यदि आपने एल एल बी की पढ़ाई अच्छे से की है तो ज्यादा मेहनत करने की जरुरत नहीं। इसमें सिलेबस के अनुसार संबंधित कानूनों के जुड़े Bare Acts की पढ़ाई ही आपकी असली ताकत हैं। AIBE में अधिकांश Bare Acts से ही आते हैं। इसकी धाराओं और प्रावधानों पर जरूर ध्यान दें। पिछले सालों के प्रश्नों को हल करने की आदत डालें। कम से कम 5–10 साल के पेपर जरूर सॉल्व करें। इससे आपको प्रश्नों का पैटर्न समझ आएगा।यह परीक्षा ओपन बुक के साथ दी जा सकती है। लेकिन सिर्फ Bare Acts ले जाने की अनुमति है। परीक्षा के लिहाज से टाइम मैनेजमेंट पर जरूर काम करें। इस परीक्षा के 100 सवालों के जवाब आपको 3 घंटे में देना होता है। ऐसे में पहले आसान सवाल हल करें, फिर मुश्किल पर जाएं। व्यावसायिक नैतिकता एवं बार काउंसिल नियम से जुड़े सवालों को हल्के में न लें। यह छोटा विषय है लेकिन स्कोर बढ़ाने में बड़ा रोल निभाता है।

आम गलतियां जो आपको नहीं करनी चाहिए

यह परीक्षा में पास करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरुरी जिनको नजरअंदाज करते हुए आपकी परीक्षा की तैयारी में निरंतरता रहनी चाहिए। जैसे

सिर्फ कोचिंग नोट्स पर निर्भर रहना

Bare Acts को नजरअंदाज करना

ओपन बुक को आसान समझना

रिवीजन को टालना

नोबेल प्रोफेशन की पहली असली परीक्षा

विद्यार्थियों को लगता है कि इसमें सबसे बड़ी बाधा है AIBE की परीक्षा । लेकिन वो यह नहीं जानते हैं कि सही तकनीक और दिशा-निर्देशों के साथ यदि इसकी तैयारी की जाए तो यह बहुत आसानी से इस बाधा को पार कर सकते हैं। AIBE कोई बहुत कठिन परीक्षा नहीं है, लेकिन इसे हल्के में लेना बड़ी गलती हो सकती है। सही रणनीति, Bare Acts की पकड़ और पिछले पेपर की प्रैक्टिस आपको पहली कोशिश में सफलता दिला सकती है। अगर आप वकालत के करियर को लेकर गंभीर हैं, तो AIBE को सिर्फ एक परीक्षा नहीं, बल्कि अपने प्रोफेशन की पहली असली परीक्षा समझें।

बिना डिग्री भी मिल सकती है नौकरी! ये 5 कोर्स खोलेंगे रोजगार के दरवाजे

आज के दौर में नौकरी पाना पहले से कहीं ज्यादा चैलेंज वाला काम हो गया है. बढ़ते कंपीटिशन के बीच सिर्फ डिग्री होना ही काफी नहीं रह गया है, बल्कि स्किल्स (कौशल) भी उतनी ही जरूरी हो गई है. यही वजह है कि आज के समय के युवा ऐसे कोर्स को करने पर जोर देते हैं, जिससे बिना डिग्री या कम डिग्री के भी अच्छी नौकरी मिल जाए. ऐसे में आइए जानते हैं 5 शॉर्ट-टर्म और स्किल बेस्ड कोर्स युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे हैं.

डिजिटल मार्केटिंग

डिजिटल इंडिया के दौर में यह सबसे तेजी से बढ़ता हुआ फील्ड है.

क्या सीखेंगेः SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, गूगल एड्स, कंटेंट स्ट्रेटेजी

कहां काम मिलेगाः कंपनियां, स्टार्टअप्स, ई-कॉमर्स, फ्रीलांसिंग

शुरुआती सैलरीः 15,000 – 40,000/महीना (अनुभव के साथ तेजी से बढ़ती है)

खास बातः घर बैठे भी काम करने का मौका

ग्राफिक डिजाइनिंग

क्रिएटिव माइंड वाले लोगों के लिए यह बेहतरीन ऑप्शन है.

क्या सीखेंगेः फ़ोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, UI/UX डिजाइन

कहां काम मिलेगाः मीडिया हाउस, विज्ञापन एजेंसियां, स्टार्टअप्स

स्कोपः सोशल मीडिया कंटेंट से लेकर ब्रांडिंग तक हर जगह डिमांड

बोनसः फ्रीलांसिंग से इंटरनेशनल क्लाइंट्स भी मिल सकते हैं

साइबर सिक्योरिटी

डेटा चोरी और ऑनलाइन फ्रॉड बढ़ने के कारण इस फील्ड की डिमांड तेजी से बढ़ रही है.

क्या सीखेंगेः एथिकल हैकिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी, डेटा प्रोटेक्शन

कहां काम मिलेगाः IT कंपनियां, बैंकिंग सेक्टर, सरकारी संस्थान

सैलरीः 4-10 लाख रुपये सालाना (एक्सपर्ट बनने पर और ज्यादा)

खासियतः हाई-डिमांड + हाई-पेइंग करियर

वीडियो एडिटिंग

वीडियो कंटेंट के बढ़ते ट्रेंड ने इस स्किल को बेहद जरूरी बना दिया है.

क्या सीखेंगेः प्रीमियर प्रो, आफ्टर इफ़ेक्ट्स, स्टोरीटेलिंग

कहां काम मिलेगाः यूट्यूब, फिल्म इंडस्ट्री, मीडिया, डिजिटल एजेंसियां

कमाईः 20,000 रुपये से लेकर लाखों तक (फ्रीलांसिंग में ज्यादा स्कोप)

ट्रेंडः रील्स और शॉर्ट वीडियो के कारण डिमांड लगातार बढ़ रही है

कंटेंट राइटिंग

अगर आपको लिखने का शौक है, तो यह करियर आपके लिए परफेक्ट है.

क्या सीखेंगेः SEO राइटिंग, ब्लॉगिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग

कहां काम मिलेगाः वेबसाइट्स, न्यूज पोर्टल, कंपनियां

स्कोपः हिंदी और इंग्लिश दोनों में तेजी से बढ़ती डिमांड

बोनसः घर बैठे काम और फ्रीलांसिंग के मौके

क्यों खास हैं ये कोर्स?

कम समय (3-6 महीने) में पूरे किए जा सकते हैं

कम फीस या कई बार फ्री में उपलब्ध

जॉब-रेडी स्किल्स सिखाते हैं

डिग्री के बिना भी करियर शुरू करने का मौका

फ्रीलांसिंग और पार्ट-टाइम इनकम के ऑप्शन

वर्क फ्रॉम होम ऑप्शनः खासकर डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट और डिजाइनिंग में।

कनाडा की परमानेंट रेजिडेंसी चाहिए तो पीआर के लिए देनी होगी ज्यादा फीस? विदेशी वर्कर्स के लिए जरूरी खबर

कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (PR) के लिए अप्लाई करने जा रहे विदेशी वर्कर्स के लिए जरूरी खबर है। सरकार ने एक्सप्रेस एंट्री, प्रोविंशियल नॉमिनी प्रोग्राम (PNPs) और फैमिली स्पांसरशिप समेत सभी तरह के प्रोग्राम के लिए PR प्रोसेसिंग फीस बढ़ा दी है। अगर आपका PR एप्लिकेशन प्रक्रिया में है या फिर आप जल्द ही अप्लाई करने की योजना बना रहे हैं, तो फिर आपको ये मालूम होना कि अब प्रोसेसिंग फीस कितनी देनी होगी। नई फीस भारतीय आवेदकों के लिए भी है।

नई प्रोसेसिंग फीस हर PR कैटेगरी के लिए बढ़ गई है। यह PR के मुख्य आवेदकों, जीवनसाथी/कॉमन-लॉ पार्टनर और आश्रित बच्चों पर भी लागू होती है। 'राइट ऑफ परमानेंट रेजिडेंस फीस' (RPRF) ज्यादातर PR आवेदनों पर लागू होती है और जिसे आवेदन जमा करते समय टाला जा सकता है, उसमें भी बढ़ोतरी हो चुकी है। ज्यादातर कैटेगरी में फीस 4 से 5 फीसदी बढ़ी है, जबकि सबसे ज्यादा फैमिली स्पांसरशिप के लिए फीस बढ़ी है। इस कैटेगरी में फीस वृद्धि 6% से छोड़ा सा नीचे ही है।

कौन सी PR फीस बढ़ रही है?

अगर विदेशी वर्कर मुख्य आवेदक है, तो उसके लिए नई फीस 600 डॉलर है, जो पहले 575 डॉलर थी। विदेशी वर्कर के साथ आने वाले जीवनसाथी या पार्टनर के लिए भी PR अप्लाई करने पर यही फीस देनी होगी। फेडरल हाई स्किल्ड (एक्सप्रेस एंट्री, PNP, क्यूबेक स्किल्ड वर्कर्स आदि) कैटेगरी के कामगारों के लिए PR प्रोसेसिंग फीस 990 डॉलर हो चुकी है, जो पहले 950 डॉलर थी। इसी कैटेगरी में अगर विदेशी वर्कर अपने जीवनसाथी या पार्टनर के लिए PR अप्लाई कर रहा है, तो उसे 990 डॉलर देने होंगे। बच्चों के लिए यही फीस 270 डॉलर हो चुकी है।

वहीं, अगर किसी वर्कर ने 30 अप्रैल से पहले PR के लिए अप्लाई किया था, लेकिन RPRF की पेमेंट डिले करने का ऑप्शन चुना था, तो ऐसी स्थिति में अब उसको नई फीस ही देनी होगी। भले ही उसने प्रोसेसिंग फीस पुरानी दर पर चुका दी हो। RPRF उस राशि पर आधारित होती है जो भुगतान के समय प्रभावी होती है, न कि आवेदन के समय। अब सवाल उठता है कि अगर किसी ने पुरानी फीस के साथ अप्लाई किया है, तो उसे क्या करना है। इसका जवाब है कि अगर किसी वर्कर ने 30 अप्रैल से पहले ऑनलाइन अप्लाई किया था, तो IRCC को उसका आवेदन और फीस तुरंत मिल गई है। अब उसे कुछ भी करने की जरूरत नहीं है।

सशस्त्र सीमा बल में मेडिकल ऑफिसर की वैकेंसी, वॉक-इन इंटरव्यू से होगा चयन

मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए सशस्त्र सीमा बल (SSB) ने संविदा के आधार पर जीडीएमओ और अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टर के कुल 35 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इसके लिए योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगे गए हैं।

सएसबी ने जिन 35 पदों पर वैकेंसी निकाली है, उनमें चिकित्सा विशेषज्ञ के 3, सामान्य शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ के 3, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ के 2, नेत्र रोग विशेषज्ञ के 3, रेडियोलॉजिस्ट विशेषज्ञ के 2, पैथोलॉजिस्ट विशेषज्ञ के 1, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के एक और जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ) के 20 पद शामिल हैं।

पद का नाम	पदों की संख्या
चिकित्सा विशेषज्ञ	3
सामान्य शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ	3
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ	2
नेत्र रोग विशेषज्ञ	3
रेडियोलॉजिस्ट विशेषज्ञ	2
पैथोलॉजिस्ट विशेषज्ञ	1
एनेस्थीसिया विशेषज्ञ	1
जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (GDMO)	20
कुल पद	35

कितना मिलेगा वेतन?

इन पदों पर उम्मीदवारों का चयन वॉक-इन इंटरव्यू, मेडिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के माध्यम से किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को विशेषज्ञ डॉक्टर पद के लिए 85,000 रुपये प्रति माह और GDMO पद के लिए 75,000 रुपये प्रति माह वेतन मिलेगा।

आयु सीमा और इंटरव्यू कार्यक्रम

इंटरव्यू के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पद के अनुसार एमबीबीएस या स्पेशलिस्ट डिग्री/डिप्लोमा होना जरूरी है। साथ ही तय योग्यता के साथ-साथ आवश्यक अनुभव भी होना अनिवार्य है।

उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 70 वर्ष निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया के तहत वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन अलग-अलग तिथियों और स्थानों पर किया जाएगा, जिसमें अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होना होगा।

आवश्यक निर्देश

25 मई को इंटरव्यू सिलीगुड़ी में, 28 मई को गुवाहाटी में, 1 जून को लखनऊ में और 4 जून को पटना में आयोजित किया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय से केंद्र पर पहुंचें और अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से लेकर जाएं।

चीन में फ्री में पढ़ने का चांस! फुली-फंडेड स्कॉलरशिप देने का किया ऐलान

चीन में हायर एजुकेशन फ्री में हासिल करने का मौका मिल रहा है। यहां की एक यूनिवर्सिटी ने फुली-फंडेड स्कॉलरशिप देने का ऐलान किया है, जिसका फायदा भारतीय छात्र भी उठा सकते हैं। चीन की साउथवेस्ट यूनिवर्सिटी 'न्यू सिल्क रोड स्कॉलरशिप' दे रही है। इस स्कॉलरशिप का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसमें फीस माफ है और हर महीने स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। चीन हायर एजुकेशन के लिए एक बेहतरीन देश के तौर पर उभर रहा है। यहां की कई यूनिवर्सिटीज टॉप-100 संस्थानों में शामिल हैं।

ये स्कॉलरशिप दो कैटेगरी में बांटी गई है, जिसमें टाइप ए और टाइप बी शामिल हैं। टाइप ए स्कॉलरशिप के तहत पूरी ट्यूशन फीस माफ होगी और हर महीने स्टाइपेंड दिया जाएगा। अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट को हर महीने 1100 येन, पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट को 1400 येन और पीएचडी स्टूडेंट को 1700 येन दिए जाएंगे।

टाइप बी स्कॉलरशिप में सिर्फ ट्यूशन फीस माफ होती है। इसके तहत स्टाइपेंड नहीं मिलता है। दोनों तरह की स्कॉलरशिप में मेडिकल इंश्योरेंस और रहने का खर्च नहीं दिया जा रहा है। इसकी व्यवस्था स्टूडेंट को खुद ही करनी है।

स्कॉलरशिप के लिए कौन अप्लाई कर सकता है?

इस स्कॉलरशिप को उन्हीं छात्रों को दिया जाएगा, जिनके अच्छे अंक होंगे। स्कॉलरशिप पाने के लिए कम के कम 3.0 GPA होना जरूरी है या फिर टोटल नंबर 80 फीसदी से ज्यादा होने चाहिए। छात्रों को ये भी साबित करना होगा कि उन्हें पढ़ाई से जुड़ी भाषा आती है। ऐसे में उन्हें भाषा का सर्टिफिकेट (जैसे HSK, TOEFL-ibt या IELTS) दिखाना होगा, ताकि वह कैंपस में पढ़ाई और बातचीत कर सकें। अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट को 4 साल, पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट को 2-3 साल और पीएचडी स्टूडेंट को 4 साल के लिए स्कॉलरशिप दी जाएगी।

आवेदन कहां करना होगा?

स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने की आखिरी तारीख 15 जून है। अगर स्कॉलरशिप से जुड़े कोई सवाल हैं, तो यूनिवर्सिटी के अधिकारियों को Admission@swu.edu.cn पर मेल करके जानकारी ली जा सकती है। हर साल मई के महीने में स्कॉलरशिप पाने वाले छात्र के प्रदर्शन की जांच की जाएगी। अगर आपकी पढ़ाई और व्यवहार अच्छे रहते हैं, तभी अगले साल के लिए स्कॉलरशिप जारी रखी जाएगी। बता दें कि अगर आपको एक बार स्कॉलरशिप मिल गई, तो आप कोर्स के बीच में इसे किसी दूसरी स्कॉलरशिप में बदल नहीं सकते। यहां क्लिक कर आप स्कॉलरशिप के लिए डायरेक्ट अप्लाई कर सकते हैं।

आईआईएम-विशाखापत्तनम में हेड नर्स समेत कई पदों पर आवेदन जारी, 18 मई अंतिम तिथि

विशाखापत्तनम देश के प्रतिष्ठित संस्थान में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक खास मौका सामने आया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम-विशाखापत्तनम) ने संविदा के आधार पर अलग-अलग विभागों में कर्मचारियों के विभिन्न 4 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके रिक्तियों की घोषणा की है।

पदों का विवरणः

आईआईएम ने जिन 4 पदों पर वैकेंसी जारी की है, उनमें हेड नर्स के 2 और असिस्टेंट मैनेजर (अकाउंट्स) के 2 पद शामिल हैं। वहीं, असिस्टेंट और अकादमिक एसोसिएट के पदों पर भर्ती आवश्यकता के अनुसार होगी।

इंतजार नहीं, जल्दी करें आवेदनः

इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 24 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 18 मई तय की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, उन्हें आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय लास्ट डेट तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा करने की सलाह दी जाती है।

पहले चैक कर लें अपनी योग्यताः

एप्लीकेशन फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पद अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री, मास्टर की डिग्री, बीएससी नर्सिंग, वाणिज्य में ग्रेजुएशन/सीए-इंटर, पीजीडीएम/एमबीए, बीटेक/बीई होनी चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास प्रासंगिक क्षेत्र में अन्य निर्धारित पात्रता, कौशल और तय सालों का अनुभव होना भी अनिवार्य है।

आयु सीमाः

उम्मीदवारों की अधिकतम आयु पद अनुसार 30 से 35 वर्ष के बीच तय की गई है। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

इतनी मिलेगी सैलेरीः

योग्य अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, पर्सनल इंटरव्यू, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पोस्ट के अनुसार 30,000 से 45,000 रुपए के बीच प्रति माह होगी।

भारतीय सेना में सीएसबीओ ग्रेड-II के 190 पदों पर आवेदन शुरू, 10वीं पास के लिए सुनहरा अवसर

भारतीय सेना ने सीएसबीओ ग्रेड-II के पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया है। यह भर्ती रक्षा मंत्रालय के तहत मुख्यालय 2 सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर, पणजी (गोवा) द्वारा निकाली गई है। इस भर्ती के जरिए कुल 190 ग्रुप सी सिविलियन पदों को भरा जाएगा। देशभर के योग्य उम्मीदवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

31 मई तक आवेदन करने का मौका

आवेदन प्रक्रिया 2 मई 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी 31 मई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस भर्ती के लिए आवेदन ऑनलाइन ईमेल के माध्यम से करना होगा। उम्मीदवारों को आवेदन फॉर्म भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट indianarmy.nic.in से डाउनलोड करना होगा और निर्धारित ईमेल आईडी पर भेजना होगा।

रिक्तियों का विवरण और योग्यता

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 190 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें अनारक्षित (UR) के 94, अनुसूचित जाति (SC) के 22, अनुसूचित जनजाति (ST) के 12, अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के 43, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के 19 पद शामिल हैं। इसके अलावा दिव्यांग (PwD) के 12 और पूर्व सैनिक के 20 पद निर्धारित किए गए हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

योग्यता की बात करें तो उम्मीदवार का कम से कम मैट्रिक (10वीं) पास होना अनिवार्य है। साथ ही, PBX हैंडलिंग का कम से कम 6 महीने का अनुभव भी जरूरी है।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन मुख्य रूप से लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। यह परीक्षा 100 अंकों की होगी, जिसमें सामान्य बुद्धिमत्ता , गणितीय योग्यता , सामान्य ज्ञान , अंग्रेजी और रीजनिंग से प्रश्न पूछे जाएंगे।

लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को प्रैक्टिकल टेस्ट और इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। ये दोनों चरण केवल क्वालिफाइंग प्रकृति के होंगे। अंतिम मेरिट सूची लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

जरूरी निर्देश

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी ध्यान से पढ़ लें। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन कॉपी पहले से तैयार रखें और ईमेल भेजते समय सभी विवरण सही तरीके से भरें, क्योंकि किसी भी त्रुटि के कारण आवेदन निरस्त किया जा सकता है।

यह भर्ती ऑल इंडिया सर्विस दायित्व के तहत है, यानी चयनित उम्मीदवारों को देश के किसी भी हिस्से में नियुक्ति मिल सकती है। इसलिए अभ्यर्थियों को आवेदन करते समय सभी नियमों और शर्तों का पालन करना जरूरी है।

ऐसे करें आवेदन

उम्मीदवारों को आवेदन फॉर्म पीडीएफ फॉर्मेट में डाउनलोड करके माध्यम से भरना होगा। इसके बाद फॉर्म को सही नाम से सेव कर आधार कार्ड, 10वीं प्रमाणपत्र, PBX अनुभव प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ निर्धारित ईमेल आईडी sunshine.rise@nic.in पर भेजना होगा। अधूरे या समय सीमा के बाद भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

ऐपल जैसे मौके अब कहां? 400 अरब कैश लेकर बैठे हैं वॉरेन बफे ने की टिम कुक की तारीफ

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे का कैश बैलेंस रिकॉर्ड 397 अरब डॉलर पहुंच चुका है। कंपनी ने मार्च तिमाही में 8.1 अरब डॉलर की बिकवाली की। कंपनी लगातार 14वीं तिमाही में नेट सेलर रही। कंपनी ने ओमाहा में अपनी सालाना शेयरहोल्डर मीटिंग में इसकी घोषणा की। इस मौके पर कंपनी के 95 साल के चेयरमैन बफे ने कहा कि नए सीईओ ग्रेग एबल की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

बफे 60 साल तक कंपनी के सीईओ रहे थे। एबल ने कहा कि बर्कशायर की ऑपरेटिंग फिलोसफी में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हमें बर्कशायर के कई बिजनेस में उत्कृष्टता हासिल करनी होगी। यह हमारा फोकस रहा है और आगे भी यही रणनीति जारी रहेगी।' कंपनी ने मार्च तिमाही में अपने ही 234 मिलियन डॉलर के शेयर खरीदे। मई 2024 के बाद कंपनी ने पहली बार स्टॉक बायबैक किया है। इस दौरान कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 18 फीसदी बढ़कर 11.35 अरब डॉलर पहुंच गया जो पिछले साल समान तिमाही में 9.64 अरब डॉलर था।

कुक की तारीफ

बफे ने मौके पर ऐपल के सीईओ टिम कुक की जमकर तारीफ की। कुक ने हाल ही में सीईओ पद छोड़ने की घोषणा की है। बफे ने कहा कि बर्कशायर ने ऐपल में 35 अरब डॉलर का निवेश किया था जो अब बढ़कर 185 अरब डॉलर हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब ऐपल जैसे मौके बहुत दुर्लभ हो गए हैं। यही वजह है कि बर्कशायर का कैश बैलेंस इतना बढ़ गया है। कुक 2011 में ऐपल के सीईओ बने थे। उनके कार्यकाल के दौरान कंपनी का रेवेन्यू 3.8 गुना और मार्केट मार्केट कैप 10.6 गुना बढ़ा। इस दौरान कंपनी के शेयरों में करीब 2000% तेजी आई है। बर्कशायर ने पिछले एक दशक में कोई बड़ी डील नहीं की है। रिटेल से लेकर इंडस्ट्रियल ऑपरेशंस तक इसके कई परंपरागत बिजनेस की ग्रोथ मिलीजुली रही है। निवेशक ज्यादातर टेक्नोलॉजी वाले शेयरों पर ज्यादा निवेश कर रहे हैं। बर्कशायर हैथवे 1.020 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की 12वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। पिछले सत्र में कंपनी का शेयर 0.12% गिरावट के साथ बंद हुआ था। बफे ने पिछले साल बर्कशायर का पद छोड़ने की घोषणा की थी। उसके बाद से कंपनी का प्रदर्शन एसएंडपी 500 के मुकाबले कम रहा है।

4 दिन में 1,39,655.8 करोड़ की कमाई!
मुकेश अंबानी की रिलायंस ने सबको छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले हफ्ते ओवरऑल तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़ा। इस दौरान 1 मई यानी शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर बाजार बंद रहे। यानी पूरे हफ्ते केवल चार ही दिन ही कारोबार हुआ।

इस दौरान शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस लाभ में रही। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का मार्केट कैप 27,569.83 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,933.95 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि बजाज फाइनेंस की मार्केट वैल्यू 9,432.32 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 5,83,123.13 करोड़ रुपये पहुंच गई।

सबसे ज्यादा नुकसान

दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 45,364.62 करोड़ रुपये घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 20,951.31 करोड़ रुपये गिरकर 11,87,274.17 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप में 18,420.79 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,28,799.01 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी की वैल्यू 8,222.49 करोड़ रुपये घटकर 5,04,798.07 करोड़ रुपये और लार्सन एंड टुब्रो की 178.83 करोड़ घटकर 5,51,993.05 करोड़ रुपये रह गई।

सबसे वैल्यूएबल कंपनी

रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, 'मिश्रित वैश्विक और घरेलू संकेतों के बीच उतार-चढ़ाव भरे और सीमित दायरे वाले कारोबारी माहौल को दर्शाते हुए बाजारों ने सप्ताह का अंत मामूली बढ़त के साथ किया।'

8वें वेतन आयोग में हो सकता है 283% का इजाफा
केंद्रीय कर्मचारियों की बड़ी मांग

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। 8वें वेतन आयोग और कर्मचारी यूनियनों के बीच पहले दौर की आधिकारिक बातचीत संपन्न हो गई है। कर्मचारी पक्ष ने 3.83 गुना के फिटमेंट फैक्टर के साथ न्यूनतम वेतन 69,000 रुपये करने की मांग रखी है। अगर यह मांग मान ली जाती है, तो न्यूनतम वेतन में 283 प्रतिशत की भारी वृद्धि होगी। फिलहाल 7वें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है। 6वें वेतन आयोग के मुकाबले इसमें 7,000 रुपये की वृद्धि हुई थी।

कर्मचारी पक्ष का कहना है कि बढ़ती महंगाई और बदलती जीवनशैली के कारण मौजूदा सैलरी स्ट्रक्चर अब पर्याप्त नहीं है। फिटमेंट फैक्टर वह गुणक होता है जिससे वर्तमान बेसिक सैलरी को गुणा कर नई सैलरी तय की जाती है। अगर 3.83 का फिटमेंट फैक्टर लागू होता है नई बेसिक सैलरी करीब 69,000 रुपये (18,000 × 3.83) होगी। नया फिटमेंट फैक्टर लागू होता है तो सिर्फ सैलरी ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि पेंशन में भी इजाफा होगा। मौजूदा न्यूनतम पेंशन 9,000 रुपये है। अगर इसमें भी 283% की बढ़ोतरी होती है तो न्यूनतम पेंशन बढ़कर 34,470 रुपये हो जाएगी।

69,000 रुपये न्यूनतम वेतन की मांग क्यों?

कर्मचारी प्रतिनिधियों का तर्क है कि वर्तमान वेतन ढांचा वास्तविक खर्चों को नहीं दर्शाता है। उन्होंने आयोग के सामने ये कारण रखे: इंटरनेट और मोबाइल डेटा अब अनिवार्य खर्च बन गए हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में भारी वृद्धि हुई है। आवास और परिवहन (ट्रांसपोर्ट) के खर्च अब पहले जैसे नहीं रहे।

कर्मचारियों की मुख्य मांगें

न्यूनतम वेतन 69,000 रुपये तय किया जाए। फिटमेंट फैक्टर 3.83 किया जाए। वार्षिक वेतन वृद्धि 3% से बढ़ाकर 6% की जाए। हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) और ट्रांसपोर्ट अलाउंस में बढ़ोतरी। रेलवे और रक्षा जैसे क्षेत्रों में जोखिम भत्ते में सुधार। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से लागू किया जाए। वेतन आयोग का चक्र 10 साल से घटाकर 5 साल किया जाए।

अब आगे क्या होगा? नेशनल काउंसिल (जेसीएम) के शिव गोपाल मिश्रा के अनुसार, यह बैठक मुख्य रूप से मांग पत्र प्रस्तुत करने और उसके पीछे के तर्कों को समझाने के लिए थी। यह अभी कर्मचारी संघों की मांग है। इन पर अंतिम फैसला सरकार द्वारा आयोग की सिफारिशों के अध्ययन के बाद ही लिया जाएगा।

तेल उत्पादन को लेकर बड़ा फैसला
बाजार में आएगा ज्यादा क्रूड ऑयल, भारत पर सीधा असर

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। तेल उत्पादक समूह ओपीईसी+ ने रविवार को जून महीने के लिए कच्चे तेल के उत्पादन कोटा में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब यूएई ने हाल ही में संगठन से बाहर होने का निर्णय लिया है। ओपीईसी+ के सात सदस्य देशों (अल्जीरिया, इराक, कजाकिस्तान, कुवैत, ओमान, रूस और सऊदी अरब) ने जून में संयुक्त रूप से 1.88 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की है। इससे भारत में भी तेल का आयात बढ़ सकता है। ओपीईसी+ के अनुसार यह वृद्धि तेल बाजार की स्थिरता बनाए रखने की उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। पिछले सप्ताह यूएई ने उत्पादन कोटे को लेकर लंबे समय से चल रही असहमति के बाद ओपेक (ओपीईसी) और ओपेक+ दोनों समूहों से हटने की घोषणा की थी जो शुक्रवार से प्रभावी हो गई है।

कई चुनौतियां अभी बाकी

विशेषज्ञों के अनुसार यह बढ़ोतरी पहले से अनुमानित थी। यूएई के हिस्से को छोड़कर मार्च और अप्रैल में भी इसी तरह करीब 2 लाख बैरल प्रतिदिन की बढ़ोतरी की गई थी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि उत्पादन कोटे में यह वृद्धि केवल कागजों तक सीमित रह सकती है। इसका कारण यह है कि कई सदस्य देश पहले से ही अपने तय स्तर से कम उत्पादन कर रहे हैं।

होर्मुज संकट का असर

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया था। इसके बाद खाड़ी में तनाव पैदा हो गया। इस युद्ध के जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी कर दी। इस नाकेबंदी की वजह से तेल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है और खाड़ी देशों की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का बड़ा हिस्सा फिलहाल वैश्विक बाजार तक नहीं पहुंच पा रहा है।

भारत पर ओपेक+ के फैसले का क्या असर?

ओपेक+ द्वारा उत्पादन बढ़ाने के फैसले और यूएई के इस समूह से बाहर निकलने का भारत पर प्रभाव काफी मिला-जुला और महत्वपूर्ण होगा। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85% आयात करता है, इसलिए खाड़ी देशों में होने वाली हर हलचल हमारी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालती है। यूएई के बाहर निकलने के बाद भी समूह का सक्रिय रहना कीमतों को बेकाबू होने से रोक सकता है। भारत के लिए कच्चे तेल की स्थिर कीमतें पेट्रोल और डीजल के दामों को नियंत्रण में रखने में मदद करेंगी।

ऑटो सेक्टर को लगा 25,000 करोड़ का करंट!
पुराने वाहनों के नए नियम से मुनाफे पर संकट

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)।भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को वित्त 2026 में अपने मुनाफे पर लगभग 25,000 करोड़ रुपये का झटका लगने वाला है. इसकी वजह है 'पर्यावरण संरक्षण नियम 2025', जिसने एक ऐसे अकाउंटिंग स्टैंडर्ड क्लॉज को लागू कर दिया है, जिसके तहत ऑटोमेकर्स को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए पर्यावरणीय मुआवजे का बजटीय प्रावधान करना जरूरी है. इंडस्ट्री के अधिकारियों के अनुसार, जनवरी 2025 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए 'पर्यावरण संरक्षण नियम, 2025' में एक "मामूली सा दिखने वाला" क्लॉज है. इस क्लॉज के संभावित गंभीर परिणामों के बारे में जब ऑटोमेकर्स के ऑडिटर्स ने उन्हें आगाह किया, तो वे घबरा गए. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वो कौन सा नियम है, जिसकी वजह से ऑटो सेक्टर को इतना मोटा नुकसान हो सकता है.

क्या है नियम?

जनवरी 2025 के नोटिफिकेशन का "नियम 4 (6)" कहता है, "यदि कोई निर्माता अपना ऑपरेशन बंद कर देता है, तो उसे ऑपरेशन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए वाहनों के संबंध में अपनी 'विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी' (ईपीआर) का पालन करना होगा..." एक इंडस्ट्री अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "यह नियम अकाउंटिंग स्टैंडर्ड आईएनडी एएस 37, 'प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्तियां' को लागू करता है.

इसका मतलब है कि ऑटोमेकर्स को पिछले 20 वर्षों में निजी इस्तेमाल के लिए और 15 वर्षों में व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए बेचे गए सभी वाहनों के ईपीआर प्रमाणपत्रों की लागत के लिए काफी बड़े वित्तीय प्रावधान करने होंगे.

फंस जाएगा पैसा

एक अन्य इंडस्ट्री अधिकारी ने कहा कि इस नियम के कारण, ऑटोमोबाइल कंपनियों को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए ईपीआर का प्रावधान करना होगा, भले ही उनका बाज़ार छोड़ने का कोई इरादा न हो. इससे उनका पैसा फंस जाएगा और मुनाफे पर असर पड़ेगा.

ऐसा समझा जाता है कि इंडस्ट्री की संस्था 'सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री' ने भी इस मामले को मंत्रालय के सामने उठाया था. उन्होंने आईएनडी एएस 37 के तहत पर्यावरणीय मुआवजे के कारण ऑटोमेकर्स के मुनाफे पर पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव को उजागर किया था.

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष.....04-48	बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	वृष.....06-32	बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..08-32	बजे
बुध	मेष	मे	कर्क...10-44	बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---12-56	बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या--15-02	बजे
शनि	मीन	मे	तुला---17-08	बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक.19-17	बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....21-31	बजे
			मकर...23-38	बजे
			कुंभ....01-28	बजे
			मीन....03-07	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** (सूर्योदय 05-52, सूर्यास्त 18-33)
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सोमवार **04 May 2026**
तिथि - तृतीया **05-24** रात्री तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - अनुराधा **09-57** तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - परिघ **23-19** रात्री तक उप शिव
करण - वणिज **16-12** तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेष: भद्राकाल **16-13** से सर्वार्थसिद्ध योग **06-02** से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-26 से 09-02 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-52 - 07-26	शुभ	चंचल	18-33 - 20-00	शुभ
काल	07-26 - 09-02	अशुभ	रोग	20-00 - 21-24	अशुभ
शुभ	09-02 - 10-37	शुभ	काल	21-24 - 22-49	अशुभ
रोग	10-37 - 12-13	अशुभ	लाभ	22-49 - 00-13	शुभ
उत्पात	12-13 - 13-49	अशुभ	उत्पात	00-13 - 01-37	अशुभ
चंचल	13-49 - 15-25	शुभ	शुभ	01-37 - 03-01	शुभ
लाभ	15-25 - 17-00	शुभ	अमृत	03-01 - 04-25	शुभ
अमृत	17-00 - 18-33	शुभ	चंचल	04-25 - 05-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आत्मविश्वास आपके दिन का नेतृत्व करता है क्योंकि आप अपने काम में गहराई और उद्देश्य पाते हैं। आप आविष्कारशील विचारों के साथ सफल होने के लिए प्रेरित हैं, हालांकि सतर्क रहने से छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से बचने में मदद मिलती है। आपकी ईमानदारी महत्वपूर्ण सफलताओं को जन्म दे सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज रचनात्मक अवसर अंतहीन लगते हैं, लेकिन कल्पना में खो जाना आसान है। अपनी योजनाओं को ट्रैक पर रखने के लिए ज़मीन पर बने रहें। करीबी संबंधों में भावनात्मक बदलाव हो सकते हैं, जिससे काम पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा आ सकती है। अपने विचारों को व्यावहारिक रखें और अति प्रतिबद्धता से बचें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपका करियर आपको संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यों में सटीकता पर ध्यान दें। बेहतर सहयोग के लिए अपने संबंधों का विस्तार करें। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से बचें, जो नुकसान का कारण बन सकती है। भावनाओं की समृद्धि को अपनाएँ, इसे विस्तृत इशारों पर नियंत्रण के साथ संतुलित करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है। हल्का-फुल्का पढ़ना या रचनात्मक गतिविधियाँ आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

5 की चाय और 10 में कॉफी; नहीं हो सकेगा सरकार, 3071 का हो गया है गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। सरकारी कंपनियों ने बीते शुक्रवार को ही कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में तगड़ी बढ़ोतरी की है। इसके बाद रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल, फूड ट्रॉली और ट्रे में पूड़ी-सब्जी या अन्य खाद्य पदार्थ बेचने वाले लाइसेंसी परेशान हैं। इनका कहना है कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल चलाने वाले लाइसेंसी का रेट साल 2012 में तय हुआ है। तब से महंगाई कहां से कहां चली गई है।

ऐसे में उन्होंने रेल मंत्रालय से रेट में रिवीजन की गुजारिश की है। रेलवे के देश भर के लाइसेंसी वेंडर का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अखिल भारतीय रेलवे खान-पान लाइसेंसीज वेलफेयर एसोसिएशन है। इसने रेल मंत्रालय से रेलवे प्लेटफॉर्मों पर संचालित खान-पान स्टॉल, ट्रॉली, ट्रे, ढाबा और अन्य वेंडिंग यूनिट्स के लाइसेंसधारकों को तत्काल राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन ने सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाया है कि आज से देशभर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब एक हजार रुपये की बढ़ोतरी एक ही दिन में हो गई है। ऐसे में वेंडरों के सामने भारी परेशानी खड़ी हो गई है । एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंदर गुप्ता ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेज कर गुहार लगाई है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से भारत भी प्रभावित है। इस वजह से 1 मार्च 2026 से सरकार द्वारा कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। इसके चलते वेंडर को काम चलाने के लिए 14 किलो के गैस सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं। इसकी कीमत 2,000 से 5,000 रुपये तक पहुंच गई है।

इसलिए रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी हो।उन्होंने एनबीटी को बताया कि रेलवे प्लेटफार्म पर काम करने वाले लाइसेंसी वेंडर के लिए रेट लिस्ट में पिछली बार समीक्षा साल 2012 में हुई थी। तब से लेकर आज तक महंगाई कई गुना बढ़ गई है, लेकिन रेलवे ने रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होने उदाहरण देते हुए बताया कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाली चाय का रेट अभी भी 5 रुपये कप है। वह सवाल पूछते हैं कि इतने कम कीमत पर चाय बेचना संभव है? वह भी लाइसेंस फीस और तरह तरह के टैक्स चुका कर। उल्लेखनीय है कि इन वेंडर की बिक्री में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी पानी के बोतल और चाय की ही होती है।रेलवे के लाइसेंसधारी वेंडरों ने यह भी बताया कि उन पर 18% जीएसटी, 5% जीएसटी ऑन सेल्स, 12% लाइसेंस फीस, 10–15% वेंडर्स कमीशन और 5–10% अन्य करों का अतिरिक्त बोझ है। कुल मिलाकर लगभग 50% राशि टैक्स और शुल्क में चली जाती है। यह सब चुकाने के बाद वास्तविक लाभ मात्र 30% के आसपास ही रह जाता है। एसोसिएशन के अनुसार, देशभर में 20 से 30 प्रतिशत ढाबे, रेस्टोरेंट और होटल पहले ही इस आर्थिक संकट के कारण बंद हो चुके हैं। कई लाइसेंसधारकों ने अपनी 20% से 50% यूनिट्स तक सरेंडर करने के लिए आवेदन दे दिए हैं, क्योंकि वे लगातार भारी नुकसान झेल रहे हैं और कोविड-19 महामारी के वित्तीय प्रभाव से अब तक उबर नहीं पाए हैं।यदि 19 किलो वाले एलपीजी गैस वाले कॉमर्शियल सिलेंडर या हलवाई सिलेंडर की बात करें तो यह बीते छह साल में तीन गुना महंगा हो गया है। एक मई 2020 को इस सिलेंडर के रिफिल का दाम दिल्ली में 1,144.50 रुपये था। बीते शुक्रवार यानी एक मई 2026 को इसकी कीमत बढ़ने के बाद दिल्ली में यह रिफिल 3,071.50 रुपये में मिल रहा है। बीते तीन महीने में ही यह सिलेंडर कुल 1,303 रुपये महंगा हो चुका है।

कोयले से बनाई जाएगी गैस, नहीं होगा पॉल्यूशन
सरकार ने बना लिया 37,500 करोड़ का प्लान

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। कैबिनेट जल्द ही कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंज़ूरी दे सकती है. इस योजना का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता को कम करना है.

सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने वाली इस योजना के लिए कैबिनेट नोट पहले ही तैयार कर लिया है, जिसका वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपए है. इस प्रस्तावित योजना का उद्देश्य पूरे देश में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को गति देना है. इसके साथ ही, इसका टारगेट एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, डीआरआई के ज़रिए कोकिंग कोयला, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है. यह योजना फ्यूल और कैमिकल के प्रोडक्शन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के बेहतर उपयोग को सक्षम बनाती है, और 2030 तक 100 मिलियन टन कोल गैसीफिकेशन क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करती है.

उन्होंने बताया कि यह एक इंटीग्रेटिड स्कीम है जिसमें कोई कैटेगिरी डिविजन नहीं है, और किसी एक प्रोजेक्ट्स के लिए अधिकतम वित्तीय सहायता 3,000 करोड़ रुपए है. सूत्रों ने बताया कि गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स के लिए पिछली वित्तीय प्रोत्साहन योजना में, सरकार ने तीन श्रेणियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की थी.

पैसा बढ़ाना है तो बदलें इंवेस्टमेंट का तरीका
पोस्ट ऑफिस की स्कीम देंगी ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। आज भी ज्यादातर लोग अपनी बचत को सुरक्षित रखने के लिए बैंक एफडी का ही सहारा लेते हैं। लेकिन बढ़ती महंगाई के दौर में 6-7% का रिटर्न कई बार कम पड़ जाता है। ऐसे में अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर कमाई चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं एक अच्छा विकल्प बनकर उभर रही हैं। इन स्कीम्स की खास बात यह है कि इनमें 7।4% से 8।2% तक ब्याज मिल रहा है और साथ ही सरकार की 100% गारंटी भी होती है। यानी आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और रिटर्न भी एफडी से बेहतर मिल सकता है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, जबकि एफड का रिटर्न उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा। इसलिए अब लोग ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जहां पैसा सुरक्षित भी रहे और बेहतर रिटर्न भी मिले। पोस्ट ऑफिस स्कीम्स इस जरूरत को काफी हद तक पूरा करती हैं। बैंक एफडी में केवल 5 लाख तक की ही इंश्योरेंस सुरक्षा मिलती है, जबकि पोस्ट ऑफिस स्कीम्स में पूरी रकम पर सरकार की गारंटी होती है। साथ ही इन स्कीम्स में ब्याज भी अक्सर ज्यादा मिलता है।अगर आप सिर्फ एफडी पर निर्भर हैं, तो आप बेहतर मौके मिस कर सकते हैं। अपने फाइनेंशियल गोल के हिसाब से सही स्कीम चुनें और निवेश को थोड़ा डाइवर्सिफाई करें। इससे आपका पैसा सुरक्षित भी रहेगा और तेजी से बढ़ेगा।

हर पंचायत का तैयार हो रहा मास्टर प्लान

अब गांव का होगा विकास

बांसवाड़ा, 3 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा. गांवों के भविष्य की तस्वीर अब जनता खुद तय करेगी। मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान के तहत हर पंचायत का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें आमजन को आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। इसी विकास खाके पर आने वाले वर्षों में पंचायतों में जनता की अपेक्षाओं को पूरा किया जाएगा। सरकार ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्राम विकास अधिकारियों को इसके लिए विशेष फॉर्मेट भेजा गया है और वे ग्राम सभाओं में जाकर प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य वर्ष 2030, 2035 और 2047 तक गांवों की तस्वीर बदलना है।

इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, पंचायती राज, चिकित्सा सुविधा, राजस्व, कृषि, पशुपालन, जल संसाधन और महिला-बाल विकास विभाग से जुड़ी बुनियादी जरूरतों को चिन्हित कर उन्हें पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। ग्राम सभाओं में पंचायतों की ओर से 198 बिंदुओं पर ग्रामीणों से अपेक्षाएं मांगी जा रही हैं।

इनमें राजस्व विभाग से संबंधित राजस्व ग्राम का गठन और पटवार भवन निर्माण, कृषि विभाग में सिंचाई पाइपलाइन, फार्म पौण्ड, खेतों पर तारबंदी, मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार जैसी आकांक्षाएं शामिल हैं। पशुपालन विभाग में नए पशु चिकित्सालय, उप केंद्र, भवन निर्माण व मरम्मत, सहकारी विभाग में नए पैक्स, लैम्प्स, ग्राम सेवा समितियां, कस्टम हायरिंग केंद्र और गोदाम निर्माण जैसी जरूरतें दर्ज की जा रही है। जल संसाधन विभाग की लघु सिंचाई परियोजनाएं और स्वास्थ्य विभाग में नए उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भवन निर्माण व उपकरणों की व्यवस्था भी प्रमुख बिंदुओं में हैं।

ग्राम सभाओं में अधिकारी ले रहे सुझाव

पंचायतों की अपेक्षाओं को लेकर सरकार भविष्य का मास्टर प्लान तैयार कर रही हैं। इसमें 198 बिन्दुओं पर ग्रामीणों से अपेक्षाएं पूछी गई हैं। विभागीय अधिकारी ग्राम सभाओं में इन अपेक्षाओं पर सुझाव ले रहे हैं, जो बाद में पोर्टल पर अपडेट किए जाएंगे।

'युवा ऊर्जा को सही दिशा देना ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी'

बोले कर्नल राज्यवर्धन राठौर

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जयपुर में आयोजित 'लोकमंथन-हम युवा, विरासत और विकास भी' कार्यक्रम में युवाओं को प्रेरित करते हुए केबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान के क्षेत्रीय संघ चालक डॉ. रमेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में कर्नल राठौर ने कहा कि युवा ऊर्जा को सही दिशा देना ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने जीवन की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूरी सृष्टि के संदर्भ में मानव जीवन बहुत छोटा है, इसलिए प्रत्येक क्षण को सार्थक बनाना हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम अपने जीवन में कुछ सीखते हैं और दूसरों को प्रेरित करते हैं, तो वही सच्ची सफलता है।

उन्होंने सेना का उदाहरण देते हुए बताया कि जब हजारों सैनिक एक ताल में कदम मिलाकर चलते हैं, तभी एक सशक्त और प्रभावी टीम बनती है। इसी तरह समाज और राष्ट्र की मजबूती के लिए सामूहिक प्रयास, अनुशासन और समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से टीमवर्क की भावना विकसित करने और अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कर्नल राठौर ने युवाओं को अपनी ऊर्जा को बनाए रखने के लिए संतुलित खानपान, नियमित दिनचर्या और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जिसे पहचानना और उसे सही दिशा में विकसित करना जरूरी है।

उन्होंने संविधान की मूल भावना 'हम एक हैं' को दोहराते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए एकता, कर्तव्य और स्पष्ट दिशा आवश्यक है। युवाओं से उन्होंने आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

अपने संदेश के अंत में उन्होंने कहा कि यदि युवा संगठित होकर सही दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उनका यह संबोधन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

सचिन पायलट सहित 19 कांग्रेस विधायकों को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने पुनर्विचार याचिका खारिज की

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित 19 विधायकों की अयोग्यता से सम्बन्धित विधानसभा अध्यक्ष के नोटिस से जुड़ा विवाद खारिज करने पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जो मुद्दे उठाए गए थे, वे अब एकेडमिक रह गए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सजीव प्रकाश शर्मा व न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ ने मोहनलाल नामा की पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने इस मामले से संबंधित याचिका को सारहीन मानते हुए निस्तारित कर दिया था।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने कोर्ट को बताया कि 19 दिसंबर, 2023 को आदेश पारित करते समय याचिकाकर्ता को उसका पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया। इसके अलावा हाईकोर्ट ने पूर्व में दलबदल, व्हिप जारी करने का दायरा, विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियां और न्यायिक समीक्षा सहित कुल 13 विधिक बिंदु तय किए थे, जिनको तय किए बिना ही याचिका सारहीन बताकर निस्तारित कर दी गई।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा कि विधायकों के इस्तीफे से जुड़े मामले में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेन्द्र राठौड़ की याचिका पर भी हाईकोर्ट विधिक बिंदु पर सुनवाई कर रहा है, जबकि उस मामले में भी विवाद समाप्त हो चुका है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने नोटिस की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक के हाईकोर्ट आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की, जो अभी लंबित है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 19 दिसंबर 2023 के अदालती आदेश पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और विधिक बिंदु को मौन नहीं छोड़ना चाहिए।

वर्ष 2020 में बढ़ गई थी सियासी हलचल

वर्ष 2020 में सचिन पायलट सहित 19 विधायक मानेसर के रिसॉर्ट में चले गए थे। उन पर तत्कालीन मुख्यमंत्री के लिए सियासी संकट पैदा करने के आरोप लगे थे। इसके बाद तत्कालीन सत्तापक्ष के मुख्य सचेतक महेश जोशी ने विधानसभा अध्यक्ष को शिकायत की, जिसमें इन विधायकों पर पार्टी की ओर से जारी व्हिप की अवहेलना का आरोप लगाया गया। ये विधायक 13 व 14 जुलाई 2020 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भी शामिल नहीं हुए।

सीएस के बयान पर सांसद ने की भजनलाल सरकार की घेराबंदी

लगाया लीपापोती का आरोप

बाड़मेर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की हाईटेक पचपदरा रिफाइनरी में हुई आगजनी की घटना के कारणों में जानने की लगातार कोशिश की जा रही है। अभी तक इस मामले में तकनीकी खामी बताई जा रही है। लेकिन इसी बीच यह घटना राजनीतिक मोड़ भी लेती जा रही है। बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के दावों को सिरे से खारिज करते हुए सरकार की मंशा और जानकारी पर कड़े प्रहार किए हैं। सांसद ने आरोप लगाया है कि सरकार इस गंभीर हादसे की निष्पक्ष जांच कराने के बजाय 'भ्रम' फैलाने और 'लीपापोती' करने में जुटी है।

सांसद बेनीवाल ने मुख्य सचिव के उस बयान को 'गंभीर अज्ञानता' करार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि रिफाइनरी का निर्माण एल&टी द्वारा किया गया है। बेनीवाल ने तथ्यों के साथ दावा किया कि जिस सीडीयू-वीडीयू यूनिट में आग लगी, उसका निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया गया है।

सांसद बेनीवाल से सवाल उठाते हुए पूछा कि सबसे गंभीर बात यह है कि जिस सीडीयू-वीडीयू यूनिट में आग लगी, उसके निर्माण को लेकर स्वयं मुख्य सचिव स्पष्ट जानकारी देने में असमर्थ दिखे या फिर भ्रामक बयान दिए। जिस यूनिट का निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया गया, उसमें लार्सन एंड टूब्रो का नाम लेना या तो गंभीर अज्ञानता दर्शाता है या फिर जानबूझकर भ्रम फैलाने का प्रयास है। जबकि एल&टी यूनिट को ठीक करने और उसके दूरस्तीकरण में सहयोग कर रही है।

जब मुख्य सचिव यह कह रहे हैं कि जांच हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) मैनेजमेंट द्वारा की जा रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राज्य सरकार की भूमिका आखिर क्या है? यदि जांच उसी संस्था के भरोसे छोड़ दी जाए, जो स्वयं इस घटना में कहीं न कहीं जिम्मेदार हो सकती है, तो निष्पक्षता और पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है? क्या सरकार इस गंभीर हादसे में वास्तविक जवाबदेही तय कर पाएगी, या फिर यह मामला भी लीपापोती का शिकार बन जाएगा?

आईआईटी जोधपुर की पेशकश को क्यों ठुकराया?

सांसद ने सबसे तीखा सवाल जांच की निष्पक्षता को लेकर उठाया। उन्होंने खुलासा किया कि आईआईटी जोधपुर ने इस तकनीकी हादसे की जांच में विशेषज्ञ सहयोग की पेशकश की थी, जिसे सरकार ने अनुमति नहीं दी। बेनीवाल ने सवाल किया कि क्या सरकार किसी स्वतंत्र और विशेषज्ञ जांच से डर रही है?

जांच पर सवालः 'आरोपी' ही कर रहा जांच?

मुख्य सचिव ने कहा था कि हादसे की जांच एचपीसीएल मैनेजमेंट द्वारा की जा रही है। इस पर सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि यदि जांच उसी संस्था के भरोसे छोड़ दी जाए जो खुद इस घटना के लिए जिम्मेदार हो सकती है, तो पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है? उन्होंने पूछा कि इस पूरे मामले में राज्य सरकार की अपनी भूमिका क्या है?

टाटा प्रोजेक्ट्स की उपलब्धि और हादसे का विरोधाभास

एक तरफ टाटा प्रोजेक्ट्स ने हाल ही में इस 9 एमएमटीपीए क्षमता वाली रिफाइनरी यूनिट के पहले चरण का मैकेनिकल कंप्लीशन हासिल कर अपनी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का लोहा मनवाया था, वहीं दूसरी ओर कमीशनिंग चरण में प्रवेश करते ही हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व विधायक बाबूलाल बैरवा का निधन

4 बार अलग-अलग पार्टियों से जीतकर रचा था इतिहास

अलवर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति, खासकर अलवर जिले के कठूमर क्षेत्र के लोकप्रिय जननेता और चार बार के विधायक रहे बाबूलाल बैरवा अब हमारे बीच नहीं रहे। रविवार तड़के करीब 3 बजे उन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में अंतिम सांस ली।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार 73 वर्षीय बैरवा पिछले करीब 20 दिनों से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे। वे लंबे समय से हाई ब्लड प्रेशर (BP), शुगर और अस्थमा जैसी बीमारियों से संघर्ष कर रहे थे। 13 अप्रैल को तबीयत अधिक बिगड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद रविवार सुबह उनका शरीर साथ छोड़ गया।

नवंबर 1953 में जन्मे बाबूलाल बैरवा का राजनीतिक सफर बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायक रहा। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियों और निर्दलीय के रूप में भी जनता का दिल जीता।

जमीनी नेता के रूप में पहचान

बाबूलाल बैरवा को कठूमर में एक ऐसे नेता के रूप में याद किया जाता है जो हमेशा जनता के बीच उपलब्ध रहते थे। सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर उनकी पकड़ मजबूत थी। क्षेत्र के लोग बताते हैं कि बैरवा साहब ने दल कोई भी चुना हो, लेकिन उनका लक्ष्य हमेशा कठूमर का विकास ही रहा। उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की छाप आज भी पूरे विधानसभा क्षेत्र में दिखाई देती है।

पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह पर है किसकी नजर?

संदिग्ध वाहन को लेकर पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

बालोतरा, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख नेता और पूर्व सांसद कर्नल मानवेंद्र सिंह इन दिनों कथित तौर पर संदिग्ध निगरानी के मामले को लेकर सुर्खियों में हैं। खुद कर्नल मानवेंद्र सिंह द्वारा किए गए खुलासे के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं और पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से जांचा जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो दिनों के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन कर्नल मानवेंद्र सिंह जसोल की गाड़ी का पीछा करता नजर आया। बताया जा रहा है कि देर रात झालामंड चौराहे के आसपास गुजरात नंबर की एक स्कॉर्पियो गाड़ी उनके वाहन के आगे-पीछे घूमती रही। यह गतिविधि सामान्य नहीं लगी और सुरक्षा में लगे कर्मियों ने भी इसे संदिग्ध माना। घटना यहीं तक सीमित नहीं रही। अगले दिन सुबह वही वाहन उनके निवास के आसपास भी मंडराता देखा गया, जिससे शक और ज्यादा गहरा गया। कर्नल मानवेंद्र सिंह ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी, जिसके बाद पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी गई।

कर्नल मानवेंद्र सिंह ने खुद इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें फिलहाल किसी तरह की सीधी धमकी नहीं मिली है लेकिन जिस तरह से वाहन उनकी गतिविधियों के आसपास देखा गया, वह सामान्य नहीं है और इससे निगरानी की आशंका पैदा होती है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बाड़मेर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को बालोतरा क्षेत्र में तैनात किया गया है और कर्नल मानवेंद्र सिंह के मूवमेंट पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार यह मामला राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों तक भी पहुंच चुका है और इसकी मॉनिटरिंग उच्च स्तर पर की जा रही है।

पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन की पहचान करने और उसमें सवार लोगों के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित रूट्स की भी जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

यह पहला मामला नहीं है जब कर्नल मानवेंद्र सिंह की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हों। इससे पहले भी उन्हें कथित धमकियों के बाद सुरक्षा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

गजब का फर्जीवाड़ाः खुद की कार 'चुराई', फिर बीमा कंपनी से वसूले 12 लाख, 2 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में वैशाली नगर थाना पुलिस ने कार चोरी की झूठी साजिश रचकर बीमा कंपनी को 11.80 लाख रुपए का चूना लगाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले खुद की गाड़ी छिपाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई और फिर बीमा क्लेम की मोटी रकम डकार ली।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी लोकेंद्र सिंह धाकड़ (28) निवासी शिवपुरी, सांगानेर और हितेश कुमावत (30) निवासी कुमावत कॉलोनी अजमेर रोड को गिरफ्तार किया गया। आरोपी लोकेंद्र ने मार्च 2025 में इस जालसाजी की नींव रखी थी।

लोकेंद्र ने शिवदासपुरा थाने में अपनी कार चोरी होने की फर्जी एफआईआर दर्ज कराई और गाड़ी दोस्त रोहित के शाहगंज, आगरा स्थित खाली प्लॉट में खड़ी कर दी।

पुलिस और बीमा कंपनी की आंखों में धूल झोंकते हुए आरोपी ने करीब 11.80 लाख रुपए का क्लेम भी पास करा लिया।

गैराज में चल रही थी 'सबूत' मिटाने की तैयारी

थानाधिकारी आरती सिंह ने बताया कि बीमा राशि हड़पने के बाद आरोपी निश्चित नहीं था। उन्हें डर था कि यदि गाड़ी कहीं खड़ी मिली तो वे पकड़े जाएंगे। इसलिए शातिर ने कार को 'काटने' (पुरजे अलग करने) का प्लान बनाया। वे बिना नंबर की इस कार को खातीपुरा क्षेत्र के एक गैराज में ले आए, ताकि सबूत हमेशा के लिए मिटा सकें।

मुखबिर से मिली सूचना

गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि खातीपुरा के एक गैराज में संदिग्ध वाहन लाया गया है। वैशाली नगर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर मौके से बिना नंबर की कार बरामद की और घेराबंदी कर लोकेंद्र और हितेश को दबोच लिया। सख्ती से पूछताछ हुई तो बीमा क्लेम का पूरा 'कच्चा चिट्ठा' खुल गया।

अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

9 हजार से ज्यादा तलवारें जब्त, तीन गिरफ्तार

राजसमंद, 3 मई (एजेंसियां)। नाथद्वारा क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से कुल 9,228 तलवारें जब्त की हैं। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन और डीवाईएसपी शिप्रा राजावत के सुपरविजन में थाना श्रीनाथजी मंदिर पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। थानाधिकारी विक्रम सिंह के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि उपली ओडन क्षेत्र में एक भंगार गोदाम में अवैध रूप से तलवारें रखी गई हैं और उनका निर्माण व धार लगाने का काम किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश दी, जहां बड़ी संख्या में धारदार और बिना धार वाली तलवारें बरामद हुईं। मौके पर मौजूद अजय सिकलीगर और सोनू सुथार वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

अमन कुमार शर्मा दिल्ली में थे जज, किया सुसाइड

पिता का आरोप-पत्नी की प्रताड़ना से थे परेशान

अलवर/नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में शुक्रवार रात 30 वर्षीय न्यायिक अधिकारी अपने घर में मृत पाए गए। मृतक की पहचान राजस्थान के अलवर निवासी अमन कुमार शर्मा के रूप में हुई है, जो कड़कड़डूमा कोर्ट में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) में सचिव पद पर तैनात थे। शुरुआती जांच में आत्महत्या का मामला सामने आया है। डिफेंस कॉलोनी में रहने वाले उनके बहनोई राजेश कुमार ने सफदरजंग थाने को इसकी सूचना दी। पुलिस अमन को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद अमन के पिता शव को अलवर लेकर चले गए। पुलिस का कहना है कि अब तक किसी तरह की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। उनके मोबाइल को पुलिस ने कब्जे में लिया है। साथ ही घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। इस बीच सामने आया है कि अमन कुमार और उनकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। जज अमन शर्मा के पिता एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा ने रोते हुए बेटे की चिता को मुखाग्नि दी। सुसाइड के बाद अमन की पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर घर से चली गई। अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई। अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली और हरियाणा राजस्थान कैडर के कई वरिष्ठ जज पहुंचे थे।

उधर अमन के रिश्तेदार राजेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात 10 बजे अमन ने पिता को फोन कर कर कहा कि मैं बहुत परेशान हूं, मेरा जीना मुश्किल हो गया है। इसके बाद उनके पिता आधी रात को दिल्ली पहुंच गए। पिता का दावा है कि उन्होंने स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन बहू ने कथिततौर पर उन्हें घर छोड़ने की धमकी दी और कहा, अगर वे नहीं गए तो वह पुलिस बुलाकर उन्हें बंद करवा देंगी।

क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर 51 लोग गिरफ्तार

अवैध हथियार, गांजा और शराब बरामद

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जयपुर पूर्व जिले के कानोता थाना क्षेत्र में पुलिस ने क्षेत्रीय वर्चस्व (एरिया डोमिनेशन) अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा के निर्देशन में 2 मई 2026 को यह विशेष अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना था। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सुथार और थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में कई टीमों का गठन किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने ग्राम बगराना स्थित जे.डी.ए. फ्लैट्स में सघन चेकिंग की। जांच में सामने आया कि कई लोग बिना वैध दस्तावेज, किरायानामा या पुलिस को सूचना दिए वहां निवास कर रहे थे। संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने ऐसे 47 लोगों को गिरफ्तार किया।

इसके अलावा अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें सोहिल नामक युवक के पास से एक देशी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया। वहीं अजय कुमार के कब्जे से 130 ग्राम गांजा मिला। एकता नगर बगराना में महिला कृष्णा देवी को 18 लीटर अवैध देशी हथकड़ शराब के साथ पकड़ा गया। इसी क्रम में त्रिलोक अस्पताल के पास आगरा रोड पर सट्टा खिलाने वाले ईशाक को भी गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 520 रुपये और जुआ सामग्री बरामद हुई।

पुलिस की इस कार्रवाई में कुल 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया और विभिन्न अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया गया।

पुलिस की दबिश पर मंदिर की छत से लगाई छलांग

दो आरोपी गंभीर रूप से घायल

अलवर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान रविवार को एक सनसनीखेज वाकया सामने आया है। टहला थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में पुलिस की दबिश के दौरान खुद को घिरा देख दो शातिर साइबर ठगों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए मंदिर की छत से पीछे की ओर छलांग लगा दी। इस ऊंची कूद के कारण दोनों आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अलवर रेफर किया गया है। पूरा मामला वैशाली नगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक पुराने और लंबित मामले से जुड़ा है। वैशाली नगर थाने के हेड कॉन्स्टेबल इरशाद मोहम्मद ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए पुख्ता जानकारी मिली थी कि थाने के एक प्रकरण में वांछित चल रहे दो मुख्य आरोपी वीरपुर गांव में छिपे हुए हैं।

ऑपरेशन म्यूल हंटरः नागौर में साइबर अपराध पर कड़ा प्रहार

17 करोड़ की ठगी का पर्दाफाश, 21 ठग गिरफ्तार

नागौर, 3 मई (एजेंसियां)। जिले में साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत पुलिस ने 21 साइबर ठगों को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क को हिलाकर रख दिया है।

नागौर जिले में साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के तहत करीब 17 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 28 मामले दर्ज किए हैं। आरोपियों के कब्जे से 59 मोबाइल फोन, 7 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 44 एटीएम कार्ड, 4 बैंक पासबुक, 2 वाई-फाई डोंगल और 1 चेकबुक बरामद की गई है।

जांच में सामने आया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाता था। ये ठग फर्जी वेबसाइट, टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए निवेश, ट्रेडिंग और टास्क पूरा करने के नाम पर लोगों को लालच देते थे और मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर उनसे पैसे ऐंठे जाते थे। इतना ही नहीं ये आरोपी भोले-भाले लोगों को सरकारी योजना, नौकरी या कमीशन का झांसा देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड हासिल कर लेते थे। बाद में इन्हीं खातों को म्यूल अकाउंट बनाकर ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती थी, जिससे असली अपराधियों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता था।

गर्मी में भीड़ को देखते हुए तिरुमला में व्यापक इंतजाम

श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

तिरुमला, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी की छुट्टियों के मद्देनजर और पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की हैं, ताकि दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। टीटीडी प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इंजीनियरिंग विभाग ने करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न कार्य पूरे किए हैं। तेज गर्मी से राहत देने के लिए बतागंगम्मा सर्किल से गोगर्भम डैम सर्किल होते हुए आउटर रिंग रोड तक छायादार शेड लगाए गए हैं। इसके अलावा वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स-2, म्यूजियम परिसर और नारायणगिरि गार्डन्स में भी अतिरिक्त शेल्टर बनाए गए हैं।

क्यू लाइनों में कूलिंग पेंट लगाया गया है तथा प्रतीक्षारत श्रद्धालुओं के लिए अस्थायी शेड की व्यवस्था की गई है। मंदिर के आसपास, लड्डू काउंटर और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया गया है। चार माडा सड़कों पर सिंथेटिक एनामेल कूल पेंट लगाया गया है, जिससे जमीन की गर्मी कम हो सके। स्वास्थ्य विभाग के तहत श्रद्धालुओं को लगातार पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रीवारी सेवकों की तीन टीमों के माध्यम से प्रतिदिन 45 स्वयंसेवक मोबाइल पानी के ड्रमों से जल वितरण कर रहे हैं। स्वच्छता बनाए रखने के लिए क्यू लाइनों में नियमित रूप से कचरा हटाया जा रहा है।

श्रद्धालुओं को त्वरित चिकित्सा सुविधा देने के लिए तिरुमला में 16 चिकित्सा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। आउटर रिंग रोड पर मोबाइल फर्स्ट एड सेंटर और नारायणगिरि गार्डन्स सहित विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं।

लड्डू की बढ़ती मांग को देखते हुए पर्याप्त भंडारण किया गया है। सामान्य दिनों में जहां 3.5 लाख लड्डू उपलब्ध कराए जाते हैं, वहीं गर्मी के सीजन के लिए अतिरिक्त 3.5 लाख लड्डुओं का भंडार रखा गया है। आवास की सीमित उपलब्धता के कारण प्रतिदिन लगभग 60,000 श्रद्धालुओं को ही ठहराया जा सकता है। वर्तमान में करीब 7,500 कमरे और पांच तीर्थयात्री सुविधा कॉम्प्लेक्स उपलब्ध हैं। जिन श्रद्धालुओं को कमरे नहीं मिल पाते, उनके लिए विभिन्न परिसरों में लगभग 9,000 लॉकर की सुविधा दी गई है। एकल व्यक्तियों को कमरे आवंटित नहीं किए जा रहे हैं, ताकि परिवारों को प्राथमिकता मिल सके। केशदान (मुंडन) के लिए मुख्य कल्याणकट्टा के अलावा 11 मिनी कल्याणकट्टा संचालित किए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। भीषण गर्मी को देखते हुए टीटीडी प्रशासन ने छाया, ठंडक, स्वच्छता, पेयजल, आवास, मुंडन और लड्डू उपलब्धता जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और आरामदायक दर्शन का अनुभव मिल सके।

वन विभाग में पहली बार ऑनलाइन अपराध रिपोर्ट प्रणाली शुरू

खम्मम, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिला वन विभाग ने राज्य में पहली बार पुलिस विभाग की तर्ज पर ऑनलाइन पीओआर (अपराध रिपोर्ट) बुकिंग प्रणाली शुरू की है। यह पायलट परियोजना के रूप में लागू की गई है। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) सिद्धार्थ विक्रम सिंह की पहल पर शुरू की गई इस इलेक्ट्रॉनिक पंचनामा अपराध रिपोर्ट (ई-पीओआर) प्रणाली का उद्देश्य वन कानून प्रवर्तन को तकनीक, पारदर्शिता और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के माध्यम से मजबूत करना है। यह प्रणाली पुलिस की डिजिटल एफआईआर और केस प्रबंधन व्यवस्था की तर्ज पर विकसित की गई है। इसके माध्यम से वन अपराधों जैसे अवैध कटाई, वन्यजीव अपराध, वन भूमि अतिक्रमण, वन उत्पादों की अवैध ढुलाई और अन्य उल्लंघनों का त्वरित पंजीकरण और निगरानी संभव होगी। डीएफओ ने कहा कि यह केवल डिजिटलीकरण का प्रयास नहीं है, बल्कि वन प्रवर्तन व्यवस्था में एक बड़ा सुधार है, जिससे मजबूत कानूनी मामले तैयार करने और वन्यजीव संरक्षण को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली से क्षेत्र से ही ऑनलाइन अपराध दर्ज करना, डिजिटल पंचनामा तैयार करना, साक्ष्य का सुरक्षित रिकॉर्ड रखना, मानकीकृत रिपोर्टिंग और विभागीय समन्वय को बेहतर बनाना संभव होगा।

मुफ्त बिजली योजना पर संकट
बकाया भुगतान न होने से बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लॉन्ड्री, धोबीघाट और सैलून को 250 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वितरण कंपनियों को बकाया भुगतान में देरी के कारण योजना के भविष्य को लेकर चिंता जताई जा रही है। यह योजना 1 अप्रैल 2021 से पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई थी, जिसके तहत धोबी समुदाय और हेयर कटिंग सैलून को हर महीने 250 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है। इस योजना से राज्य में 76,060 लॉन्ड्री इकाइयां और 143 धोबीघाट लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं, नाई ब्राह्मण समुदाय के 36,526 सैलून भी इस योजना के दायरे में आते हैं।

हालांकि, पिछले दो वित्तीय वर्षों से वर्तमान सरकार द्वारा वितरण कंपनियों को बकाया भुगतान नहीं किया गया है। तेलंगाना वॉशरमैन कोऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन लिमिटेड पर करीब 247 करोड़ रुपये और तेलंगाना नायी ब्राह्मण कोऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन लिमिटेड पर लगभग 67 करोड़ रुपये का बकाया है। वर्ष 2025-26 के बजट में धोबी सहकारी संघ को 150 करोड़ रुपये और नाई ब्राह्मण संघ को 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, लेकिन जारी की गई राशि का उपयोग नहीं हो सका। इसके चलते पिछले वित्तीय वर्ष में किसी भी लाभार्थी को योजना का लाभ नहीं मिल पाया। कई सैलून संचालकों पर 80 हजार से 1 लाख रुपये तक का बकाया हो चुका है।

इसको लेकर बिजली काटने की चेतावनी भी दी गई थी, हालांकि बाद में संबंधित विभागों को ऐसा कदम न उठाने के निर्देश दिए गए।

विशेषज्ञों का कहना है कि बकाया भुगतान जल्द नहीं किया गया तो योजना प्रभावित हो सकती है और हजारों लाभार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सरकार की आंख और कान हैं व्हिप : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार के लिए व्हिप ही उसकी आंख और कान हैं। एमसीआरएचआरडी में विधानसभा और विधान परिषद के व्हिपों के साथ आयोजित बैठक में उन्होंने यह बात कही। बैठक के दौरान व्हिपों ने राज्य में विभिन्न जनसमस्याओं को मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया। गर्मी के मौसम को देखते हुए अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई जल की आवश्यकताओं के लिए उठाए जाने वाले कदमों के साथ-साथ धान खरीद की प्रगति की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी गई। मुख्यमंत्री ने धान खरीद प्रक्रिया को और तेज करने तथा इससे जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने व्हिपों से कहा कि वे लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्थानीय जिला प्रशासन को समय-समय पर सतर्क करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए और लोगों में यह विश्वास पैदा किया जाए कि उनकी समस्याओं का समाधान सरकार द्वारा शीघ्र किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने सरकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया के उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने व्हिपों से कहा कि वे जनसमस्याओं को सुलझाने के साथ-साथ उन्हें समय-समय पर उनके संज्ञान में भी लाते रहें।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि व्हिपों के साथ समन्वय और जनसमस्याओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए वह सप्ताह में एक दिन विशेष रूप से उपलब्ध रहेंगे। बैठक में पार्टी सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, विधान परिषद के मुख्य व्हिप पटनम महेंद्र रेड्डी, व्हिप आदी श्रीनिवास, बीरला इलैया, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, विजय रमण राव, रामचंद्र नायक, वेमुला वीरेशम, अद्दाकी दयाकर और बलमूर वेंकट सहित अन्य उपस्थित थे।

25,000 करोड़ के कर्ज पुनर्गठन से बढ़ीं चिंताएं

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार ने करीब 25,000 करोड़ रुपये के ऋण पुनर्गठन की प्रक्रिया को फिर से शुरू कर दिया है। सरकार इसे राज्य के कर्ज बोझ को कम करने की दिशा में कदम बता रही है, लेकिन इसके दीर्घकालिक असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वित्त विभाग उच्च ब्याज दर वाले कर्जों को पुनर्गठित कर ब्याज दर को लगभग 11 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है। अधिकारियों का दावा है कि पिछले साल ऐसे प्रयास से करीब 5,000 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत हुई थी और इस बार भी इतनी ही अतिरिक्त बचत की उम्मीद है। हालांकि, केंद्र सरकार पहले इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर चुकी है। बढ़ते कर्ज और राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत तय सीमा को लेकर चिंता जताई गई थी, जिसके चलते राज्य को अपनी योजना वापस लेनी पड़ी थी।

अब राज्य सरकार फिर से संशोधित प्रस्ताव तैयार कर रही है और इसे मंजूरी दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे तत्काल वित्तीय दबाव कम होगा, लेकिन लंबे समय में देनदारियां बढ़ने की आशंका बनी हुई है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, ऋण पुनर्गठन से केवल ब्याज भुगतान कम होता है, मूल कर्ज कम नहीं होता। इससे कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ जाती है और कुल ऋण भार समय के साथ बढ़ सकता है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि बचत का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं हो रहा है, बल्कि नए कर्ज को समायोजित करने में किया जा रहा है। इससे कर्ज का चक्र जारी रहने का खतरा है, जो राज्य की वित्तीय स्थिति को स्थिर करने के उद्देश्य के विपरीत है।

आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 के लिए राज्य की उधारी सीमा 54,009 करोड़ रुपये तय की गई थी, लेकिन पुनर्गठन के बाद इसे बढ़ाकर 71,400 करोड़ रुपये तक कर दिया गया। इसके बावजूद राज्य ने वित्तीय वर्ष के अंत तक करीब 82,150 करोड़ रुपये का कर्ज ले लिया।

तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सीवी आनंद ने अपनी नियुक्त के बाद अपनी मां के एक अलग अंदाम में मुलाकात की और आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को अपनी माँ के चरणों में समर्पित किया है। उनकी यह कार्य दर्शाता है कि सच्ची सफलता केवल पद या प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि संस्कारों और मूल्यों में निहित होती है।

तेलंगाना राज्य में गोहत्या निषेध कानून और हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों को अक्षरश: लागू करने की मांग करते हुए, युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं टीटीडी बोर्ड के पूर्व सदस्य कोलशेट्टी शिवकुमार एवं पूर्षोत्तम गुप्ता, रिद्धिश जागिरदार एवं अन्य।

मिधानि ने एयरोस्पेस फास्टनर्स सुविधा का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने अपने हैदराबाद संयंत्र में अत्याधुनिक एयरोस्पेस फास्टनर्स सुविधा के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस सुविधा का उद्घाटन संजीव कुमार, आईएएस, सचिव (रक्षा उत्पादन), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि भी उपस्थिति थे। इनके अलावा श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, सीवीओ (मिधानि), एसके द्विवेदी, महाप्रबंधक (विपणन एवं एसबीडी) तथा मिधानि के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

धातुकर्म में दशकों के अनुभव के साथ मिधानि उच्च गुणवत्ता वाले एयरोनॉटिकल फास्टनर्स के निर्माण में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित है। उन्नत विनिर्माण क्षमताएं नई सुविधा अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है, जिनमें पूर्णतः स्वचालित वार्म/हॉट हेड फोर्जिंग, थ्रेड रोलिंग एवं फिलेट रोलिंग मशीनें शामिल हैं। ये तकनीकें एयरोस्पेस-ग्रेड फास्टनर्स के उत्पादन में उच्च परिशुद्धता, निरंतरता और दक्षता सुनिश्चित करती हैं।

मिधानि निम्नलिखित प्रकार के फास्टनर्स के निर्माण में विशेषज्ञता रखता है : विशेष इस्पात फास्टनर्स जो अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कार्य करने में सक्षम हैं। टाइटेनियम फास्टनर्स- उच्च शक्ति-से-भार अनुपात के साथ। सुपरएलॉय फास्टनर्स- उच्च तापमान एवं संक्षारणीय वातावरण में उपयोग हेतु उपयुक्त गुणवत्ता आश्वासन एवं इन-हाउस क्षमताएँ। मिधानि उत्पादन के प्रत्येक चरण में कठोर गुणवत्ता नियंत्रण उपायों का पालन करता है। कच्चे माल के निरीक्षण से लेकर अंतिम परीक्षण तक। इस सुविधा में प्रूफ लोड परीक्षण, थ्रेड प्रोफाइलिंग, मैग्नेटिक पार्टिकल निरीक्षण कोटिंग मोटाई परीक्षण तथा सामग्री की पूर्ण ट्रेसबिलिटी जैसी इन-हाउस व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं।

केटी रामाराव की मदद से बची बच्ची, अब बनी सफल छात्रा

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 2020 में केटी रामाराव द्वारा किए गए एक जीवनरक्षक हस्तक्षेप का सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। जिस बच्ची की उन्होंने गंभीर बीमारी में मदद की थी, वह अब स्वस्थ होकर अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर चुकी है। बलमराई निवासी के. नारायण और राजेश्वरी की बेटी सारन्या को वर्ष 2019 में ब्रेन ट्यमर का पता चला था। इलाज के लिए करीब 20 लाख रुपये की जरूरत थी और आरोग्यश्री योजना का लाभ न मिलने से परिवार को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वर्ष 2020 में सोशल मीडिया पर मदद की अपील सामने आने के बाद केटी रामाराव ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद उनके कार्यालय की टीम ने बच्ची के इलाज और भर्ती की पूरी व्यवस्था कराई। बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल में सारन्या का ऑपरेशन, स्टेंट लगाना, रेडिएशन थेरेपी और अन्य जरूरी उपचार नि:शुल्क कराए गए। साथ ही अन्य चिकित्सा खर्चों में भी सहायता दी गई। अब सारन्या पूरी तरह स्वस्थ हो चुकी हैं और हाल ही में एसएससी परीक्षा पास की है। उनके परिवार ने नंदी नगर स्थित केटी रामाराव के आवास पर पहुंचकर उनका आभार जताया। इस दौरान उन्होंने बच्ची को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और बड़े लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया।

पांचों राज्यों में जीत के लिए मंदिर में पूजा

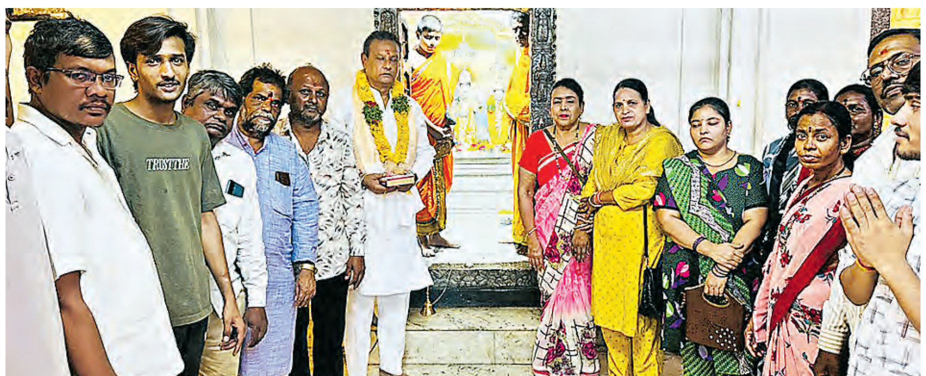

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल ने आज भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर, 4 मई को पांच राज्यों में होने वाली मतगणना में भाजपा की जीत के लिए गौलीगुडा स्थित राम मंदिर में पहुंच कर प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि इन राज्यों में जीत के साथ ही नरेंद्र मोदी के हाथ और मजबूत होंगे। इसके बाद वे देश को आगे बढ़ाने के लिए और तेजी से काम करेंगे। उनके नेतृत्व मोदी की जीत की कामना की गई। कार्यक्रम में रचना गुप्ता, वेंकट रेड्डी, संदीप जैन, हरिनाथ शंकर, अनिल यादव, बालाजी, कल्पना और दीपा उपस्थित रहे।

हैदराबाद राजपुरोहित विकास समिति पाली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित व नवलगढ़ विधायक विक्रमसिंह शेखावत का राजस्थानी परमपरा साफे से सम्मानकर उपस्थित तेलंगाना भाजपा संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, ए.पी.महाजन कॉपोरेटिव अर्बन बैंक चेयरमैन पारसमल रांका, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, राजेश जांगिड़, महावीर कुमावत व अन्य।

बच्चों के लिए समर कैंप बने पसंदीदा विकल्प

खेल से लेकर रोबोटिक्स तक कई विकल्प उपलब्ध

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही अभिभावक अपने बच्चों को व्यस्त और सक्रिय रखने के लिए समर कैंप का सहारा ले रहे हैं। ये कैंप बच्चों को मनोरंजन, सीखने और सामाजिक गतिविधियों का अच्छा अवसर दे रहे हैं। सबसे प्रमुख विकल्पों में तेलंगाना खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित कैंप शामिल हैं।

ये कैंप एलबी स्टेडियम जैसे स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं, जहां क्रिकेट, बैडमिंटन और तैराकी जैसे खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा, गेमपॉइंट अकादमी का समर स्पोर्ट्स कैंप भी काफी लोकप्रिय है। यहां बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, तैराकी, स्क्वैश और शतरंज की कोचिंग दी जाती है, जिससे बच्चे नई-नई खेल गतिविधियां सीखते हैं।

छोटे बच्चों के लिए लिटिल जिम समर कैंप एक अच्छा विकल्प है। इसमें जिमनास्टिक्स, बिना आग के खाना बनाना, विज्ञान प्रयोग और मिट्टी से मॉडल बनाना जैसी गतिविधियां कराई जाती हैं। तकनीक में रुचि रखने वाले बच्चों के लिए किटोलिट का एआई और रोबोटिक्स कैंप भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां बच्चों को रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और विज्ञान से जुड़ी गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव कराया जाता है। वहीं, हॉबी नेशन के क्रिएटिव कैंप में पेंटिंग, पॉटरी, डांस और पब्लिक स्पीकिंग जैसी गतिविधियों के जरिए बच्चों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया जाता है।

भीषण गर्मी, तापमान 44 डिग्री के पार

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले 24 घंटों के दौरान गर्मी का प्रकोप काफी बढ़ गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार कई जिलों में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। उत्तरी जिलों में सबसे अधिक असर देखने को मिला है। निज़ामाबाद में 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे ज्यादा रहा। इसके बाद आदिलाबाद में 43.8 डिग्री और मेदक में 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, रामागुंडम में 43 डिग्री और खम्मम में 42.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

राजधानी हैदराबाद में भी गर्मी का असर बना हुआ है। बेगमपेट में अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री, हकीमपेट में 41.6 डिग्री और हयातनगर में 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। आईएमडी ने निज़ामाबाद, आदिलाबाद और हैदराबाद समेत कई जिलों के लिए अगले 48 घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। कुछ क्षेत्रों में शाम के समय गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई गई है। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस सरकार ने जनता के लिए कुछ नहीं किया : एर्रोला श्रीनिवास

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एससी कॉर्पोरेशन अध्यक्ष एर्रोला श्रीनिवास ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने जनता के लिए कोई काम नहीं किया है और केवल छोटी राजनीति में लगी हुई है। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि यदि भ्रष्टाचार पर कोई कॉलेज खोला जाए तो कांग्रेस सरकार ही उसका पाठ्यक्रम होगी। उन्होंने एचएएम (हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल) सड़कों के टेंडर 25 प्रतिशत अतिरिक्त मार्जिन पर देने के आरोपों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा।

श्रीनिवास ने अवैध खनन के मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी पार्टी पहले ही इसके सबूत पेश कर चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सभी विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है और जनता का पैसा लूटा जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे केवल समय बिता रहे हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों में कथित टैक्स वसूली के आरोप लगाते हुए कहा कि वित्त, सिंचाई, आबकारी और परिवहन विभागों में अलग-अलग नामों से भ्रष्टाचार हो रहा है। एर्रोला श्रीनिवास ने कहा कि जनता सब देख रही है और समय आने पर जवाब देगी। उन्होंने कांग्रेस को स्कैमग्रेस करार देते हुए कहा कि घोटालों का इतिहास पार्टी के गांधी भवन से शुरू होता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइज़र्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

हैदराबाद, 3 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। हैदराबाद ने राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन पूरी टीम 19 ओवर में 165 रन पर सिमट गई।

166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कोलकाता के लिए अंगकृष रघुवंशी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 बॉल पर 59 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 43 रन का योगदान दिया। रघुवंशी और रहाणे के बीच दूसरे विकेट के लिए 84 रन की पार्टनरशिप हुई। रिंकू सिंह ने 11 बॉल पर नाबाद 22 रन बनाए। हैदराबाद के लिए पैट कमिंस, शिवांग कुमार औक साकिब हुसैन को 1-1 विकेट मिला।

इससे पहले, हैदराबाद के लिए ट्रैविस हेड ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 28 बॉल पर 61 रन बनाए। जबकि ईशान किशन ने 42 रन की अहम पारी खेली। हेड और ईशान के बीच दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी हुई। वहीं कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। सुनील नरेन और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट लिए।

इस मैच में सुनील नरेन ने 4 ओवर फेंकते हुए 31 रन दिए और 2 विकेट चटकाए। उन्होंने साहिल अरोड़ा और ईशान किशन को आउट किया। खासतौर पर साहिल अरोड़ा का विकेट उनके लिए बेहद यादगार रहा, क्योंकि इसी विकेट के साथ नरेन ने आईपीएल में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। 197 आईपीएल मैचों में अब नरेन के नाम 201 विकेट हो गए हैं। वह आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार

यह मुकाम हासिल कर चुके हैं। लेकिन विदेशी खिलाड़ी के रूप में 200 विकेट लेने वाले वह पहले गेंदबाज हैं। सबसे खास बात यह है कि नरेन ने अपने सभी 201 विकेट सिर्फ कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए लिए हैं। वह साल 2012 से लगातार केकेआर का हिस्सा हैं। आईपीएल इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी खिलाड़ी ने एक ही टीम के लिए 200 विकेट पूरे किए हों। उन्होंने पिछले 14 सालों से केकेआर के लिए मैचों में अहम भूमिका निभाई है और अब यह मील का पत्थर उनके करियर के लिए और भी यादगार बना गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ सुनील नरेन के लिए बल्कि पूरी केकेआर फ्रेंचाइजी के लिए गर्व का पल है।

रेसलर विनेश फोगाट बोलीं-बृजभूषण के शोषण की मैं भी विक्टिम

गोंडा में कुश्ती लड़ना मुश्किल होगा, वहां मेरे साथ गलत हुआ तो सरकार जिम्मेदार

पानीपत, 3 मई (एजेंसियां)। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है। आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं। मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100% दे पाऊंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा।

मैं और मेरी टीम कॉम्पिटीशन लड़ेगी, अगर किसी के साथ कुछ गलत होता है तो इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी। बता दें कि करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया था। विनेश हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं। बृजभूषण भाजपा के पूर्व सांसद हैं। वर्तमान में उनका एक बेटा यूपी से सांसद और एक विधायक है।

पिछले डेढ़ साल से मैट से दूर थी

विनेश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा- आप सब को नमस्कार। जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेसलिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेसलिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं।

जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेसलिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं।

अगर प्रतियोगिता के दौरान मेरे साथ, मेरी टीम के साथ या मेरे समर्थकों के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदार भारत सरकार होगी।

गोंडा में 'सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट' से पहले बोलीं विनेश फोगाट

विनेश ने आगे कहा कि मैं आप सबके साथ वीडियो के माध्यम से कुछ बातें साझा करना चाहती हूं। आज से करीब एक महीना पहले रेसलिंग फेडरेशन ने एक कॉम्पिटिशन का अनाउंसमेंट किया गया। यह टूर्नामेंट जहां पर ऑर्गनाइज करवाया जा रहा है, वो गोंडा यूपी है। जहां बृजभूषण का घर है। वहां उसका प्राइवेट कॉलेज है। वहां पर मेहनत करने वाले हर खिलाड़ी को उसका हक मिलेगा, यह बड़ा नामुमकिन और बहुत इम्पॉसिबल चीज है।

सरकार ने सब बृजभूषण के सहारे छोड़ा

विनेश ने कहा, कौन रेफरी, किसके मैच में जाएगा। कौन रेफरी कितने पॉइंट देगा, कौन मैच चेयरमैन कहां पर बैठेगा, किसको जितवाना है, किसको हरवाना है। ये सब बृजभूषण और उसके लोगों द्वारा कंट्रोल किया जाएगा। सरकार और हमारा खेल मंत्रालय मूक दर्शक बनकर इस चीज को देख रहा है। कोई खिलाड़ियों की मदद के लिए आगे नहीं आ रहा, मानो बृजभूषण को फ्री हैंड दिया हुआ है कि तुम जो मर्जी करो। चाहे तुम महिला पहलवानों के साथ कुछ करो या तुम कुश्ती जगत के साथ कुछ भी करो। हम तुम्हारे साथ में खड़े हैं। सभी मेहनती खिलाड़ियों का वजन सही से चेक किया जाएगा, उनकी मेहनत का असल रिजल्ट मैट पर निकलकर आएगा, ऐसा मुझे नहीं लगता।

विनेश ने कहा कि आज से तीन साल पहले हमने सेक्सुअल हैरेसमेंट के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। उससे संबंधित केस कोर्ट में पेंडिंग है। 6 महिला खिलाड़ियों ने उसमें शिकायत और गवाही दी थी, उस केस में गवाहियां चल रही है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है कि किसी भी पीड़ित की पहचान को सार्वजनिक न किया जाए, क्योंकि उनकी गरिमा और मान सम्मान की बात होती है। आज कुछ मजबूरियां ऐसी है कि मैं आप सभी को कुछ बताना चाहती हूं। मैं अभी नहीं बोलना चाहती थी, क्योंकि कोर्ट में केस पेंडिंग है। देश के सामने सब सच्चाई सामने आ जाएगी। मैं बताना चाहती हूं कि उन 6 में से एक विक्टिम मैं खुद हूं, जिन्होंने शिकायत दी थी।

18 जनवरी 2023 को रेसलर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देकर बृजभूषण पर महिला रेसलर्स के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। विनेश फोगाट ने रोते हुए कहा था- बृजभूषण शरण सिंह और कोच नेशनल कैंप में महिला रेसलर्स का यौन उत्पीड़न करते हैं। बृजभूषण खिलाड़ियों के होटल में रुकते थे, जो नियमों के खिलाफ है। टोक्यो ओलिंपिक में हार के बाद डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष ने मुझे खोटा सिक्का कहा था।

इन आरोपों पर कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण ने सफाई देते हुए कहा था- किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं हुआ है। अगर हुआ है तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने धरने को स्पॉन्सर्ड बताते हुए इसके पीछे हरियाणा कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को बताया था। उन्होंने कहा था कि अब ये खिलाड़ी नेशनल लेवल पर भी खेलने योग्य नहीं रहे।

मित्तल परिवार ने 15,660 करोड़ में खरीदी राजस्थान रॉयल्स

आईपीएल फ्रेंचाइजी में 75% हिस्सेदारी होगी; अदार पूनावाला भी पार्टनर

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स को उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल और आदित्य मित्तल ने खरीद लिया है। अदार पूनावाला के साथ पार्टनरशिप में फ्रेंचाइजी को खरीदने का समझौता किया है।

इस डील की अनुमानित एंटरप्राइज वैल्यू करीब 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 15,660 करोड़ रुपए) बताई जा रही है। जो इसे आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी निवेश डील्स में शामिल करती है।

डील पूरी होने के बाद मित्तल परिवार के पास राजस्थान रॉयल्स की लगभग 75% हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला करीब 18% हिस्सेदारी के साथ साझेदार बने रहेंगे। वहीं, बाकी 7% हिस्सेदारी मनोज बडाले और अन्य मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी।

मनोज बडाले फ्रेंचाइजी से जुड़े रहेंगे और अपने अनुभव के जरिए टीम को मार्गदर्शन देते रहेंगे, जिससे पुराने और नए मैनेजमेंट

लक्ष्मी मित्तल और आदित्य मित्तल

के बीच संतुलन बना रहेगा।

राजस्थान रॉयल्स अब केवल आईपीएल टीम तक सीमित नहीं रही है, बल्कि एक ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन चुकी है। इस सौदे में केवल आईपीएल टीम ही नहीं, राजस्थान रॉयल्स के मालिकाना हक वाली दक्षिण अफ्रीका की 'पार्ल रॉयल्स' और कैरेबियन लीग की 'बारबाडोस रॉयल्स' भी शामिल हैं। हालांकि यह डील अभी नियामक मंजूरियों पर निर्भर है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड , आईपीएल गवर्निंग काउंसिल और अन्य संबंधित संस्थाओं की स्वीकृति के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। अनुमान है कि सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद यह सौदा सितंबर 2026 तक पूरा हो सकता है।

नए मालिकाना स्ट्रक्चर में लक्ष्मी एन. मित्तल, आदित्य मित्तल, वनिशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले बोर्ड में शामिल होंगे। इससे पहले अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कंसोर्टियम ने 1.63 बिलियन डॉलर (करीब 15,289 करोड़ रुपए) की रिकॉर्ड बोली लगाकर फ्रेंचाइजी को खरीदा। उसे एक्सक्लूसिविटी मिल भी गई थी, लेकिन बाद में यह सौदा नहीं हो सका। मित्तल परिवार का राजस्थान से गहरा जुड़ाव भी इस डील को खास बनाता है, क्योंकि लक्ष्मी मित्तल का जन्म चूरू जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। इसके बाद उनका परिवार कोलकाता चला गया था।

लक्ष्मी मित्तल ने कहा- क्रिकेट के प्रति लगाव बचपन से रहा है और राजस्थान रॉयल्स से जुड़ना गर्व का विषय है। उन्होंने टीम की विरासत को आगे बढ़ाने और फैंस के साथ इस सफर का हिस्सा बनने की बात कही।

शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल का पहला सीजन 2008 में जीता था। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन नीचे जाने लगा। उसके बाद से टीम सिर्फ एक बार 2022 में फाइनल में पहुंची है। तब गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उसे हार मिली।

आईपीएल में चेन्नई की उम्मीदें कायम

मुंबई मुश्किल में, सभी मैच जीतने ही होंगे

चेन्नई, 3 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से हराया। टीम ने इंडियंस को सीजन में दूसरी बार पटखनी दी है। इस जीत से चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी है। वहीं, मुंबई इंडियंस की राह बहुत ही ज्यादा मुश्किल हो गई है।

मुंबई को हराने के बाद चेन्नई ने मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल में दिल्ली कैपिटल्स को पीछे छोड़ दिया है।

ऋतुराज गायकवाड की टीम ने सीजन में 9 मैच खेल लिए हैं। टीम ने चौथी जीत हासिल की है। टीम 8 अंक के साथ एक स्थान के फायदे के साथ छठे नंबर पर आ गई है।

मुंबई को 7वीं हार का सामना करना पड़ा है। टीम 9 में से 2 मैच ही जीत सकी है। मुंबई यहां से सभी मैच जीतती है तो उसके 14 अंक होंगे। पिछले चार आईपीएल सीजन में सिर्फ एक बार कोई टीम महज 14 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसा पिछले ही सीजन में हुआ था। 2022, 2023 और 2024 में चौथे प्ले-ऑफ की सभी टीमों ने कम से कम 16 पॉइंट्स हासिल किए थे।

गुजरात टॉप-4 की रेस में कायम

गुजरात की टीम भी प्लेऑफ की रेस में कायम है। टीम ने 9 में से 5 मैच जीते हैं। वह 10 अंक के साथ 5वें स्थान पर है। आज गुजरात के पास जीत के साथ शीर्ष-4 में स्थान हासिल करने का मौका है। हालांकि, प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे 6 में से कम से कम 3 मैच जीतने होंगे।

पंजाब प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे

टेबल टॉप पंजाब की टीम प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे है। टीम 8 में से 6 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। एक नो रिजल्ट मैच के सहारे उसके पास 13 अंक हैं। श्रेयस अय्यर की टीम की टीम आज जीत से प्लेऑफ के और करीब पहुंच जाएगी।

चेन्नई-मुंबई मैच के बाद ऑरेंज कैप के लीडरबोर्ड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। केएल राहुल 433 रन के साथ आईपीएल सीजन के टॉप स्कोरर की लिस्ट में पहले स्थान हैं। आज के मैच में अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासन के पास ऑरेंज कैप हासिल करने का मौका है। वे दोनों क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

चेन्नई के पेसर अंशुल कम्बोज ने मुंबई के खिलाफ 3 विकेट झटके। 9 मैचों में उनके 17 विकेट हो गए हैं। अंशुल पर्पल कैप होल्डर भुवनेंश्वर कुमार की बराबरी पर है। आज हैदराबाद के ईशान मलिंगा और गुजरात के कगिसो रबाडा के पास पर्पल कैप हासिल करने का मौका होगा।

टीम इंडिया के लिए डेब्यू भी नहीं किया

अब सीधे मिला बड़ा मौका, डब्ल्यूपीएल में रचा था इतिहास

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद अब भारतीय टीम की नजरें टी20 के खिताब पर टिक गई हैं. जून 2026 में इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन होने जा रहा है और इसके लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है. दिग्गज कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में इस स्क्वॉड में ज्यादातर खिलाड़ियों के सेलेक्शन उम्मीद के मुताबिक रहे हैं लेकिन एक खिलाड़ी की एंट्री ने चौंकाया है. ये खिलाड़ी हैं तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा, जिन्होंने अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है.

24 साल की गेंदबाज नंदनी

शर्मा का नाम टीम इंडिया के सेलेक्शन में आया. बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में हुई सेलेक्शन मीटिंग के बाद जब टीम का ऐलान हुआ तो 15 खिलाड़ियों के स्क्वॉड में नंदनी के नाम पर सबसे ज्यादा हैरानी हुई. हैरानी इसलिए क्योंकि नंदनी को पहली बार ही किसी भी फॉर्मेट में टीम इंडिया से बुलावा आया है. इससे पहले उन्हें कभी-भी किसी सीरीज या टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया में नहीं चुना गया था.

इस प्रदर्शन के कारण नंदनी का सेलेक्शन

मगर चंडीगढ़ के लिए खेलने वाली दाएं हाथ की पेसर नंदनी को फिर भी चुना गया है और इसकी वजह उनका घरेलू क्रिकेट और विमेंस प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन है. नंदनी ने पहली बार WPL 2026 सीजन में अपनी छाप छोड़ी, जहां वो दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं. उन्होंने इस दौरान एक ही मैच में हैट्रिक और 5 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था.

पूर्व एफ1 ड्राइवर और पैरालंपिक चैंपियन जनार्डी का निधन, 59 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

खेल डेस्क, 3 मई (एजेंसियां)। एलेक्स जनार्डी का 59 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने एक बयान जारी करते हुए इसकी पुष्टि की। परिवार के अनुसार, पूर्व चैंपियन ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। जनार्डी अपने शानदार कमबैक के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। साल 2001 में एक रेसिंग दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे, जिससे उनका मोटर रेसिंग करियर समाप्त हो गया। हालांकि, जनार्डी ने हार नहीं मानी और पैरा साइकिलिंग में पहचान बनाई। इटली का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने पैरालंपिक गेम्स 2012 और 2016 में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीते। जनार्डी के परिवार ने घोषणा की, बड़े दुख के साथ परिवार एलेसेंड्रो जनार्डी के निधन की घोषणा करता है, जो कल शाम, 1 मई को हुआ। एलेक्स का निधन शांतिपूर्वक हुआ, उस समय उनके आस-पास उनका परिवार और दोस्त मौजूद थे। परिवार उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता है, जो इस समय अपना समर्थन दिखा रहे हैं, और अनुरोध करता है कि शोक की इस अवधि के दौरान उनके दुख और निजता का सम्मान किया जाए।

बीसीसीआई इंपैक्ट प्लेयर के नियम पर आईपीएल 2026 के बाद करेगी विचार

सचिव देवजीत सैकिया ने दिया बड़ा बयान

खेल डेस्क, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में जब से इंपैक्ट प्लेयर का नियम आया है. उसके बाद से ही कुछ लोग इसका विरोध करते हैं, तो वहीं कुछ ने इसे अच्छा नियम बताया है. हालांकि कई दिग्गज खिलाड़ी भी इस नियम को हटाने की मांग कर रहे हैं. जिसके बारे में अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बात की है.

आईपीएल में जब से इंपैक्ट प्लेयर नियम आया है, तब से रनों के अंबार लग रहे हैं. 12 खिलाड़ी आईपीएल में अब खेलते हुए नजर आते हैं. जिसके कारण ही कुछ

खिलाड़ी इस नियम से खुश नहीं है. ऑलराउंडर प्लेयर्स की इस नियम के कारण कमी होती जा रही है. कुछ फैंस इस नियम को जल्द ही आईपीएल से हटाने की मांग कर रहे हैं. जिसके कारण अब इस बारे में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयान दिया. आईपीएल 2026 के बाद इसके बारे में विचार हो सकता है.

इंपैक्ट प्लेयर के नियम को लेकर अब चर्चा बहुत तेज हो गई है. मीडिया से बात करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इंपैक्ट प्लेयर को लेकर कहा, कुछ कम स्कोर वाले मैच भी हो रहे हैं. सभी फैंस मैच का मजा ले रहे हैं. गेंदबाजों को भी विकेट मिल रहे हैं. अगर आप पूरा स्कोरकार्ड देखें तो कुछ टीमें कम स्कोर बना रही हैं और कुछ 260 रन का पीछा भी कर रही है.

पीएसएल 2026: 6 गेंदों में बनाने थे 6 रन, फिर 22 साल के पाकिस्तानी गेंदबाज हुनैन शाह ने फेंका करिश्माई ओवर, टीम को फाइनल में पहुंचाया

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के एलिमिनेटर 2 मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन ने रोमांचक जीत दर्ज की. उन्होंने इस्लामाबाद यूनाइटेड को सिर्फ 2 रन से हराकर फाइनल में एंट्री कर ली. इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली और मुकाबले का नतीजा आखिरी गेंद पर निकला. इस दौरान 22 साल के हुनैन शाह ने कमाल का आखिरी ओवर फेंका, जिसके दम पर हैदराबाद की टीम फाइनल का टिकट हासिल कर सकी.

इस मैच में हैदराबाद किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 186 रन बनाए. इस

दौरान उस्मान खान ने नाबाद 61 रन की शानदार पारी खेली, वहीं मार्नस लाबुशेन, सैम अयूब और कुसल परेरा ने भी उपयोगी योगदान दिया. दूसरी ओर इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए इमाद वसीम ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. जिसके चलते इस्लामाबाद यूनाइटेड को 187 रनों का टारगेट मिला. जवाब में टीम ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन बीच में विकेट गिरने से दबाव में आ गई. मार्क चैपमैन ने 43 रन बनाए, हैदर अली 31 रन और क्रिस ग्रीन ने 21 रन उपयोगी पारियां खेलीं. लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके.

दरअसल, 20वें ओवर में इस्लामाबाद को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे. यहां हुनैन शाह ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने ओवर की शुरुआत डॉट बॉल से की और फिर लगातार पांच यॉर्कर फेंकीं. इस दौरान फहीम अशरफ को आउट किया और सिर्फ 3 रन खर्च किए. आखिरी गेंद पर सिर्फ लेग बाय मिला, जिससे हैदराबाद 2 रन से जीत गया. हुनैन ने इस मैच में कुल 2 विकेट भी हासिल किए, जिसके लिए हुनैन शाह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

यह जीत हैदराबाद किंग्समेन के लिए काफी खास रही. सीजन की शुरुआत में पहले 4 मैच हारने के बाद टीम ने शानदार वापसी की है और अब लगातार 7 में से 8 मैच जीत चुकी है. फाइनल में उनका सामना पेशावर जाल्मी से होगा. पाकिस्तानी सुपर लीग के इतिहास में ये पहला मौका है जब कोई टीम शुरुआत 4 मैच हारने के बाद फाइनल खेलने वाली है. ऐसे में हैदराबाद किंग्समेन के पास खिताब जीतने का बड़ा मौका भी है.

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत फ्रांस से हारा

चोट की वजह से लक्ष्य सेन नहीं खेले, श्रीकांत और प्रणय भी हारे

होर्सेन्स (डेनमार्क), 3 मई (एजेंसियां)। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से हारकर बाहर हो गई। 2022 की चैंपियन भारतीय टीम 3-0 से हारी। इस मुकाबले में भारत का कोई खिलाड़ी मैच नहीं जीत सका। मैच से पहले ही लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा, जो टीम के लिए बड़ा झटका था।

फ्रांस ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ग्रुप स्टेज में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराने के बाद भारत को भी एकतरफा मुकाबले में हराया। क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान लक्ष्य सेन को दाहिनी कोहनी में चोट लग गई थी। मैच के दौरान कई बार डाइव लगाने की वजह से उनकी कोहनी में सूजन आ गई थी। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बताया कि मेडिकल स्टाफ की सलाह पर एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया ताकि वे गंभीर चोट से बच सकें। उनकी गैरमौजूदगी में भारत की चुनौती कमजोर पड़ गई। मुकाबले की शुरुआत में आयुष शेट्टी का सामना क्रिस्टो पोपोव से हुआ। पोपोव ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बनाए रखा और नेट पर शानदार खेल दिखाया। उन्होंने आयुष को 21-11, 21-9 से हराकर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। 39 मिनट तक चले इस मैच में आयुष कहीं भी टिकते नजर नहीं आए। कल अपना 21वां जन्मदिन मनाने जा रहे आयुष ने हार के बाद कहा, क्रिस्टो आज काफी बेहतर खेल रहे थे। उनकी स्पीड और गेम प्लान ने मुझे दबाव में डाल दिया। दूसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का मुकाबला एलेक्स लानियर से था। श्रीकांत ने लड़ने की कोशिश की, लेकिन लानियर ने सीधे गेम में 21-18, 21-16 से जीत दर्ज कर फ्रांस की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 'डू और डाई' मुकाबले में एचएस प्रणय कोर्ट पर उतरे।

सरकारी दफ्तरों के चक्कर खत्म होंगे : पोंगुलेटी

प्रजा दरबार में मंत्री ने भाग लिया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि जन सरकार का उद्देश्य नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्त करना है।

इसके लिए अधिकारी स्वयं लोगों के बीच जाकर उनकी शिकायतें प्राप्त कर मौके पर ही समाधान कर रहे हैं। रविवार को खम्मम जिले के कुसुमांची स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित प्रजा दरबार में मंत्री ने भाग लिया। इस दौरान जिला कलेक्टर दिवाकर टी.एस. और अतिरिक्त कलेक्टर डॉ.पी. श्रीजा भी उपस्थित रहे। मंत्री ने आम लोगों से सीधे आवेदन प्राप्त किए और अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जन सरकार के गठन के बाद से पारदर्शी प्रशासन को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाया गया है। हर आवेदन की गंभीरता से जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आश्वासन दिया कि पालेयरू विधानसभा क्षेत्र में आयोजित हो रहे प्रजा दरबारों के माध्यम से सभी पात्र आवेदनों का बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के समाधान किया जाएगा। सरकार सदा बैनामा, प्रतिबंधित भूमि सूची और भूमि अभिलेखों से जुड़ी लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए विशेष प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि 99 दिनों की प्रजापालन प्रगति योजना के तहत कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है। प्रत्येक पात्र लाभार्थी को समय पर न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि प्रजा दरबार में प्राप्त अधिकांश आवेदन इंदिरम्मा आवास से संबंधित हैं और इसके लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि आवास निर्माण के लिए धनराशि हर सोमवार सीधे लाभार्थियों के खातों में जमा की जा रही है तथा इंदिरम्मा आवास योजना के दूसरे चरण को मई के अंत तक मंजूरी दी जाएगी। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि धान और मक्का की फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और किसानों के खातों में एक सप्ताह के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है।

फीस प्रतिपूर्ति योजना बंद हुई तो सीएम को चैन से नहीं बैठने देंगे : आर. कृष्णैया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य एवं नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने चेतावनी दी है कि यदि फीस प्रतिपूर्ति योजना को बिना किसी बदलाव के जारी नहीं रखा गया तो वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चैन से नहीं बैठने देंगे। रविवार को बशीरबाग में विभिन्न बीसी छात्र, युवा एवं कल्याण संगठनों के तत्वावधान में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कृष्णैया ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस योजना को खत्म करने की साजिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि इसके विरोध में आंदोलन को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि जून में 5 लाख छात्रों के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा और राज्य मंत्रियों व विधायकों की आवाजाही भी रोकी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल में उन्होंने पांच दिन का आमरण अनशन कर फीस प्रतिपूर्ति योजना लागू कराई थी। बाद में के. रोसैया और एन. किरण कुमार रेड्डी ने इसे खत्म करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि केसीआर ने भी इस योजना को जारी रखा, लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इसे समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। कृष्णैया ने आरोप लगाया कि सरकार गरीब छात्रों की फीस का भुगतान नहीं कर रही, जबकि ठेकेदारों को हजारों करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त होनी चाहिए तथा लंबित फीस प्रतिपूर्ति राशि तुरंत जारी की जाए और जी.ओ. नंबर 7 को रद्द किया जाए। उन्होंने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत करने की भी चेतावनी दी।

5 मई से गर्मी से राहत, बारिश और आंधी का अलर्ट

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 5 से 8 मई के बीच तापमान में गिरावट आएगी और मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी के मुताबिक, अगले 48 घंटों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, लेकिन 5 मई से इसमें 2 से 3 डिग्री की कमी आने लगेगी। 6 मई को कई जिलों में तेज आंधी, बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, वारंगल और हनुमाकोंडा जैसे जिलों में 5 और 6 मई को भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

6 और 7 मई तक राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान घटकर 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंचने की संभावना है, जिससे लू से काफी राहत मिलेगी। आईएमडी ने 7 मई को पूरे तेलंगाना में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ व्यापक तूफान की चेतावनी जारी की है। वहीं 9 मई तक राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है।

20 एकड़ से 3,000 एकड़ तक पहुंची संकर धान की खेती

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दाहेगांव क्षेत्र में संकर धान की खेती ने नई मिसाल कायम की है। आठ साल पहले मात्र 20 एकड़ में प्रयोग के तौर पर शुरू हुई यह खेती अब बढ़कर करीब 3,000 एकड़ तक पहुंच गई है। दाहेगांव, कोंचावल्ली, पंबापुर, ओड्डुगुडा, लगगम, कलवाड़ा, सालिगांव और मदावल्ली गांवों के किसान अब इस खेती की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। अनुकूल जमीन और बीज उत्पादकों के सहयोग से यह बदलाव संभव हुआ है। कृषि अधिकारियों के अनुसार, इस फसल की अवधि लगभग 120 दिन होती है और इससे प्रति एकड़ करीब 10 क्विंटल तक पैदावार मिलती है। पारंपरिक धान की तुलना में इसमें अधिक लाभ मिलने की संभावना रहती है।

इस खेती में खास तकनीक अपनाई जाती है, जिसमें जनवरी में मादा पौधों की तीन पंक्तियां और नर पौधों की एक पंक्ति लगाई जाती है। बाद में संकरण प्रक्रिया के जरिए नर पौधों का पराग मादा पौधों तक पहुंचाया जाता है। किसानों का कहना है कि निजी कंपनियों के मार्गदर्शन से उन्हें खेती के हर चरण में मदद मिल रही है। वे अपनी उपज करीब 8,000 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बेच रहे हैं, जिससे प्रति एकड़ 40,000 से 50,000 रुपये तक मुनाफा हो रहा है। दाहेगांव के किसान इस नई तकनीक से खेती कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

नारायण सेवा संस्थान की सेवा ने उल्लेखनीय ऊंचाइयों को छुआ : राज्यपाल

745 दिव्यांगजनों को 815 कृत्रिम अंग वितरित

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एग्जिबिशन ग्राउंड्स में रविवार को नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर ने सैकड़ों दिव्यांगजनों को गतिशीलता और सम्मान लौटाते हुए भावनात्मक रूप से प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण किया।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) भागीदारों, जिनमें मेक अ चेंज फाउंडेशन (यूके) और श्री स्वामीनारायण मंदिर, विलेस्डेन (यूके) शामिल हैं, के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 745 लाभार्थियों को 815 नारायण मॉड्यूलर कृत्रिम अंग और कैलिपर्स वितरित किए गए। कई लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार एक से अधिक कृत्रिम अंग लगाए गए। शिविर का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने इस पहल को मानवता की सच्ची विजय बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर देखने को मिला परिवर्तन अत्यंत भावुक करने वाला है। राज्यपाल ने लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और कार्यक्रम के तहत आयोजित परेड के दौरान उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा, यहां सेवा ने उल्लेखनीय ऊंचाइयों को छुआ है। ये क्षण करुणा और सामूहिक प्रयास की शक्ति को पुनः स्थापित करते हैं। उन्होंने संस्थान के नेतृत्व, विशेष रूप से प्रशांत अग्रवाल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान कई भावुक पल देखने को मिले, जब लाभार्थियों ने वर्षों की अक्षमता के बाद पहली बार स्वतंत्र रूप से कदम बढ़ाए। कुछ ने पहली बार फुटबॉल खेलने या बिना सहायता के पानी पीने जैसी गतिविधियों का प्रयास किया। आंध्र प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री टी. जी. भारत ने इस पहल को जीवन परिवर्तित करने वाला मिशन बताया और दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में भी इसी प्रकार का शिविर आयोजित करने की योजना की घोषणा की। आयोजकों के अनुसार, पूर्व में आयोजित स्क्रीनिंग शिविर में 1,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 745 को कृत्रिम अंग सहायता के लिए चुना गया। ट्रस्टी एवं निदेशक देवेंद्र चौबिसा ने बताया कि लाभार्थियों को जर्मन तकनीक आधारित उन्नत मॉड्यूलर कृत्रिम अंग लगाने के साथ-साथ उनके उपयोग और रखरखाव का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई और इसमें दानदाताओं एवं सहयोगियों का सम्मान भी किया गया। तेलंगाना विधान परिषद सदस्य बोग्गुर दयानंद भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और उन्होंने इस पहल की सराहना की। साल 1985 में कैलाश मानव द्वारा स्थापित नारायण सेवा संस्थान अब तक देशभर में 39,000 से अधिक लोगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर चुका है और 4.5 लाख से अधिक लाभार्थियों को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करा चुका है।

वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि जनहित के खिलाफः डॉ. मल्लू रवि

नई दिल्ली , 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य एवं सांसद डॉ. मल्लू रवि ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में हालिया वृद्धि पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी घरेलू सिलेंडरों की तुलना में अधिक खतरनाक है, क्योंकि इसका असर केवल खरीदारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ता है। डॉ. मल्लू रवि ने अपने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संयुक्त सचिव द्वारा पूर्व में यह आश्वासन दिया गया था कि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि नहीं की जाएगी। इसके बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी करना सरकार की वादाखिलाफी को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने देश की जनता के साथ छल किया है और अपने वादों से पीछे हट गई है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए।

संगारेड्डी नगर में ईएसआई डिस्पेंसरी की स्थापना खुशी की बात : जग्गारेड्डी

औद्योगिक श्रमिकों को मिलेगा लाभ

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों के लिए जल्द ही ईएसआई डिस्पेंसरी उपलब्ध होने जा रही है। टीजीआईआईसी चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी के अनुरोध पर श्रम मंत्री विवेक वेंकट स्वामी ने संगारेड्डी नगर के लिए ईएसआई डिस्पेंसरी को मंजूरी प्रदान की है। डिस्पेंसरी की स्थापना के लिए भवन उपलब्ध कराने हेतु जग्गारेड्डी और निर्मला ने पूर्व कलेक्टर प्रवीण्या से अनुरोध किया था। कलेक्टर के निर्देश पर बाईपास रोड स्थित एमपीडीओ कार्यालय के पास खाली पड़े आर एंड बी क्वार्टर्स को इसके लिए आवंटित किया गया। डिस्पेंसरी के लिए आवश्यक मरम्मत कार्यों हेतु जग्गारेड्डी ने अपने निजी निधि से 8 लाख रुपये उपलब्ध कराए हैं। वर्तमान में मरम्मत कार्य तेजी से जारी है। जग्गारेड्डी ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बेड्स की व्यवस्था, आवश्यक लैब सुविधाएं और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, साथ ही स्थायी भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। प्रस्तावित ईएसआई डिस्पेंसरी में 10 बेड और 20 स्टाफ सदस्यों की व्यवस्था की जाएगी। यह डिस्पेंसरी संगारेड्डी और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत हजारों श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी। जग्गारेड्डी ने कहा कि संगारेड्डी नगर में ही डिस्पेंसरी की स्थापना होना खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा और इसके बाद श्रम मंत्री विवेक वेंकट स्वामी तथा जिला मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के हाथों इसका उद्घाटन कराया जाएगा। इस अवसर पर पीसीसी महासचिव तोपाजी अनंत किशन, कांग्रेस नेता जार्ज, कूना संतोष, किरण गौड़, महेश मुदिराज, श्रीहरी सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

सड़क विवाद के बाद व्यक्ति को कार के बोनट पर 2 किमी तक घसीटा

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट इलाके में लेन बदलने को लेकर हुए विवाद के बाद एक अधेड़ व्यक्ति को कार के बोनट पर करीब 2 किलोमीटर तक घसीटने का मामला सामने आया है। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में व्यक्ति चलती कार के बोनट को पकड़े हुए नजर आ रहा है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। इसी दौरान एक कार चालक से लेन बदलने को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए और गाड़ी चलाने लगा।

बेटे को बचाने के लिए उसके पिता ने कार रोकने की कोशिश की और बोनट पकड़ लिया, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और उसे करीब 2 किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया। बाद में चालक वाहन रोककर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि वह मीरपेट से एलबी नगर जा रहा था, तभी कार ने पीछे से टक्कर मारी। इस दौरान उसका बेटा सड़क पर गिरकर घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट थाने में कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कामारेड्डी बस स्टैंड में आग, 12 दुकानें जलीं

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद के कामारेड्डी स्थित पुराने बस स्टैंड में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। इस आग में करीब 12 दुकानें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं। आग रात करीब 2 बजे लगी और तेजी से फैलते हुए कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। शुरूआती अनुमान के अनुसार इस घटना में लगभग 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आग दुर्घटनावश लगी या इसके पीछे कोई साजिश है।

रामागुंडम कोल माइन परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी

सिंगरेणी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कॉलरीज कंपनी लिमिटेड को लंबे समय से प्रतीक्षित रामागुंडम कोल माइन परियोजना के लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्रारंभिक पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। इस संबंध में शुक्रवार को सिंगरेणी प्रबंधन को आधिकारिक सूचना प्राप्त हुई है और अगले 10 दिनों में औपचारिक अनुमति पत्र मिलने की संभावना है। कंपनी के सीएमडी डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति के मार्गदर्शन में निदेशकों और अधिकारियों के प्रयासों से यह सफलता मिली है। यह परियोजना सिंगरेणी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है, जिसमें प्रतिवर्ष 210 लाख टन कोयला उत्पादन की क्षमता होगी। परियोजना के तहत कुल 314.98 मिलियन टन कोयला भंडार का उपयोग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यह खनन कार्य 25 वर्षों तक जारी रहेगा।

इस परियोजना का उद्देश्य बंद हो रही पुरानी खदानों के उत्पादन की भरपाई करना और पहले से अनुमत 2 ओपन कास्ट तथा 3 भूमिगत खदानों के अंतर्गत उपलब्ध कोयला भंडार का अधिकतम उपयोग करना है। यहां उत्पादित कोयला मुख्य रूप से एनटीपीसी रामागुंडम और अन्य कोयला आधारित उद्योगों को आपूर्ति किया जाएगा।

प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए बंद हो चुकी जीडीके-10 इंक्लाइन और बंद होने वाली वकीलपल्ली भूमिगत खदानों को ओपन कास्ट खदानों में परिवर्तित किया जाएगा। साथ ही रामागुंडम ओपन कास्ट-1 विस्तार परियोजना (फेज-2), ओपन कास्ट-2 विस्तार परियोजना तथा एड्रियाल शाफ्ट अंडरग्राउंड परियोजना के आसपास बचा हुआ कोयला भी इस परियोजना के तहत निकाला जाएगा। परियोजना के तहत ओपन कास्ट क्षेत्रों से 182.28 मिलियन टन तथा भूमिगत खदानों से 132.70 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जाएगा।

यहां के कोयले की औसत गुणवत्ता ग्रेड जी-10 निर्धारित की गई है। करीब 4326.08 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस परियोजना पर लगभग 2,194.05 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसमें 5,403 सिंगरेनी कर्मचारी और करीब 600 संविदा कर्मचारी कार्य करेंगे। रामागुंडम क्षेत्र में पुरानी खदानों के बंद होने के कारण उत्पन्न हो रही उत्पादन कमी को यह परियोजना पूरा करेगी और लगभग 5,500 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। साथ ही एनटीपीसी के साथ सिंगरेनी के लंबे समय से चल रहे व्यावसायिक संबंध भी इस परियोजना के माध्यम से सुचारू रूप से जारी रहेंगे। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए खनन के दौरान निकलने वाली ओवरबर्डन मिट्टी को खाली स्थानों में भरकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की योजना बनाई गई है।

करीमनगर में दिन-दहाड़े ज्वेलरी शोरूम में लूट, फायरिंग में तीन घायल

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के करीमनगर शहर में रविवार को हथियारबंद लुटेरों ने दिन-दहाड़े एक ज्वेलरी शोरूम में घुसकर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान की गई फायरिंग में कम से कम तीन कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना शहर के ज्योतिनगर इलाके में स्थित पीएमजी ज्वेलरी शोरूम की है। पुलिस के मुताबिक, पांच हमलावर ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए। पहले उन्होंने सामान्य ग्राहकों की तरह ज्वेलरी देखने का नाटक किया, लेकिन कुछ ही देर में हथियार निकाल लिए और कर्मचारियों को डराने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुई इस फायरिंग से शोरूम में अफरा-तफरी मच गई। घबराए कर्मचारियों और ग्राहकों को हथियारों के बल पर काबू में करते हुए लुटेरों ने डिस्प्ले काउंटर से कीमती ज्वेलरी समेटी और बैग में भरकर फरार हो गए।

सामने आया वीडियो :

घटना का वीडियो भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में पांचों हमलावर साफ दिखाई दे रहे हैं। उनमें से दो ने टोपी पहन रखी थी और सभी हथियार लहराते हुए कर्मचारियों को घुटनों के बल बैठने और हाथ ऊपर उठाने के लिए मजबूर कर रहे थे। भागने से पहले एक हमलावर ने सुरक्षा गार्ड की आंखों पर पट्टी भी बांध दी। खास बात यह है कि किसी भी हमलावर ने अपना चेहरा नहीं ढका था।

गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग और दुकानदार मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और टास्क फोर्स की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया और जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीमों को भी बुलाया गया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान और उनके फरार होने के रास्तों का पता लगाने में जुटी है।

शहर और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। शहर से बाहर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर नाकेबंदी कर दी गई है ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। पुलिस कमिश्नर गौस आलम ने भी घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया है।

सेल्स मैनेजर समेत अन्य कर्मचारी घायल :

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने भी शोरूम पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि घटना उनके कार्यालय के बेहद करीब हुई। उनके मुताबिक, जब कर्मचारियों ने लूट का विरोध किया तो हमलावरों ने गोली चला दी, जिसमें सेल्स मैनेजर समेत अन्य कर्मचारी घायल हो गए। डॉक्टरों ने बताया है कि घायलों की हालत फिलहाल स्थिर है और बेहतर इलाज के लिए उन्हें हैदराबाद रेफर किया जा रहा है।

फिलहाल, लूटी गई ज्वेलरी की कुल कीमत का आकलन किया जा रहा है। दुकान प्रबंधन इन्वेंट्री तैयार कर रहा है, जिसके बाद ही नुकसान की सही तस्वीर सामने आ सकेगी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.